THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

**वर्ष-28 अंक : 8** (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **चैत्र शु.7 2080 मंगलवार, 28 मार्च 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**


# राहुल को बंगला खाली करने का नोटिस

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने के बाद अब उन्हें 22 अप्रैल तक लुटियंस दिल्ली में स्थित अपना आधिकारिक बंगला खाली करना होगा। लोकसभा आवास समिति ने सोमवार (27 मार्च, 2023) को कथित तौर पर राहुल गांधी को सरकार द्वारा आवंटित बंगला खाली करने के लिए नोटिस जारी किया। राहुल गांधी को 2004 में लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद 12, तुगलक लेन बंगला आवंटित किया गया था।

नियमानुसार उन्हें अयोग्यता आदेश की तारीख से एक माह के भीतर अपना सरकारी बंगला खाली करना होगा। इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को जुलाई 2020 में अपना आधिकारिक लोधी एस्टेट बंगला खाली करना पड़ा।

कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि वह राजनीतिक और कानूनी रूप से राहुल गांधी की सजा और अयोग्यता के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी।

**2019 में मोदी सरनेम को लेकर राहुल गांधी ने की थी टिप्पणी :**

राहुल ने 2019 में कर्नाटक की सभा में मोदी सरनेम को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था, सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है। इस मानहानि केस में गुजरात की सूरत कोर्ट ने 23 मार्च को राहुल गांधी को दोषी पाया था। कोर्ट ने उन्हें दो साल की सजा सुनाई। उन पर 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। हालांकि, कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा को 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया है, ताकि वो ऊपरी अदालतों में अपील कर सकें। पिछले शुक्रवार को लोकसभा सचिवालय ने उनकी संसद सदस्यता रद्द कर दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की संसदीय सीट वायनाड को खाली घोषित कर दिया है। इलेक्शन कमीशन अब इस सीट पर इलेक्शन का ऐलान कर सकता है।

राहुल गांधी सजा का फैसला अगर ऊपरी अदालतें भी बरकरार रखती हैं, तो वह अगले 8 साल तक चुनाव भी नहीं लड़ पाएंगे। दो साल की सजा पूरी करने के बाद वह छह साल के लिए अयोग्य रहेंगे। राहुल गांधी अब सूरत कोर्ट के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दे सकते हैं। कांग्रेस ने एक्शन की वैधानिकता पर भी सवाल उठाया है कि राष्ट्रपति ही चुनाव आयोग के साथ विमर्श कर किसी सांसद को अयोग्य घोषित कर सकते हैं।

## अतीक प्रयागराज की नैनी जेल पहुंचा

अहमदाबाद/लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)। उमेश पाल मर्डर केस का आरोपी गैंगस्टर अतीक अहमद सोमवार शाम साढ़े 5 बजे प्रयागराज की नैनी जेल पहुंचा। अतीक का बेटा अली अहमद भी इसी जेल में बंद है।

अतीक को उमेश पाल किडनैपिंग केस में मंगलवार को स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट में पेश किया जाएगा। उसके भाई अशरफ को भी इसी केस में पुलिस बरेली से प्रयागराज लाई है।

इससे पहले 26 मार्च को सुबह यूपी एसटीएफ के अफसर और 30 हथियारबंद जवान अहमदाबाद पहुंचे और शाम 4 बजे तक गुजरात पुलिस से अतीक की कस्टडी ली। 5 बजकर 44 मिनट पर अतीक को साबरमती जेल से बाहर लाया गया और वैन में बैठा दिया गया।

## कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा के घर पर पथराव

### बंजारा समुदाय के प्रदर्शनकारियों पर पुलिस का लाठीचार्ज

शिवमोग्गा, 27 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के शिवमोग्गा में शिकारीपुर स्थित घर पर हमला किया गया है। आरक्षण से संबंधित मुद्दे का विरोध कर रहे बंजारा समुदाय के सदस्यों ने उनके घर पर पथराव किया है। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बंजारा समुदाय अनुसूचित जनजाति समुदाय में आंतरिक आरक्षण की मांग करता रहा है। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव 2023 की तारीखों की घोषणा भी नहीं हुई है और सियासी घमासान शुरू हो गया है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय को दिए गए आरक्षण में इंटरनल रिजर्वेशन को लेकर बंजारा समुदाय ने आपत्ति दर्ज करवाई है। शुक्रवार को कर्नाटक की भाजपा सरकार ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए इंटरनल रिजर्वेशन का एलान किया था। इसके मुताबिक, अनुसूचित जाति समुदाय को जो 17 प्रतिशत रिजर्वेशन दिया, उसे आंतरिक रूप से बांटा गया। इस फैसले के तहत एससी लेफ्ट को 6 प्रतिशत, एससी राइट को साढ़े 5 प्रतिशत, टचेबल्स को साढ़े चार प्रतिशत और अन्य को 1 प्रतिशत देने का फैसला किया गया। >14

## 4 बातों से तय करते हैं जजों के नाम : सीजेआई

### किरन रिजिजू ने कहा, यह नहीं न्यायपालिका का काम

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। जजों की नियुक्ति के मसले पर हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम और केंद्र सरकार के बीच तनातनी नजर आई है। केंद्र सरकार ने कई मौकों पर कॉलेजियम की सिफारिशों को नजरअंदाज कर दिया है। कानून मंत्री किरण रिजिजू कहते रहे हैं कि सरकार का न्यायपालिका से टकराव नहीं है, लेकिन कुछ इश्यू जरूर हैं। जिनमें से एक कॉलेजियम में पारदर्शिता भी है।

पिछले दिनों में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ से जजों की नियुक्ति और कॉलेजियम सिस्टम में पारदर्शिता पर सवाल किया गया तब उन्होंने विस्तार से बताया था कि कॉलेजियम कैसे काम करता है और जजों की

नियुक्ति में किन पैरामीटर को फॉलो किया जाता है।

**कॉलेजियम किन पैरामीटर को करता है फॉलो?**

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ कहते हैं कि जजों की नियुक्ति के लिए हम जिस पैरामीटर को अपनाते हैं, वह पूरी तरह साफ और स्थापित है। उदाहरण के लिए कॉलेजियम, सुप्रीम कोर्ट में किसी की नियुक्ति की सिफारिश करती है तो हम सबसे पहले पिछले 3 सालों के दौरान हाईकोर्ट के जजों द्वारा दिए गए फैसलों को देखते हैं।

मेरिट : सीजेआई कहते हैं कि हम सबसे पहले मेरिट को देखते हैं। देखते हैं कि कोई जज पेशेवर तौर पर कितना मजबूत है। उसके द्वारा दिए गए फैसलों का विश्लेषण करते हैं। जिन जजों के नाम पर विचार होना है उनके द्वारा दिए गए फैसलों को कॉलेजियम के सभी सदस्यों को साझा किया जाता है। ताकि सभी एक साथ देख सकें।

वरिष्ठता : मेरिट के बाद दूसरा सबसे बड़ा पैरामीटर सिनियॉरिटी यानी वरिष्ठता है क्योंकि आखिरकार सेवा की बात है।

इंक्लूजन : सीजेआई चंद्रचूड़ कहते हैं कि तीसरा अहम पैरामीटर जो हमने तय किया है >14

# उद्धव की राहुल को चेतावनी... तो गठबंधन तोड़ लूंगा

*ठाकरे बोले-सावरकर हमारे भगवान, उनका अपमान बर्दाश्त नहीं, नहीं माने तो अलग हो जाएंगे*

मुंबई, 27 मार्च (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे ने रविवार को मालेगांव में एक कार्यक्रम के दौरान सावरकर पर राहुल के दिए जा रहे बयानों पर नाराजगी जताई है। उद्धव ने राहुल को चेतावनी देते हुए कहा- सावरकर हमारे भगवान हैं और हम उनका अपमान नहीं सहेंगे। सावरकर को नीचा दिखाने से विपक्षी गठबंधन में दरार पैदा होगी। सावरकर मेरे आदर्श हैं, इसलिए राहुल गांधी उनका अपमान करने से बचें। उद्धव ने कहा, 'सावरकर ने 14 साल तक अंडमान सेलुलर जेल में यातनाएं झेलीं। हम केवल पीड़ाओं को पढ़ सकते हैं। यह बलिदान का ही एक रूप है। हम सावरकर का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर राहुल गांधी सावरकर की निंदा करना नहीं छोड़ते हैं तो गठबंधन में दरार आएगी।' उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने राहुल गांधी के बयान पर कहा- गलत बयान है। वे गांधी जरूर हैं, लेकिन उन्हें सावरकर का नाम घसीटने की जरूरत नहीं है। सावरकर हमारी प्रेरणा हैं। महाराष्ट्र में चल रही हमारी लड़ाई के पीछे छत्रपति शिवाजी महाराज और वीर सावरकर ही प्रेरणा हैं।

मैं इस मुद्दे पर खुद राहुल से दिल्ली में आमने-सामने बैठकर बात करूंगा। गौरतलब है कि संजय राउत भारत जोड़ो यात्रा के अंतिम चरण में कश्मीर में भी शामिल हुए थे।

**उद्धव ने कहा था-वीर सावरकर हमारे भगवान**

उद्धव ने रैली के दौरान कहा था, 'उद्धव गुट, कांग्रेस और एनसीपी का गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा के लिए बना था और हमें एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। राहुल गांधी को जानबूझकर उकसाया जा रहा है, लेकिन अगर हम इसमें समय बर्बाद करते हैं, तो लोकतंत्र का अस्तित्व खत्म हो जाएगा।'

**राहुल के मोदी पर उठाए सवाल की तारीफ की**

हालांकि उद्धव ठाकरे ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर राहुल गांधी के सरकार से पूछे गए सवाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए था कि अडाणी फर्म में 20,000 करोड़ कहां से आए थे। पीएम मोदी के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर भाजपा के तर्क पर ठाकरे ने कहा, मोदी भारत नहीं हैं। क्या हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने इसके लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी? मोदी पर सवाल उठाना भारत का अपमान करने के बारे में नहीं है।

## इनके काले कारनामे, काले कपड़े और अब ये काले जादू तक जाने वाले हैं : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी की लोक सभा सदस्यता रद्द करने के विरोध में कांग्रेस सांसदों द्वारा काले कपड़े पहनकर विरोध जताने पर कटाक्ष करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि इनके काले कारनामे, अब काले कपड़े और अब ये काले जादू तक जाने वाले हैं क्योंकि इनके काले कारनामे छिप नहीं सकते।

संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए ठाकुर ने भगवान राम से तुलना करने के प्रियंका गांधी के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि अब यही दिन देखना बाकी रह गया था, इससे बड़ा अहंकार क्या हो सकता है। राहुल गांधी की आलोचना करते हुए ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी ने पिछड़ों का अपमान किया है और उनमें इतना अहंकार है कि वे माफी नहीं मांग रहे हैं, और अब तो कोर्ट के आदेश को भी नहीं मान रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने सावरकर पर राहुल गांधी के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें कम से कम सावरकर को लेकर अपनी दादी इंदिरा गांधी द्वारा दिए गए बयान की तो इज्जत रखनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कभी भी सावरकर नहीं हो सकते क्योंकि सावरकर कभी 6 महीने के लिए विदेश घूमने नहीं जाते थे। अनुराग ठाकुर ने सदन नहीं चलने देने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि सिर्फ एक व्यक्ति (राहुल गांधी) की वजह से ये संसद का सत्र नहीं चलने दे रहे हैं।

## रोचक खबरें

### मां के गर्भ से निकलते ही चेहरे से चिपक गया नवजात

**मम्मी से नहीं होना चाहता था अलग, क्यूट वीडियो जीत लेगा दिल**

दुनिया की हर महिला के लिए मां बनने का अहसास सबसे ख़ास होता है. एक नई जिंदगी को अपने अंदर पालकर महिला इस दुनिया में लेकर आती है. 9 महीने महिला की बॉडी अलग-अलग स्थितियों से गुजरती है. कई तरह के बदलाव उसकी बॉडी में आते हैं. तब जाकर एक बच्चा इस दुनिया में आता है. बच्चे को पैदा करने में भी महिला को भीषण दर्द का सामना करना पड़ता है. ऐसा कहा जाता है कि बच्चे को जन्म देने के समय होने वाला दर्द बॉडी की कई हड्डियों को एक साथ टूटने के बराबर होता है. मां और बच्चे के रिश्ते को दिखाता कई वीडियो अब तक आपने देखा होगा. लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया पर इस रिश्ते के नए आयाम को दिखाता वीडियो वायरल हो रहा है.

इस वीडियो में एक बच्चा जन्म के तुरंत बाद अपनी मां को छोड़ने से इंकार करता नजर आ रहा था. मां के गर्भ से तो डॉक्टर्स ने बच्चे को बाहर निकाल लिया. लेकिन वो कुछ इस तरह से अपनी मां से चिपक गया कि कोई भी किसी भी तरह से उसे अलग ही नहीं कर पाया.

**डिलीवरी के तुरंत बाद का वीडियो**

आमतौर पर डॉक्टर्स बच्चे की डिलीवरी के बाद उसकी सफाई करने के लिए ले कर चले जाते हैं. भारत में ज्यादातर ऐसा ही होता है. बच्चे की सफाई के बाद उसे घरवालों को दिया जाता है. आखिर में उसे मां के पास लाया जाता है. लेकिन विदेशों में ऐसा नहीं होता. वहां जन्म के तुरंत बाद सबसे पहले बच्चे और मां का स्किन टू स्किन स्पर्श करवाया जाता है. कहते हैं कि ऐसा करने से दोनों का संबंध मजबूत होता है. डिलीवरी के तुरंत बाद इस बच्चे को भी मां के पास लाया गया था.

### दोस्त के चिंपांजी को गई थी पुचकारने, पलट कर चबा गया मुंह

दानव जैसी हो गई थी शक्ल

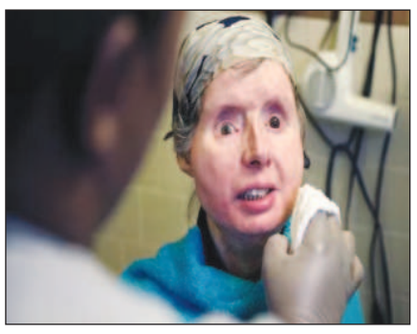

इंसानों ने अपनी सुविधा के लिए कई तरह के जानवरों को पालने की शुरुआत की. जहां दूध के लिए गाय और भैंस को पाला, वहीं अंडे के लिए मुर्गी, मांस के लिए बकरी आदि को पालने लगे. इसके बाद अपने मनोरंजन और सेफ्टी के लिए कुत्तों को पालना शुरू किया गया. कुछ जानवर जो जंगली माने जाते हैं, उन्हें भी कुछ लोग पालने लगे. कई घरों में आपको बंदर भी रहते नजर आ जाएंगे. ऐसी ही एक महिला ने अपने घर में चिंपांज़ी पाला था. जब उसकी दोस्त चिंपांज़ी के नजदीक गई, तो जानवर ने उसपर अटैक कर उसका हुलिया बिगाड़ दिया. मामला 2009 का था. फरवरी का महीना चार्ला नाष शायद कभी भूले. कनेक्टिकट के स्टैमफोर्ड में रहने वाली चार्ला अपनी दोस्त के घर गई थी.

वहां अपनी दोस्त के पालतू चिंपांज़ी के नजदीक जाने के बाद वो हुआ, जिसने चार्ला की लाइफ हमेशा के लिए बदल दी. चिंपांज़ी ने चरला पर अटैक कर दिया. चिंपांज़ी ने चार्ला के चेहरे और हाथों पर अटैक कर दिया था. उसने चार्ला के चेहरे की हर एक हड्डी तोड़ दी थी. अब अटैक के इतने साल बाद प्लास्टिक सर्जरी करवाने के बाद उसे वापस इंसान जैसा फील हो रहा है.

**बदल कर रख दिया था हुलिया**

इस चिंप ने चार्ला के चेहरे पर अटैक कर दिया था. चार्ला की आंखें, उसके एक हाथ को और यहां तक की दिमाग के टिश्यू को भी चबा गया था. साथ ही इस अटैक के बाद चार्ला की लेफ्ट आंख को निकालना पड़ गया था. चिंप की वजह से उसमें इन्फेक्शन हो गया था. लेकिन गनीमत थी कि चार्ला की जान बच गई. इसके बाद के कई साल उसने प्लास्टिक सर्जरी में बिता दिए. अब चार्ला का फेस ट्रांसप्लांट किया गया है, जिसके बाद उसे वापस इंसान की तरह फील होने लगा है.

### कौड़ियों के दाम बेचना चाहता था खटारा टेप रिकॉर्डर

वही निकला बेशकीमती-लोगों में मच गई खरीदने की होड़

दुनिया में ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें ये पता ही नहीं होता है कि उनके पास कितनी बेशकीमती चीज है. इन चीजों की वैल्यू नहीं पता होने की वजह से ये लोग नुकसान में चले जाते हैं. कई बार लोग ठगे जाते हैं तो कई बार उनके हाथ जैकपोट लग जाता है. लेकिन आज हम जिस शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं, उसके साथ तो अजीब ही स्थिति पैदा हो गई. इस शख्स को पता ही नहीं था कि जिस टेप रिकॉर्डर को वो कौड़ियों के दाम बेच रहा है, असल में वो कितना बेशकीमती है. हालांकि, जब उसे इसका अहसास हुआ, तब तक पानी सिर से ऊपर जा चुका था. हम बात कर रहे हैं ब्रिटेन में रहने वाले 72 साल के माइक गोड़न के बारे में. इस पेंशनर के पास एक पुराण टेप रिकॉर्डर था. माइक ने इसे eBay पर ऑक्शन में लगा दिया. इस नीलामी की शुरुआत सिर्फ 99p से हुई थी. लेकिन देखते ही देखते इसकी कीमत एक हज़ार यूरो तक चली गई. ये देखने के बाद माइक ने ऑक्शन कैंसिल कर दिया. लेकिन उसकी ये हरकत उसी पर भारी पड़ गई. अब उसे eBay पर इसकी बोली लगाने वाले को 12 लाख का हर्जाना देना होगा.

**इतिहास ने बनाया बेशकीमती**

दरअसल, माइक को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसका टेप रिकॉर्डर बेशकीमती है. इसे कई नामी म्यूजिशियंस ने इस्तेमाल किया हुआ था. वो सिर्फ इस कबाड़ से छुटकारा पाना चाहता था. लेकिन जब ऑक्शन के दौरान इसकी कीमत बढ़ती चली गई तो उसने ये बोलकर ऑक्शन कैंसिल कर दिया कि इसमें खराबी आ गई है. हालांकि, तब तक ऑक्शन में कई लोगों ने बोली लगा दी थी. जिस शख्स की सबसे हाईएस्ट बिड लगाई थी, उसने ही माइक पर ऑक्शन कैंसिल करने को लेकर केस दर्ज कर दिया था. अब सुनवाई के बाद माइक को शख्स को 12 लाख का हर्जाना भरना है.

## शिंदे गुट के विधायक बोले-साले को बचाने के लिए उद्धव ठाकरे ने छोड़ी थी सीएम की कुर्सी

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट के विधायक सुहास कांदे ने बड़ा दावा किया है। एक समय ठाकरे परिवार के बेहद खास रहे सुहास कांदे ने दावा किया कि उद्धव ठाकरे ने अपने साले को बचाने के लिए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया। मीडिया रिपोर्ट्स में सुहास कांदे के हवाले से इसका खुलासा किया गया है।

कांदे ने कहा, 'उद्धव ठाकरे ने जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया तब उन्हें न तो राज्यपाल ने बहुमत साबित करने के लिए कहा था और न ही उस समय कोई अधिवेशन चल रहा था। इसके बावजूद उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा उन्होंने अपने साले श्रीधर पाटणकर को बचाने के लिए दिया था।' रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीधर पाटणकर के घर पर पिछले साल ईडी ने रेड की थी। इसके बाद से चर्चा है कि पाटणकर के मामले की आंच मुख्यंत्री रहे उद्धव ठाकरे तक आ सकती है।

**उद्धव ठाकरे ने साधा था निशाना**

रविवार को नासिक के मालेगांव में उद्धव ठाकरे ने एक जनसभा को संबोधित किया था। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से लेकर भाजपा तक पर निशाना साधा था। शिंदे गुट के विधायक सुहास कांदे को भी आड़े हाथों लिया था। ठाकरे ने कहा था कि आप कहते हैं कि कांदा (प्याज) को भाव मिला लेकिन मैं कहता हूं कि पीछे साल एक कांदे को भाव मिला। पिछले साल एक कांदा (विधायक सुहास कांदे) पचास करोड़ रूपये में बिके।

**सुहास कांदे ने किया पलटवार**

उद्धव ठाकरे के बयान पर विधायक सुहास कांदे ने भी पलटवार किया। बोले, 'इन आरोपों की जांच के लिए मेरा नार्को टेस्ट किया जाए। मेरे साथ उद्धव ठाकरे का भी नार्को टेस्ट किया जाए। इसके अलावा मैं जिन कांट्रेक्टर (आईआरबी, महैस्कर) का नाम ले रहा हूं उनके भी नार्को टेस्ट किए जाएं। इसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। मालूम चल जाएगा कि और कितना पानी में है।' कांदे ने आगे कहा कि श्रीधर पाटणकर का भी नार्को टेस्ट किया जाना चाहिए।

साथ ही उस दौरान उद्धव ठाकरे ने कितने लोगों को फोन किया, कितने लोगों ने मध्यस्तता की। इन सब बातों की भी जांच होनी चाहिए। कांदे के आरोपों पर उद्धव ठाकरे गुट के प्रवक्ता आनंद दुबे ने सफाई दी। दुबे ने कहा कि सुहास कांदे को राजनीति का स्तर इतना नहीं गिराना चाहिए। केंद्र और राज्य में उनकी ही सरकार है। अगर ऐसा है तो उन्हें जांच करवानी चाहिए न बयानबाजी करके किसी को बदनाम करना चाहिए।

## महिला ने 4 बच्चों के साथ कुएं में लगाई छलांग, तीन की मौत

भोपाल, 27 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 30 वर्षीय महिला अपने चार नाबालिग बच्चों के साथ एक कुएं में कूद गई। लेकिन कुछ देर बाद ही महिला अपने एक बच्चे के साथ कुएं से बाहर निकल आई, बाकी तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने कुएं से 18 महीने के बेटे समेत तीन बच्चों के शव बरामद किए।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि महिला ने अपने पति से झगड़े के बाद यह कदम उठाया। पुलिस ने कहा कि महिला ने पहले अपने बच्चों को एक-एक करके कुएं में फेंका और बाद में खुद कुएं में कूद गई। लेकिन वह डर गई और कुएं में पानी भरने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रस्सी को पकड़ कर अपनी एक बेटी के साथ कुएं से बाहर आ गई।

जब तक परिजन या स्थानीय लोग बच्चों को बचा पाते तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। यह घटना रविवार को जिला मुख्यालय बुरहानपुर से करीब 60 किमी दूर स्थित एक गांव में हुई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, मामला दर्ज कर लिया गया है और महिला के पति समेत परिवार के सदस्यों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। यह घरेलू हिंसा का मामला प्रतीत होता है।

हालांकि, हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि महिला ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया?

## कैसे दिल्ली पुलिस ने शख्स को अगवा किए जाने के 20 मिनट बाद छुड़ाया..

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में एक व्यक्ति को अगवा किए जाने के 20 मिनट बाद छुड़ा लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस को शाम 4.33 बजे फोन आया। रविवार को पंडित पार्क क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय दीपक को दो व्यक्तियों ने एक कार में घर से अगवा कर लिया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, पीड़ित का फोन नंबर प्राप्त किया गया, और लोकेशन के आधार पर झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र के कांच रेस्तरां में छापा मारा गया। पीड़ित को 20 मिनट के भीतर बचा लिया गया। अधिकारी ने कहा, कृष्णा नगर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और दोनों आरोपियों की पहचान न्यू गोविंदपुरा निवासी पारितोष गुप्ता (30) और बिहारी कॉलोनी निवासी लव (29) के रूप में हुई है।

## सावरकर को लेकर महाराष्ट्र गठबंधन में फिर दिखी दरार!

### राहुल गांधी से मिलेंगे संजय राउत!

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने संसद सदस्यता जाने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि वह गांधी हैं, सावरकर नहीं, माफी नहीं मांगेंगे। अब इस बयान को लेकर महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के गठबंधन में फिर दरार दिखी है। दरअसल संजय राउत ने राहुल गांधी के इस बयान को गलत बताया है।

संजय राउत ने ये भी कहा कि वह इस मुद्दे पर राहुल गांधी से बात करने की कोशिश करेंगे।

**'सावरकर हमारी प्रेरणा'**

दरअसल पत्रकारों ने जब शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के नेता संजय राउत से राहुल गांधी के सावरकर पर दिए बयान पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा उनका बयान गलत है।

वह गांधी हैं लेकिन इसमें सावरकर को घसीटने की जरूरत नहीं थी। सावरकर हमारी प्रेरणा हैं। हमारी लड़ाई के पीछे छत्रपति शिवाजी और वीर सावरकर ही प्रेरणा हैं। संजय राउत ने कहा कि वह इस मुद्दे पर राहुल गांधी से बात करने की कोशिश करेंगे। बता दें कि मोदी सरनेम को लेकर विवादित टिप्पणी करने के मामले में सूरत की अदालत ने राहुल गांधी को मानहानि का दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई है। जिसके बाद जनप्रतिनिधि कानून के प्रावधान के तहत राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द हो गई है। इसके बाद जब राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो पत्रकारों ने उनसे माफी मांगने को लेकर सवाल किया था। तब राहुल गांधी ने माफी मांगने से इनकार करते हुए कहा था कि वह गांधी हैं, सावरकर नहीं, वह माफी नहीं मांगेंगे। महाराष्ट्र की राजनीति में सावरकर एक बड़ा मुद्दा हैं और यही वजह है कि सावरकर के मुद्दे पर पहले भी कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट शिवसेना के बीच मतभेद हो चुके हैं। गठबंधन में होने के चलते शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) जहां खुलकर राहुल गांधी के बयान का विरोध नहीं कर पा रही हैं, वहीं शिवसेना (शिंदे गुट) प्रमुख और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस मुद्दे पर जमकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा।

## उम्र के सवाल पर भड़के दिग्विजय सिंह बोले-क्या शिवराज-मोदी जी युवा हैं?

### नरोत्तम का तंज-राहुल और ये गुरु-चेला हैं

भोपाल, 27 मार्च (एजेंसियां)। ग्वालियर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह उम्र वाले सवाल पर एकदिन पहले गुस्सा हो गए थे। उन्होंने नाराजगी जताते हुए पूछा था- क्या दिग्विजय सिंह बैसाखी पर चल रहा है? क्या बीजेपी में शिवराज सिंह चौहान और मोदी जी युवा हैं। क्या वे बुजुर्ग नहीं हैं। दिग्विजय के इस तरह नाराज होने पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भोपाल में सोमवार को तंज कसा। मिश्रा ने कहा- राहुल गांधी और दिग्विजय सिंह गुरु-चेला हैं। गुरु को तो आगे निकलना ही था।

साथ ही मिश्रा ने राहुल गांधी और कमलनाथ के बीच सब कुछ ठीक नहीं चलने की बात भी कही। उन्होंने राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने पर कांग्रेस के प्रदर्शनों को फ्लॉप शो बताया और कहा कि कांग्रेस सिर्फ दिखावा कर रही है। मिश्रा ने कहा- कमलनाथ रविवार को दिल्ली में हुए प्रदर्शन में कहीं नजर नहीं आए। साथ ही भोपाल में हुए प्रदर्शनों से कमलनाथ समेत अन्य बड़े नेताओं ने भी दूरी बनाई। कांग्रेस की बैठकों से भी कमलनाथ नदारद हैं। जब राहुल गांधी यात्रा पर MP आए थे, तब कमलनाथ महाराज (प्रदीप मिश्रा) से मिलने गए थे और उनसे कहा था कि हम 7 दिन से मर रहे हैं। यह इस बात के संकेत हैं कि

राहुल गांधी और कमलनाथ के बीच मतभेद हैं।

**किस बात पर नाराज हुए थे दिग्विजय?**

राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द होने के बाद पार्टी प्रदर्शन कर रही है। इसी सिलसिले में दिग्विजय सिंह ने रविवार को ग्वालियर में पत्रकारों से चर्चा की।

इसी दौरान उनसे सवाल पूछा गया कि कांग्रेस में युवा नेता पार्टी से नाराज चल रहे हैं और क्या 75 साल के बुजुर्ग नेता का चेहरा दिखाकर आप चुनाव जीत लेंगे? सवाल पर बिफरे पूर्व सीएम ने पूछा था- दिग्विजय सिंह क्या बैसाखी पर चल रहा है? यह सवाल बीजेपी से क्यों नहीं पूछते हैं? क्या बीजेपी में शिवराज सिंह, मोदी जी युवा हैं? क्या वे बुजुर्ग नहीं हैं? आप मोदी जी से प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए क्यों नहीं कहते हैं।

**गृहमंत्री ने साधा निशाना**

भोपाल में दिग्विजय सिंह के बयान पर गृहमंत्री ने निशाना साधा। उन्होंने किसानों को मुआवजे न देने के कांग्रेस के आरोप पर कहा- दिग्विजय सिंह, कमलनाथ किसानों का हाल जानने खेतों में नहीं गए। कांग्रेस सिर्फ किसानों के नाम पर राजनीति करती है। भोपाल को मिलने वाली वंदे भारत ट्रेन की सौगात को लेकर गृहमंत्री ने कहा- कांग्रेस ने दो शताब्दी ट्रेनें शुरू करने में एक युग बिता दिया। मोदी सरकार ने आठ साल में 9 स्वदेशी वंदे भारत ट्रेनों की सौगात दी। 1 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी यह सौगात भोपाल को देने आ रहे हैं।

दिग्विजय बोले-मोदी के करीबी देश के भगोड़े दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि राहुल का कसूर इतना था कि अडाणी ग्रुप के 20 हजार करोड़ और जनता के डूबे 10 लाख करोड़ का हिसाब संसद में पूछ लिया था। अडाणी की कंपनी में एक डायरेक्टर चायना का है और एक ब्रिटेन का। हमारी मांग थी कि संयुक्त संसदीय समिति बनाकर जांच की जाए, क्या गलत था।

*पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ व्यास बोलीं*

## मोदी सरकार की उलटी गिनती शुरू

उदयपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म करने को लेकर देशभर में जारी कांग्रेस पार्टी के विरोध-प्रदर्शन के क्रम में उदयपुर में यहां गुलाब बाग स्थित गांधी स्मारक पर धरना दिया गया। इस दौरान पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास का कहना था कि उनके नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने वाला निर्णय चौकाने वाला है। ऐसे केस कई लोगों पर लगते रहे हैं, हम पर भी लगे थे लेकिन राहुल गांधी पर सोची समझी चाल के तहत कानून का इस तरह उपयोग किया गया है। यह प्रजातंत्र का नाश करने की कोशिश है।

डॉ व्यास का कहना था कि अब मोदी सरकार की उलटी गिनती शुरू हो गई है। राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने से उन्हें वापस राज मिल जाएगा, यह उनकी भ्रांति है। उन्होंने कहा, मैंने जिंदगी में कई उतार.चढाव देखे। इंदिरा जी की गिरफ्तारी देखी, उनकी हार देखी और फिर 19 माह बाद उनकी ऐतिहासिक वापसी भी देखने को मिली। पूर्व राज्य मंत्री मांगीलाल गरासिया ने कहा कि सरकार की आलोचना करने वाले और उनके खिलाफ आवाज उठाने वालों की आवाज दबाई जा रही है, यह लोकतंत्र के लिए घातक है। देहात कांग्रेस जिला अध्यक्ष लालसिंह झाला ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में जनता की बात उठाई गई।

उनकी बात पची नही होत मुकदमा दर्ज कर उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई। इसे उन्होंने मोदी सरकार की ओछी राजनीति बताया। धरने को पूर्व विधायक एवं मौजूदा प्रधान बसंती देवी, पूर्व विधायक सज्जन कटारा और त्रिलोक पूर्बिया ने भी संबोधित किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 28 मार्च, 2023 3

**सु वि चा र**

कभी भी किसी को भला बुरा कहने से पहले यह अवश्य सोच ले कि यदि वही शब्द कोई आपसे कहे तो आपको कैसा प्रतीत होगा।

## मंत्री कोप्पुला ने अंबेडकर प्रतिमा के निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने अधिकारियों को 14 अप्रैल को अंबेडकर की जयंती पर उद्घाटन के लिए टैंक बांध के पास डॉ बी आर अंबेडकर की 125 फुट ऊंची प्रतिमा के निर्माण कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया। ईश्वर ने सोमवार को प्रतिमा स्थल का दौरा किया और चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने काम सौंपी कंपनी के अधिकारियों और अधिकारियों को 5 अप्रैल तक सभी काम पूरा करने के लिए कहा ताकि 14 अप्रैल को इसका उद्घाटन किया जा सके। उन्होंने ऑडिटोरियम, वाटर फाउंटेन और भूनिर्माण कार्यों की जांच की। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि अंबेडकर प्रतिमा का 90 प्रतिशत निर्माण कार्य पहले ही पूरा हो चुका है और बाकी का काम तय कार्यक्रम के अनुसार पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिमा के चारों ओर एलिवेशन, मेमोरियल, सेंट्रल लाइब्रेरी और

फाउंटेन का निर्माण कार्य चल रहा है और प्रतिमा के नीचे संसद जैसी संरचना का निर्माण किया जा रहा है।

यह परियोजना 11.4 एकड़ में फैली हुई है, जो हुसैन सागर के किनारे और डॉ. अम्बेडकर के नाम पर नए तेलंगाना राज्य सचिवालय से सटी हुई है, जिसकी अनुमानित लागत 146 करोड़ रुपये है।

लगभग 111 टन कांस्य का उपयोग बाहरी आवरण की ढलाई के लिए किया जाता है, जबकि गैर-संक्षारक स्टेनलेस स्टील आर्मेचर या ढांचे को मूर्ति की आंतरिक शक्ति के लिए एक प्रबलित कंक्रीट कोर पेडस्टल में बनाया जाता है। प्रतिमा को प्रसिद्ध मूर्तिकार राम वनजी सुतार, पद्म श्री और पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित और उनके बेटे अनिल राम सुतार द्वारा डिजाइन किया गया था।

## केटीआर ने 17 सितंबर को झूठ बोलने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की निंदा की

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और आईटी मंत्री केटी रामा राव ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर 17 सितंबर के दिन झूठ बोलने के लिए निशाना साधा। रविवार को कर्नाटक राज्य के बीदर में एक कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि तेलंगाना सरकार 17 सितंबर को हैदराबाद मुक्ति दिवस नहीं मना रही है और वह निजाम के शासन के खिलाफ लड़ने वाले लोगों के बलिदान को याद करने में विफल रही है। अमित शाह के बयान की निंदा करते हुए मंत्री के टी रामा राव ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना सरकार ने 17 सितंबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया था। एक ट्वीट में, केटीआर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी, 17 सितंबर को तेलंगाना सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय एकीकरण दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि 1948 में उसी दिन हैदराबाद राज्य को भारतीय संघ में एकीकृत किया गया था। आपकी ज़बरदस्त गलतबयानी वास्तव में कद के अनुरूप नहीं है।

## मतदान अधिकार के अलावा तेलंगाना में आदिवासियों को कोई अधिकार नहीं : भट्टी

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस विधायक दल के नेता भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में आदिवासियों से मतदान के अधिकार को छोड़कर उनके अधिकार छीन लिए गए हैं। वह हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के हिस्से के रूप में अपने पीपुल्स मार्च के 170 किलोमीटर के पूरा होने के अवसर पर सोमवार को रेबेना, आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। पिछले 12 दिनों के दौरान, भट्टी विकारमार्का ने आदिलाबाद, निर्मल और कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के कुछ हिस्सों को कवर किया है और अब उनकी पदयात्रा मनचेरियल जिले में प्रवेश करेगी। विक्रमार्क ने आदिलाबाद एजेंसी गांवों में आदिवासियों की दुर्दशा पर प्रकाश डाला, जिन्हें वोट देने के अधिकार को छोड़कर उनके अधिकार छीन लिए गए हैं। उन्होंने टीआरएस सरकार पर कांग्रेस सरकार की उन योजनाओं को नष्ट करने का आरोप लगाया, जो इस क्षेत्र के लोगों को अधिक वित्तीय संसाधन प्रदान करतीं, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय समुदायों

पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि स्थानीय लोगों को राशन कार्ड, पेंशन, पट्टा, नौकरी, स्वास्थ्य या सिंचाई के लिए पानी जैसे कोई लाभ नहीं मिल रहे हैं. उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान आम लोगों, विशेषकर आदिवासियों की स्थिति बहुत खराब हुई है। उन्होंने केसीआर सरकार पर तत्कालीन अविभाजित आदिलाबाद जिले में आदिवासियों को जंगल से हटाकर संसाधनों से वंचित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस काल के दौरान स्थापित समनुदेशन समिति प्रणाली के उन्मूलन का भी उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य गरीबों और आदिवासियों को सालाना सरकारी भूमि वितरित करना था। उन्होंने कहा कि स्थानीय विधायक उन सौंपने वाली समितियों के अध्यक्ष हुआ करते थे। हालांकि, बीआरएस सरकार द्वारा पूरी व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने राज्य के लोगों को नौकरी, धन और पानी जैसे प्राकृतिक संसाधन आवंटित करके उनके लिए समृद्धि लाने के लिए तेलंगाना का निर्माण किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर राव सरकार नौ वर्षों से इन संसाधनों को पहुंचाने में बाधा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान खुले खनन का विरोध करने के बावजूद, चंद्रशेखर राव ने आंध्र से जीएलआर जैसी कंपनियों को अनुबंध देकर इस प्रथा को जारी रखने की अनुमति दी। उन्होंने कालेश्वरम परियोजना और भागीरथ मिशन को भी बड़ा घोटाला बताया। उन्होंने कहा कि मिशन भगीरथ बीआरएस सरकार का 42,000 करोड़ रुपये का घोटाला है। उन्होंने कहा कि केवल पाइप लाइन बिछाई गई है और नल से पानी की आपूर्ति नागरिकों को नहीं की जाती है। इसी तरह, उन्होंने कहा कि कालेश्वरम परियोजना प्राणहिता चेवेल्ला परियोजनाओं को फिर से डिज़ाइन करके कार्यकारी थी। उन्होंने कहा कि 152 मीटर ऊंचाई वाले तुम्माडीहाटी बैराज की मूल लागत करीब 100 करोड़ रुपये थी। 38,000 करोड़ और लगभग रु। 10,000 करोड़ पहले ही खर्च किए जा चुके थे। उन्होंने कहा कि केंद्र को राष्ट्रीय दर्जा देने के लिए मजबूर करके राज्य सरकार द्वारा पूरी परियोजना को मुफ्त में पूरा किया जा सकता था। हालांकि, उन्होंने कहा कि केसीआर ने परियोजना को फिर से डिजाइन किया और 1.25 लाख करोड़ रुपये जनता का पैसा बर्बाद किया। पदयात्रा के दौरान, सीएलपी नेता ने कहा कि उन्हें समाज के सभी वर्गों से राशन कार्ड की कमी, वजीफा, भूमि के पट्टे और कृषि ऋण माफी जैसे मुद्दों के बारे में शिकायतें मिली हैं। उन्होंने बैंकों द्वारा नया ऋण नहीं देने के कारण किसानों को साहूकारों से उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेने के लिए मजबूर होने पर चिंता व्यक्त की।

## एससीआर द्वारा गदवाल-कुर्नूल शहर के बीच विद्युतीकरण पूरा

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वित्तीय वर्ष 2022-2023 के कगार पर, दक्षिण मध्य रेलवे ने बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण कार्यों को गति दी है, जिससे एससीआर नेटवर्क में अधिक विद्युतीकृत खंड जुड़ गए हैं। इस दिशा में, दमरे ने गदवाल-कुर्नूल सिटी के बीच 54 रूट किलोमीटर (आरकेएम) की दूरी के लिए विद्युतीकरण कार्य पूरा कर लिया है। इसने ज़ोन के सिकंदराबाद-धर्मावरम से निरंतर विद्युतीकृत रेलवे लाइन की सुविधा को सक्षम किया है और इस खंड में संचालित ट्रेनों को अब विद्युत कर्षण के तहत लिया जा सकता है।

धोन-कुरनूल सिटी-महबूबनगर, सिकंदराबाद-मुदखेड़-मनमाड विद्युतीकरण परियोजना। यह परियोजना वर्ष 2018-19 में 916.07 करोड़ रुपये की संशोधित स्वीकृति के तहत शुरू की गई थी। सिकंदराबाद-महबूबनगर के बीच के हिस्से को अलग परियोजना के हिस्से के रूप में पहले ही विद्युतीकृत किया जा चुका है। महबूबनगर-गदवाल और के बीच खंड; कुरनूल शहर- इस परियोजना के तहत धोन पहले ही पूरा हो चुका है। दक्षिण मध्य रेलवे के ढोने-गूटी-धर्मावरम और दक्षिण पश्चिम रेलवे के धर्मावरम-बेंगलुरु शहर के बीच के खंडों का विद्युतीकरण भी पूरा हो गया है। इसलिए, पैसेंजर और फ्रेट दोनों ट्रेनें अब हैदराबाद-धर्मावरम और बेंगलुरु से आगे बेंगलुरू तक यात्रा कर सकती हैं, जिससे इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के साथ ट्रेनें शुरू से अंत तक चल सकेंगी। इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन वाली ट्रेनों का संचालन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है और पर्यावरण के अनुकूल साबित होता है। यह रेल यात्रियों को ट्रैक्शन पावर में बदलाव से बचाकर ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही प्रदान करने में मदद करता है, कोचिंग और मालगाड़ियों दोनों के रास्ते में अवरोधन को कम करता है और ट्रेनों की औसत गति में सुधार करता है। अनुभागीय क्षमता में वृद्धि के कारण इन खंडों में और अधिक ट्रेनों को शुरू करने की क्षमता है। जहां तक रेलवे का संबंध है, ईंधन लागत को बड़े पैमाने पर बचाया जा सकता है और परिचालन दक्षता में भी मदद मिलती है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने विद्युतीकरण कार्यों को निष्पादित करने के लिए उत्कृष्ट टीम वर्क और समर्पण के लिए इलेक्ट्रिकल विंग के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है। महाप्रबंधक ने कहा है कि गडवाल - कुरनूल स्टेशनों के बीच इस खंड के विद्युतीकरण के पूरा होने के साथ, जोन सिकंदराबाद-बेंगलुरु के बीच पूरे खंड में इलेक्ट्रिक ट्रेनों को शुरू करने की योजना बना रहा है, जिससे निर्बाध कनेक्टिविटी को सक्षम किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जोन एक मिशन मोड पर अपने रेल नेटवर्क में मौजूदा ब्रॉड गेज लाइनों के 100% विद्युतीकरण की ओर बढ़ रहा है।

## रामगुंडम सीपी ने तेलंगाना व महाराष्ट्र की सीमाओं का निरीक्षण किया

मंचेरियल, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामगुंडम पुलिस आयुक्त रेमा राजेश्वरी ने सोमवार को तेलंगाना और महाराष्ट्र की सीमाओं पर वेमनपल्ली और कोटापल्ली मंडलों में प्राणहिता नदी के फेरी पॉइंट का निरीक्षण किया।

राजेश्वरी ने कल्लमपल्ली, वेंचापल्ली और वेमनपल्ली गांवों में प्राणहिता नदी के फेरी पॉइंट का दौरा किया। उन्होंने माओवाद प्रभावित गांवों और वन क्षेत्र और सीमाओं पर वर्तमान स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। उसने स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की और पुलिस को गांवों में सामुदायिक पुलिस कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा। बाद में आयुक्त ने कोटापल्ली और नीलवई थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि स्थानीय लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने के अलावा जनता को बेहतर गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करें। उन्होंने उनसे निगरानी बढ़ाने और अपराधों को रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कहा। मनचेरियल डीसीपी के सुधीर रामनाथ, जयपुर एसीपी जी नरेंद्र, चेन्नूर इंस्पेक्टर वासुदेव राव और सब-इंस्पेक्टर वेंकट मौजूद थे।

## सितंबर तक तैयार हो जाएगा वरंगल मल्टी सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल : वेमुला

वारंगल, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डीने कहा कि 24 मंजिला सुपर मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण कार्य जोरों पर है और इस साल सितंबर तक पूरा हो जाएगा।

मंत्री ने स्थानीय विधायक एन नरेंद्र के साथ मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के निर्देश के बाद कार्य का निरीक्षण किया। अब तक 60 फीसदी निर्माण पूरा हो चुका है। सितंबर तक काम खत्म कर मरीजों को सेवाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य हमने रखा है। स्थानीय विधायक नरेंद्र नियमित रूप से कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

पूरे परिसर और भवन का दौरा करने वाले मंत्री ने ठेका एजेंसी के प्रतिनिधियों से जनशक्ति बढ़ाकर तीन शिफ्टों में 24÷7 काम जारी रखने को कहा। कॉर्पोरेट अस्पतालों के बराबर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए, मुख्यमंत्री ने इस अस्पताल को स्थापित करने का निर्णय लिया। इस अस्पताल में 42 एकड़ में 19 लाख वर्गफुट होगा।

परियोजना की लागत 1200 करोड़ रुपये है, रेड्डी ने कहा, 30 से 35 विभाग अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं प्रदान करेंगे। हनामकोंडा जिला कलेक्टर सिकता पटनायक, आरएंडबी ईएनसी गणपति रेड्डी, एसई नरेंद्र राव और एलएंडटी निर्माण कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## स्व.श्रीमती दाकुबाई सोयल की स्मृति में प्रवचन कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता सभा भवन में स्व.श्रीमती दाकुबाई सोयल की स्मृति में सोयल परिवार द्वारा सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें निकेश बालरोटा व भरत लिम्बाड़ ने धार्मिक भजन व प्रवचन प्रस्तुत किये। सोयल परिवार के पुखराज चौधरी ने बताया कि सभा भवन मे स्व.श्रीमती दाकुबाई सोयल की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलितकर परिवार के सदस्य पुखराज, छोगालाल, जेपाराम, गणेशराम, मदनलाल, जेठाराम, भंवरलाल, सुरेश, धनपत, चुन्नीलाल, मनोज, गणेश, भावीन, मोतीराम, सोहनलाल, कुश, पानीबाई, कमलादेवी, कंचनदेवी, रिद्धीदेवी, झमकुबाई, सुकीबाई, रीना, खुशबु, रेखा, लीला व सोयल परिवार ने पावन चरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पित किये। अवसर पर निकेश बालरोटा व भरत लिम्बोड़ ने भजनों व प्रवचन के कार्यक्रम में धार्मिक भजन एवं माँ की ममता पर प्रकाश डाला। अवसर पर पूर्व अध्यक्ष जसराज सोलंकी ने गायत्री मंत्र व भागवत कथा का पाठकर पुण्य आत्मा को श्रद्धांजलि दी। सीरवी समाज अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, सचिव किशनसिंह राठौड़, पूर्व अध्यक्ष जसराज सोलंकी, भुराराम सोयल, पूर्व उपाध्यक्ष ओकाराम सोलंकी, सज्जनराज सोलंकी, करमनघाट सीरवी समाज अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, पूर्व अध्यक्ष वेनाराम चोयल, दीपाराम काग, ताराराम गेहलोत, प्रकाश सोयल, मगाराम बर्फा, भानाराम बर्फा, तेजाराम सोलंकी, मांगीलाल, नरेन्द्र परिहार व बहुत से समाज बन्धुओं ने भी श्रद्धा के पुष्प अर्पित किये। कार्यक्रम स्थल पर भोजन की व्यवस्था की गयी।

## भद्राचलम में श्रीरामनवमी के दौरान श्रद्धालुओं की सहायता के लिए क्यूआर कोड प्रणाली

कोठागुडेम, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम में श्री सीता रामचंद्रस्वामी देवस्थानम में श्री रामनवमी समारोह में भाग लेने वाले भक्तों की सहायता के लिए जिला पुलिस एक त्वरित प्रतिक्रिया (क्यूआर) कोड-आधारित मार्गदर्शन प्रणाली लेकर आई है, जिसमें एक एकीकृत मानचित्र है।

भक्त या तो क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं या एक वेब लिंक, https://bhadrachalam.netlify.app पर क्लिक कर सकते हैं, कल्याण मंडपम सेक्टर योजना का उपयोग करने के लिए अपने संबंधित क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए और दिशा-निर्देश प्राप्त करने के लिए गुगूल मानचित्र पर क्लिक कर सकते हैं। इसी तरह, मंदिर में 'तालम्बरालु' और 'लड्डू प्रसादम' वितरण स्टालों का पता लगाने के लिए गुगूल मानचित्र पर आधारित एक अलग नक्शा है। पुलिस अधीक्षक डॉ. विनीत जी ने कहा कि पुलिस क्यूआर कोड और वेब लिंक को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा कर रही है और दूर-दूर से मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपनी सुविधा के लिए इस प्रणाली का उपयोग करें। श्री रामनवमी 30 मार्च को है, जिस दिन भगवान राम का दिव्य विवाह होगा और उसके बाद 31 मार्च को पुष्कर पट्टाभिषेकम होगा।

सोमवार को यहां समाहरणालय में एक कार्यक्रम में, जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी ने समारोह में भाग लेने के दौरान बरती जाने वाली व्यवस्थाओं और सावधानियों के बारे में जानकारी के साथ एक ऑडियो और सूचना पुस्तिका जारी की। उन्होंने भद्राचलम में काम पर लगे सफाई कर्मचारियों को वर्दी भी वितरित की। उन्होंने बताया कि मंदिर शहर को 15 जोन में बांटा गया है, 17 एमपीओ और 100 ग्राम सचिवों को स्वच्छता की निगरानी के लिए ड्यूटी आवंटित की गई है, जिसे 400 कर्मचारियों द्वारा बनाए रखा जाएगा। व्यवस्थाओं को परखने के लिए 28 मार्च को मंदिर में मॉकड्रिल कराई जाएगी।

## तेलंगाना सरकार 1 अप्रैल से ग्राम पंचायत खातों में धन जमा करेगी : हरीश राव

संगारेड्डी, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने सोमवार को सरपंचों से कहा कि राज्य सरकार 1 अप्रैल से धन के उपयोग में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करके सभी धनराशि ग्राम पंचायतों के बैंक खातों में जमा कर देगी। सोमवार को संगारेड्डी में ग्राम पंचायतों को राष्ट्रीय दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सात विकास पुष्कर पुरस्कार प्रदान करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरपंच आसानी से कार्यों को पूरा कर सकते हैं क्योंकि धन का भुगतान पंचायत के हाथों में होगा। अभी तक उन्हें चेक पर हस्ताक्षर कर कोषागार से राशि प्राप्त करनी पड़ती थी। एक अप्रैल से इसमें बदलाव होगा। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में विस्तार से बताते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना विकास की प्रयोगशाला बन गया है। विभिन्न राज्यों के अधिकारी और निर्वाचित प्रतिनिधि विकास को देखने के लिए तेलंगाना के गांवों में आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जबकि पड़ोसी कर्नाटक और महाराष्ट्र में सोलापुर, पुणे और बीदर जैसे प्रमुख शहरों को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा था, तेलंगाना के गांवों में एक परिवर्तन आया था, उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार साढ़े तीन साल के भीतर सभी गांवों में पानी की आपूर्ति कर सकती है। उन्होंने कहा कि पल्ले प्रगति को लॉन्च करके राज्य सरकार ने तेलंगाना का चेहरा बदल दिया है।

## CLASSIFIEDS

### CHANGE OF NAME

I, NOOR UNNISA BINTH QADER ATHER, Hereby Change my Name As NOOR UNNISA and Henceforth Called as NOOR UNNISA on All Records.

I, MOHAMMED HANEEF BIN QADER ATHER, Hereby Change my Name As MOHAMMED HANEEF and Henceforth Called As MOHAMMED HANEEF on All Records

**सावधान**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

## नगरपालिका कर्मचारियों ने लंबित करों को एकत्र करने के लिए धरना दिया

सूर्यापेट, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक अनोखे विरोध में, सूर्यापेट नगरपालिका के बिल संग्रहकर्ताओं और सफाई कर्मचारियों ने सोमवार को दो वाणिज्यिक भवनों पर धरना दिया ताकि उनके मालिकों पर लंबित संपत्ति कर का भुगतान करने का दबाव बनाया जा सके।

भले ही नगर पालिका के अधिकारियों ने वसुंधरा शॉपिंग कांप्लेक्स के मालिकों को 8,45,026 रुपये कर के भुगतान के लिए और वृंदावन ग्रैंड बिल्डिंग को 6,96,768 रुपये के लंबित कर के भुगतान के लिए दो बार नोटिस दिया, लेकिन भवन मालिकों की ओर से कोई उचित प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसी को लेकर नगर पालिका के कर्मचारियों ने दो व्यवसायिक परिसरों के मुख्य द्वार के सामने कर भुगतान की मांग को लेकर धरना दिया.

## जन्मदिन की शुभकामनाएं

हर्षिता देवकट्टे
मता : ममता देवकट्टे
पिता : राजेंद्र देवकट्टे

श्री गणेशाय नमः श्री दधिथि महर्षि श्री दधिमथे नमः श्री वीरब्रह्माय नमः श्री हनुमते नमः

वक्रतुण्ड महाकाय, सूर्यकोटि समप्रभः निर्विघ्नं कुरु मे देव, सर्व कार्येषु सर्वदा।।

श्री दधिमथी माता मंदिर
सुराराम, हैदराबाद

निमंत्रण

आपको सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि

चैत्र नवरात्रि महोत्सव 2023
के अन्तर्गत माता की चौकी

28/3/23 मगलवार सायकाल 4:30 बजे हवन है सभी आमंत्रित हैं!

दिनाक 29/3/23 बुधवार महा आरती 12:30 बजे महा परसाद 1:00 से 4:00 बजे तक

सभी सादर आमंत्रित है

कार्यक्रम शुभ स्थल :
न्यू शिवालयनगर, सुराराम, जीडीमेट्ला, हैदराबाद.

निवेदक :
समस्त कार्यकारिणी सदस्य
8801027708, 9440537887, 9393091666, 9908593015, 8309021962, 9391417766, 9390986039, 9346240319

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

# सारस और बारहसिंघा के लिए जंगलों में विकसित किये जाएं विशेष पार्क : योगी

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के घने जंगलों में राज्य पक्षी सारस और राज्य पशु बारहसिंघा के लिए विशेष पार्क विकसित किये जाने चाहिए। साथ ही वन विभाग प्रदेश के जंगलों को ईको टूरिज्म के रूप में डेवलप करने के लिए सकारात्मक भाव के साथ कार्य करे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान ये बात कही। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर हीरो मोटर कॉर्प लि. की ओर से सीएसआर फंड से वन विभाग को प्रदान की गई मोटरसाइकिल और स्कूटी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जलोत्सव माह का भी शुभारंभ किया और कहा कि वनों में मौजूद जलाशयों की साफ सफाई और उनकी मेड़ों पर व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। वन विभाग ऐसे विभागों को चिह्नित करे, जिनसे पर्यावरण और वन संपदा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचता है। इसके बाद उनकी सीएसआर निधि को पर्यावरण संरक्षण के लिए कैसे उपयोग कर सकते हैं, इसके लिए जल्द से जल्द एक व्यवस्था तैयार करें। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने और पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों से संवाद किया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के वन विभाग की टीम को 12 स्वर्ण, 18 रजत और 13 कांस्य पदक प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए उनका अभिनंदन किया। सीएम योगी ने इस अवसर पर वृक्षारोपण जन आंदोलन 2022 की कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग के कर्मचारियों के ऊपर आज बड़ी जिम्मेदारी है। पूरी दुनिया आज इस बात के लिए चिंतित है कि पृथ्वी का क्या होगा, क्योंकि दुनियाभर में पर्यावरण परिवर्तन देखने को मिल रहा है। ऐसे दौर में पर्यावरण संरक्षण को लीड करना सबसे बड़ी आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम से ना केवल मनुष्य बल्कि पूरी जीव सृष्टि को बचाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

## 262 कोविड पॉजिटिव 24 घंटे में मिले 29 केस

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार सुबह आई कोरोना रिपोर्ट में 24 घंटे में 29 नए संक्रमित मिले हैं। सबसे ज्यादा गोतमबुद्धनगर और गाजियाबाद में कोरोना फैला है। 2 दिन में 107 संक्रमित मिले हैं। एक दिन पहले लखीमपुर के एक स्कूल में 39 स्टाफ और छात्र पॉजिटिव मिले हैं। 10 दिन में 354% बढ़ी संक्रमण की रफ्तारोना की जद में आ चुके हैं। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में एक छात्रा की कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आने के अगले ही दिन जांच के लिए भेजे गए 97 सैंपल में से 37 की रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई। आनन-फानन में स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ सीएमओ मौके पर पहुंचे। इस बीच डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी आला अफसरों को छात्राओं के स्वास्थ्य के बारें में पता करने के निर्देश दिए हैं।

# करौली सरकार आश्रम केस में डॉक्टर का नया वीडियो

*सीएम आवास के बाहर डॉक्टर जमीन पर लेटे, बाबा बोले-हंगामा करने पर पुलिस ने पीटा था*

कानपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर करौली सरकार मामले में सोमवार को नया मोड़ आ गया। करौली सरकार आश्रम के प्रबंधन ने मीडिया के साथ एक वीडियो शेयर किया है। दावा किया है कि यह वीडियो बाबा संतोष सिंह भदौरिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने वाले नोएडा के डॉक्टर का है। इसमें डॉक्टर मुख्यमंत्री आवास के बाहर हंगामा कर रहा और पुलिसकर्मी उसे समझा रहे हैं। आश्रम प्रबंधन ने दावा किया है कि डॉक्टर को सीएम आवास के बाहर हंगामा करने पर पुलिस ने पीटा था। डॉक्टर ने उनके ऊपर झूठे आरोप लगाए हैं।

**बाबा ने कहा-मेरे ऊपर लगाए गए मारपीट के आरोप झूठे**

नोएडा निवासी डॉक्टर सिद्धार्थ चौधरी ने 19 मार्च को बिधनू थाने में करौली सरकार के बाबा संतोष सिंह भदौरिया और उनके सेवादारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप था कि बाबा और उनके सेवादारों ने उनके चमत्कार को चैलेंज करने पर जमकर पीटा। उन्हें आश्रम से धक्के मारकर बाहर निकाल दिया था। मामले की बिधनू थाने की पुलिस जांच कर रही है।

**डॉक्टर चिल्ला कर पुलिस से कह रहा...हाथ कैसे लगा दिया**

इसी बीच करौली सरकार के बाबा संतोष सिंह भदौरिया के मीडिया कोऑर्डिनेटर बृजेंद्र सिंह की ओर से सोमवार को डॉक्टर का एक वीडियो साझा किया है। इसमें एफआईआर दर्ज कराने वाले डॉक्टर सिद्धार्थ चौधरी सीएम आवास के बाहर जमीन पर लेटे दिख रहे हैं। उनकी नाक से खून भी निकल रहा है। डॉक्टर चिल्ला-चिल्ला कर पुलिस कर्मियों से कह रहे हैं कि हाथ कैसे लगा दिया...? अब करौली बाबा आश्रम ने दावा किया है कि सीएम आवास के बाहर डॉक्टर को पुलिस ने पीटा था। पुलिस की पिटाई से वह घायल हुए थे। परिजनों ने मानसिक रोगी बताकर मामले को शांत कराया था। डीसीपी साउथ सलमान ताज पाटिल ने बताया कि फिलहाल यह वीडियो अभी पुलिस के पास नहीं आया है। अगर यह वीडियो संतोष सिंह भदौरिया की ओर से दिया जाएगा, तो उसे भी जांच में शामिल किया जाएगा।

## आरिफ और सारस की दोस्ती के प्रति यूपी सरकार का रवैया सही नहीं : प्रियंका गांधी

अमेठी, 27 मार्च (एजेंसियां)। अमेठी के आरिफ और सारस की दोस्ती को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यूपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि प्रेम, संवेदना के प्रति ये अन्याय कतई सही नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा, रक्षकों का सम्मान करना हमारे देश की परंपरा है। प्रेम की मिसाल कायम करने वालों को इस देश में सराहा जाता है। लेकिन, यूपी सरकार को क्या सूझा जो सारस की जान बचाने वाले, उसको दोस्त की तरह रखने वाले रक्षक को नोटिस भेजा जा रहा है। प्रेम, संवेदना के प्रति ये अन्याय कतई सही नहीं है।

इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इसे जय-वीरू की दोस्ती भी करार दिया था। दरअसल अमेठी के आरिफ को करीब एक साल पहले एक घायल सारस मिला था। उन्होंने उसका इलाज किया और फिर अपने परिवार के सदस्य की तरह पाला। नतीजन, सारस को भी आरिफ से दोस्ती हो गई और वह वहीं रहने लगा। जानकारी हासिल होने पर एक दिन स्माजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव भी दोनों से मिलने पहुंच गये। उनकी प्रगाढ़ता देख अखिलेश ने इसे सोशल मीडिया पर शेयर भी किया। इसके बाद अचानक वन विभाग की टीम आई और सारस को पकड़कर ले गई। वन विभाग ने सारस को समसपुर पक्षी विहार में छोड़ दिया है। इसके बाद सारस पक्षी विहार से 6 किमी दूर बिसैया गांव पहुंच गया। वहां कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया लेकिन गांववालों ने उसे बचा लिया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम फिर से उसे पकड़कर ले गई और सारस की निगरानी और बढ़ा दी है।

# यूपी-एसएससी एग्जाम में बैठे सॉल्वर समेत 8 अरेस्ट

**कॉलेज प्रबंधक से मिलीभगत करके परीक्षार्थी की जगह बैठा दिए सॉल्वर; प्रति व्यक्ति लिए थे एक लाख रुपए**

कानपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपी-एसएससी) की परीक्षा में बैठे सॉल्वर समेत आठ को अरेस्ट कर लिया। कॉलेज मैनेजमेंट से साठगांठ करके सॉल्वर गैंग ने सात परीक्षार्थियों की जगह सॉल्वरों को बैठा दिया था। गैंग के सदस्यों के पास से 9 मोबाइल, प्रवेश पत्र, प्रश्न पत्र की ओएमआर शीट और 29 हजार रुपए मिले हैं। पुलिस गैंग के पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है।

**अचानक क्राइम ब्रांच ने छापा मारा**

डीसीपी साउथ सलमान ताज पाटिल ने बताया कि 26 मार्च को चित्रा डिग्री कालेज में यूपी-एसएससी की परीक्षा थी। पुलिस को जानकारी मिली कि परीक्षा में सॉल्वर गैंग ने सहायक प्रबंधक से मिलकर परीक्षार्थियों की जगह सॉल्वरों को बैठा दिया है। जानकारी मिलते ही हनुमंत विहार पुलिस और क्राइमब्रांच ने कॉलेज में छापा मारा। इस दौरान 7 सॉल्वर मिले। कॉलेज प्रबंधक कमलेश कटियार, विनय कुमार, सौरभ मिश्रा, अनुराग दुबे, सुजीत यादव, विजय प्रताप सिंह, सन्दीप कुमार और अमर सिहं यादव को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि सहायक प्रबंधक ने प्रति सॉल्वर एक लाख रुपए लिए लिए थे। परीक्षा के बाद एक लाख रुपए प्रति व्यक्ति मिलना था। लेकिन, पुलिस को सूचना मिलते ही गैंग का खुलासा कर दिया। तलाशी के दौरान सॉल्वरों के पास से 29 हजार रुपाए, 9 मोबाइल, 04 अदद प्रश्न पत्र मय प्रवेश पत्र व छायाप्रति ओएमआर सीट।

# सुरक्षा के सवाल पर खिड़की पीटता रहा अशरफ..., गाड़ी में बैठाकर ले गई पुलिस

बरेली, 27 मार्च (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद के छोटे भाई अशरफ अजीम को सोमवार की सुबह करीब नौ बजे पुलिस बरेली जेल से प्रयागराज ले गई। अशरफ बरेली सेंट्रल जेल-2 में करीब ढाई साल से बंद है। अतीक और अशरफ प्रयागराज के उमेश पाल अपहरण कांड में मुख्य आरोपी हैं। 28 मार्च को प्रयागराज के एमपीएमएलए कोर्ट में दोनों की पेशी होनी है। प्रयागराज पुलिस की टीम रविवार रात में ही बरेली आ गई थी। पुलिस ने जेल में ही अशरफ का वारंट तामील कराया। सोमवार सुबह करीब नौ बजे कड़ी सुरक्षा में अशरफ को जेल से निकाल पुलिस की गाड़ी में बैठाया गया। पुलिस ने जेल गेट पर गाड़ी इस तरह लगाई कि मीडिया से अशरफ की सीधी बात ही नहीं हो सकी।

खिड़की पर हाथ पीटता रहा अशरफ

पुलिस की गाड़ी में अशरफ के बैठने के बाद मीडिया ने उससे पूछा कि उसे किसी तरह कोई खतरा तो नहीं है। इस पर अशरफ खिड़की पर हाथ मारने लगा, हालांकि कुछ बोला नहीं। इस बीच पुलिस उसे लेकर प्रयागराज के लिए रवाना हो गई।

**उमेश पाल हत्याकांड में भी आरोपी है अशरफ**

प्रयागराज में 24 फरवरी को राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में भी पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद, उसके भाई पूर्व विधायक अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, पुत्र असद, अली, उमर आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। इस हत्याकांड की साजिश भी बरेली जेल में अशरफ ने रची थी।

## अतीक की बहन बोलीं-सीएम के बयान से तो डरेंगे ही

झांसी, 27 मार्च (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी माफिया अतीक अहमद को यूपी एसटीएफ अहमदाबाद की साबरमती जेल से प्रयागराज ला रही है। अतीक के काफिले के पीछे-पीछे उनकी बहन आयशा नूरी गाड़ी से चल रही हैं। नूरी के साथ उनकी बेटी और अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा भी हैं। साथ में एडवोकेट विजय व एक अन्य वकील भी हैं। सोमवार को अतीक को लेकर यूपी एसटीएफ का काफिला 9 बजे झांसी पहुंचा।

अतीक को झांसी पुलिस लाइन के अंदर करीब 1.25 घंटे रखा गया। झांसी पुलिस लाइन के बाहर आयशा नूरी भी कार के अंदर बैठी रही। कुछ देर बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की। कहा- अतीक हमारे बड़े भाई हैं। उनकी तबीयत ठीक नहीं है। उनकी हालत रोड से लाने लायक नहीं थी। जब मीडिया ने सीएम योगी के मिट्टी में मिलाने वाले बयान को लेकर उनसे सवाल किया तो नूरी ने कहा- मुख्यमंत्री के बयान से तो डरेंगे ही।

### श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह मामला

# लड्डू गोपाल को अदालत में लेकर पहुंचा हिंदू पक्ष, वक्फ बोर्ड को आखिरी मौका

मथुरा, 27 मार्च (एजेंसियां)। श्रीकृष्ण जन्मस्थान ईदगाह प्रकरण में हिंदू महासभा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा सोमवार को लड्डू गोपाल जी को लेकर अदालत में लेकर पहुंचे। अदालत में सुन्नी वक्फ बोर्ड के हाजिर न होने पर उसे आखिरी मौका दिया गया है। महासभा ने अदालत से 13.37 एकड़ पर मौजूद ईदगाह को हटाने की मांग की है। महासभा ने दावे में कहा है कि औरंगज़ेब ने मंदिर को तोड़ कर ईदगाह तैयार की है, लिहाजा यह श्रीकृष्ण जन्मस्थान की जमीन पर अतिक्रमण है। सोमवार को अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तारीख तय की है। केस में सिविल कोर्ट सीनियर डिविजन में हिंदू महासभा की तरफ से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा और अन्य पदाधिकारी न्यायालय परिसर में लड्डू गोपाल के साथ आए। कृष्ण जन्मभूमि केस में ईदगाह में अमीन सर्वे के लिए प्रार्थना पहले ही दिया जा चुका है। यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड पर कई बार सूचना दे चुके हैं, लेकिन यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड हाजिर नहीं हुआ है।

## ज्ञानवापी से जुड़े सात मामलों पर आज नहीं आ सका आदेश, अब 11 अप्रैल को होगी सुनवाई

वाराणसी, 27 मार्च (एजेंसियां)। ज्ञानवापी-मां श्रृंगार गौरी से संबंधी सात मामलों की सुनवाई एक साथ एक कोर्ट में किए जाने से संबंधित प्रार्थना पत्र पर आज कोर्ट का आदेश नहीं आ सका। जिला जज ने निजी व्यस्तता का हवाला देकर आदेश के लिए 11 अप्रैल की तिथि तय की। इस मामले में बीते बुधवार को ही आदेश जारी होना था, लेकिन पत्रावली तैयार नहीं होने के कारण सुनवाई की अगली तिथि 27 मार्च तय कर दी गई थी। हालांकि आज भी आदेश नहीं आ सका। चार महिलाओं ने न्यायालय में आवेदन देकर सात मामलों की एक साथ सुनवाई की मांग की थी। इसकी सुनवाई जिला जज डॉ अजय कृष्ण विश्वेश कर रहे हैं। मां श्रृंगार गौरी प्रकरण की चार वादिनी लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास और रेखा पाठक की ओर से कोर्ट में आवेदन दिया गया और कहा गया है कि किरन सिंह विसेन व अन्य की ओर से ज्ञानवापी-मां श्रृंगार गौरी के संबंध में दाखिल मुकदमों को जिला जज की कोर्ट में स्थानांतरित कर एक साथ सुना जाए। इस अर्जी पर सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद आदेश के लिए तिथि तय कर दी गई।

# लालू बने दादा : तेजस्वी यादव के घर लक्ष्मी का आगमन

पटना, 27 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के घर नई पीढ़ी का आगमन हो गया है। लालू के बेटे और बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पिता बन गए हैं। 27 मार्च की सुबह तेजस्वी की पत्नी रेचल उर्फ राजश्री ने बेटी को जन्म दिया। तेजस्वी के साथ ही परिवार के बाकी सदस्यों ने भी बेटी के आगमन पर खुशियां जाहिर कीं। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, लालू को किडनी देकर जान बचाने वाली बेटी रोहिणी आचार्या होली में आने वाली थीं, लेकिन अब अपनी भतीजी के जन्म पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आएंगी। लैंड फॉर जॉब घोटाले में पूछताछ से परेशान लालू परिवार को चैत्र नवरात्र की षष्ठी तिथि को मां कात्यायनी की पूजा के दिन पुत्री-रत्न की प्राप्ति हुई है।

**तेजप्रताप बोले-मां दुर्गा ने दिया आशीर्वाद**

नवरात्र के इस पावन अवसर पर हमारे परिवार में नए सदस्य का आना इस बात का शुभ संकेत है कि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा ने अपना आशीर्वाद दिया है। अब सारी परेशानियां जल्द दूर होगी। मेरे अर्जुन को पुत्री धन प्राप्ति पर ढेरो बधाई।

**बिहार भाजपा ने भी दी बधाई**

इधर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने भी तेजस्वी यादव को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट किया- ₹बिहार सरकार के उप-मुख्यमंत्री जी को पुत्री रत्न प्राप्ति पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बता दें कि लालू यादव के दो बेटों में तेज प्रताप बड़े हैं, लेकिन उनकी शादी कायम नहीं रही। तेजस्वी राजनीतिक विरासत में आगे तो बढ़े ही। अब वह पारिवारिक विरासत में भी आगे निकल गए।

## वाराणसी में 80 हजार की कफ सिरप के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

**ट्रेन से बंगाल ले जाने की फिराक में थे**

वाराणसी, 27 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन पर सोमवार को दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 80 हजार कीमत की कफ सिरप की खेप पकड़ी गई है। वे वाराणसी से बंगाल ले जाने के लिए स्टेशन पर पहुंचे थे। इससे पहले ही मुखबिर ने रेलवे पुलिस को इसकी सूचना दे दी। जिसके बाद प्लेटफार्म नंबर 9 से रेलवे पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

ड्रग विभाग की टीम अब इस पूरे मामले की जांच कर रही है। पूछताछ में पता चला है कि वे रुपए के लालच में दवाओं की तस्करी करते थे। अवैध रुपए से एक स्थान से दूसरे स्थान पहुंचाते थे। कफ सिरप का इस्तेमाल नशा करने के लिए किया जाता था।

## सड़क हादसे में चचेरे भाइयों की मौत

झांसी, 27 मार्च (एजेंसियां)। सड़क हादसे में रविवार देर रात चचेरे भाइयों की मौत हो गई। दोनों बाइक से पड़ोस जा रहे थे। रास्ते में उल्टी दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। पुलिस वाहन चालक की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक शिवम यादव (18) पुत्र अत्तर सिंह और राहुल यादव (20) पुत्र कोमल सिंह मोंठ थाना क्षेत्र के भैरवाघाट गांव के निवासी थे। शिवम और अत्तर चचेरे भाई थे। बम्हरौली गांव में संतसिंह सेन के घर पर रामायण का पाठ चल रहा है। रविवार शाम सात बजे दोनों बाइक से बम्हरौली गांव जा रहे थे।

## उप मुख्यमंत्री केशव : माफिया अतीक का बचाव करना है तो कोर्ट में करें अखिलेश, पुलिस को धमकी न दें

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसा है। केशव ने ट्वीट कर कहा कि हत्या अपहरण सहित अनेक गंभीर अपराधों में वांछित अतीक अहमद और अशरफ के मामले में कानून अपना काम कर रहा है और करेगा। उन्होंने कहा कि सपा बहादुर अखिलेश यादव की बयानबाजी का कोई औचित्य नहीं है! उन्हें अतीक अशरफ का बचाव अथवा मदद करना है तो कोर्ट में करें। बार-बार पुलिस को धमकी न दें! हत्या अपहरण सहित अनेक गंभीर अपराधों में वांछित अतीक और अशरफ़ के मामले में क़ानून अपना काम कर रहा है और करेगा,सपा बहादुर श्री अखिलेश यादव की बयानबाज़ी का कोई औचित्य नहीं! माफिया अतीक अहमद को साबरमती जेल से प्रयागराज लाया जा रहा है।

## शिक्षामंत्री के घर पर ओबीसी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

**डेलिगेशन से संदीप सिंह की मुलाकात; बाहर निकलकर अभ्यर्थी बोले-20 दिन का समय मांगा**

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में 69 हजार शिक्षक भर्ती में ओबीसी कोटे के 6800 पदों की बहाली के लिए सोमवार को एक बार फिर अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। लखनऊ में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के घर के बाहर ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों ने घेराव करते हुए नारेबाजी की। संदीप सिंह ने 5 अभ्यर्थियों के डेलिगेट्स से मुलाकात की। बाहर निकलने के बाद अभ्यर्थी ने अमरेंद्र ने कहा,₹हमारी मुलाकात में सकारात्मक बातें हुईं हैं। 20 दिन का समय मांगा गया है। अगर हमारी मांगें फिर भी पूरी नहीं होती हैं, तो आंदोलन किया जाएगा।

सोमवार सुबह करीब 12 बजे बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के घर के बाहर अभ्यर्थी इकट्ठा हुए। शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू की गई। 13 मार्च को हाईकोर्ट द्वारा 6800 पदों पर भर्ती प्रक्रिया को खारिज करने के बाद से ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थी प्रदर्शन करके अपनी मांगे रख रहे हैं। सुबह बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के जुटने के बाद पुलिस एक्टिव हुई। हंगामे बढ़ते देख मंत्री ने डेलिगेशन को बात करने को बुलाया। इस बीच प्रदर्शनकारियों का घर के बाहर हंगामा जारी रहा। हालांकि मौके बड़ी संख्या में पुलिस की भी तैनाती रही।

## बाल्टी में गिरकर बच्ची की मौत

अलीगढ़, 27 मार्च (एजेंसियां)। अलीगढ़ के विजयगढ़ में ढाई साल की मासूम की पानी में डूबकर दर्दनाक मौत हो गई है। प्यास लगने पर बच्ची 20 लीटर की बाल्टी से पानी निकाल रही थी और उसमें सिर के बल गिर गई। इसके बाद तड़प तड़क कर मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। थोड़ी देर बाद जब मां से बच्ची को देखा तो चीख पुकार मच गई। सभी उसे लेकर अस्पताल दौड़े। जहां पर डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिवार के लोग बच्ची का शव लेकर घर आ गए और सभी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

# गुरुग्राम में अमृतपाल के खिलाफ सिखों की रैली

*बाइक पर 3 हजार राइडर्स ने 30 किमी सफर किया तय, बोले-उसे फांसी दी जाए*

रेवाड़ी, 27 मार्च (एजेंसियां)। वारिस पंजाब दे के चीफ अमृतपाल के खिलाफ सिखों के विरोध की आवाज अब हरियाणा के गुरुग्राम तक पहुंच चुकी है। रविवार को गुरुग्राम शहर से रेवाड़ी के धारूहेड़ा कस्बा तक 30 किलोमीटर लंबी बाइक रैली निकाली गई। इसमें बाइक राइडर्स हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाते हुए पहुंचे। साथ ही अमृतपाल को देश का गद्दार बताते हुए फांसी की सजा देने की मांग की।

**मानेसर से धारूहेड़ा पहुंची रैली**

पिछले दिनों पंजाब पुलिस ने खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसना शुरू किया था। अमृतपाल पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगा है। उसके खिलाफ एनएसए के तहत पंजाब में केस भी दर्ज हो चुका है। अमृतपाल के काफी साथी गिरफ्तार भी हो चुके हैं, लेकिन अमृतपाल अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। ऐसे में अमृतपाल के खिलाफ अब सिखों में ही गुस्सा बढ़ने लगा है। रविवार की शाम गुरुग्राम के मानेसर से धारूहेड़ा तक अमृतपाल के खिलाफ बाइक रैली निकाली गई।

भगत सिंह के भतीजे और सुखदेव के पौत्र भी शामिल हुए इस रैली में 3 हजार से ज्यादा बाइक राइडर्स शामिल हुए। साथ ही उनका हौसला बढ़ाने के लिए भगत सिंह के भतीजे किरनजीत और सुखदेव के पौत्र अनुज ने भी शिरकत की।

बाइक रैली में शामिल लोगों ने कहा कि पंजाब की धरती से निकले शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव सरीखे महान बलिदानियों ने अपने प्राणों की परवाह किए बगैर देश की आजादी की लड़ाई लड़ी और दूसरी तरफ अमृतपाल जैसे लोग उसी पंजाब की धरती को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग हमेशा देश के साथ अग्रणी पंक्ति में खड़े रहे हैं। पंजाब के लोगों ऐसी ताकतों को पनपने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि सिखों की युवा पीढ़ी को बरगलाने वाले अमृतपाल के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

# अमृतपाल का सबसे करीबी गनमैन गिरफ्तार

*जौहल पर एनएसए लगा असम की डिब्रूगढ़ जेल भेजा, दूसरे गनर गोरखा बाबा से आईबी की पूछताछ*

अमृतसर, 27 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस के भगोड़े अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार करने के लिए पंजाब पुलिस अब नेपाल तक पहुंच चुकी है। पंजाब पुलिस का साथ यहां दिल्ली पुलिस और सेंट्रल इंटेलिजेंस विंग भी दे रहा है। इस बीच पुलिस ने अमृतपाल के सबसे करीबी गनमैन वरिंदर जौहल को गिरफ्तार किया है। उस पर एनएसए (नेशनल सिक्योरिटी एक्ट) लगाया है। इसके बाद उसे भी असम की डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया है। उस समेत अब तक 8 आरोपी डिब्रूगढ़ जेल भेजे जा चुके हैं। वहीं अमृतपाल सिंह के दूसरे गनमैन गोरखा बाबा से पूछताछ जारी है। पंजाब पुलिस के बाद केंद्रीय खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने भी उससे पूछताछ की। उसके फोन से पुलिस को खालिस्तान बनाने से जुड़े अहम डॉक्यूमेंट्स बरामद हुए थे।

**अमृतपाल का थाईलैंड कनेक्शन**

इसके साथ ही अमृतपाल सिंह के थाईलैंड कनेक्शन पर भी जांच शुरू की गई है। दरअसल, दुबई में रहते हुए अमृतपाल सिंह कई बार थाईलैंड के चक्कर लगा चुका है। पुलिस का अनुमान है कि अमृतपाल नेपाल या पाकिस्तान के रास्ते थाईलैंड ही भागना चाहता है। पुलिस को थाईलैंड कनेक्शन के पीछे दो बड़े कारण दिख रहे हैं। पहला, अमृतपाल के फाइनेंसर दलजीत कलसी के भी थाईलैंड में कनेक्शन सामने आए हैं। दलजीत कलसी बीते 13 सालों में 18 बार थाईलैंड होकर आया था।

दूसरा, अमृतपाल भी कई बार थाईलैंड आ-जा चुका है। यह भी बात सामने आई है कि अमृतपाल की कोई महिला दोस्त भी थाईलैंड में है। दलजीत और अमृतपाल के कनेक्शन आसानी से उन्हें वहां छिपा व सेटल कर सकते हैं।

**सिद्धू की पॉपुलैरिटी की आड़ में बीजा खालिस्तान का**

पुलिस जांच में अमृतपाल सिंह का एक और कारनामा सामने आया है। अमृतपाल सिंह खुद को वारिस पंजाब दे का मुखी कहलवा कर समाजसेवा नहीं करना चाहता था। वह सिर्फ वारिस पंजाब दे संस्था को शुरू करने वाले पंजाबी एक्टर दीप सिद्धू की पॉपुलैरिटी को भुनाना चाहता था और उसकी आड़ में खालिस्तान का बीज पंजाब में बोना चाहता था। दीप सिद्धू के भाई एडवोकेट मनदीप सिद्धू ने कभी वारिस पंजाब दे संस्था के डॉक्यूमेंट अमृतपाल सिंह को सौंपे ही नहीं, लेकिन उसे दीप सिद्धू के नाम का फायदा उठाना था। इसलिए अमृतपाल सिंह ने अपने एक साथी के साथ मिल कर 'वारिस पंज-आब दे' नाम की संस्था का गठन कर दिया। दीप सिद्धू के भाई मनदीप ने 4 जुलाई, 2022 को फतेहगढ़ साहिब में 'सर्व शिक्षा अभियान' को बढ़ावा देने, प्रदूषण से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने, नशा करने वाले युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करने और लोगों की मदद करने के लिए एक संगठन बनाया था। यह पदाधिकारियों की भूमिकाओं और चुनाव सहित सख्त नियमों के साथ स्थापित किया गया था। मनदीप ने कहा कि यह संगठन उनके दिवंगत भाई के पंजाब के लोगों की सेवा करने के सपने को पूरा करने के लिए बनाया गया था।

**परिवार ने अमृतपाल को कागज देने से किया था मना**

अगस्त 2022 में जब अमृतपाल विदेश से लौटा तो 'वारिस पंजाब दे' के कागजों की मांग मनदीप सिद्धू से की, लेकिन परिवार ने संस्था के कागज देने से मना कर दिया। सिद्धू परिवार ने अमृतपाल को दीप की विचारधारा के उत्तराधिकारी के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि अभिनेता ने फरवरी 2022 में अपनी दुखद सड़क दुर्घटना से पहले अपना नंबर ब्लॉक कर दिया था।

# 'यूएस में खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों के पासपोर्ट रद्द हों'

**सुप्रीम कोर्ट के वकील ने दी शिकायत**

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास के बाहर हुए खालिस्तान समर्थक प्रदर्शन के बाद भारत के सर्वोच्च न्यायालय के एक वकील ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दी है। वकील ने अमेरिकी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ शिकायत की है। शिकायतकर्ता वकील ने दिल्ली पुलिस से खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दायर कर सख्त कार्रवाई करने की गुजारिश की है। इस सख्त कार्रवाई में प्रदर्शनकारियों का पासपोर्ट रद्द करने जैसा एक्शन लेने की मांग की गई है।

वाशिंगटन स्थित भारतीय पत्रकार ललित झा पर वाशिंगटन, डीसी में खालिस्तान समर्थकों द्वारा शारीरिक रूप से हमला और मौखिक रूप से दुर्व्यवहार किया गया। वह शनिवार दोपहर भारतीय दूतावास के बाहर खालिस्तान समर्थकों

के विरोध-प्रदर्शन को कवर कर रहे थे। झा ने रविवार को यूएस सीक्रेट सर्विस को अपनी रक्षा करने और काम करने में मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि खालिस्तान समर्थकों ने उनके बाएं कान पर दो डंडे मारे। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर खालिस्तानी समर्थकों का एक वीडियो भी शेयर किया।

## हरियाणा में आईएएस अधिकारियों का संकट

# सीएम मनोहर चिंतित : केंद्र से बोले-देनी पड़ रही अतिरिक्त जिम्मेदारी, इस साल 10 की रिटायरमेंट

चंडीगढ़, 27 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य आईएएस अधिकारियों के संकट से जूझ रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी इसको लेकर चिंतित हैं। उन्होंने केंद्र से भी इसको लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि अफसरों को विभागों की अतिरिक्त जिम्मेदारी देनी पड़ रही है। मनोहर लाल ने विभागों की कार्यक्षमता व कार्यक्षमता को गतिमान बनाए रखने के लिए वरिष्ठ अफसरों की कमी को पूरा करना जरूरी है। केंद्रीय कार्मिक मंत्री जितेंद्र सिंह ने उन्हें आश्वस्त किया है कि हरियाणा में आईएएस अफसरों की कमी को जल्द पूरा किया जाएगा।

**डेपूटेशन-रिटायरमेंट की जानकारी दी**

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को हरियाणा से केंद्र में हुई वरिष्ठ आईएएस की प्रतिनियुक्तियों व हरियाणा में निकट भविष्य में होने वाले रिटायरमेंट के बारे में भी बताया। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि सीएमओ में तैनात वरिष्ठ अधिकारियों को 10 से ज्यादा विभाग देने पड़ रहे हैं, जिसके कारण उनकी कार्य दक्षता के अच्छे परिणाम नहीं आ पा रहे हैं।

**इस साल रिटायर होंगे 10 आईएएस**

हरियाणा में भविष्य में आईएएस अफसरों की और कमी होने वाली है, क्योंकि पिछले साल जहां करीब 12 आईएएस रिटायर हुए थे। वहीं अब 2023 में 10 अफसर और रिटायरमेंट पर हैं। इनमें राजेश खुल्लर, महावीर सिंह, अरुण कुमार, वजीर सिंह गोयत, विकास यादव, विनय सिंह, जगदीप सिंह, धर्मवीर सिंह, जगदीश शर्मा और ललित कुमार शामिल हैं। राज्य के डीजीपी पीके अग्रवाल भी इसी साल रिटायर होंगे।

**अब तक कितने मिले अफसर**

हरियाणा को पिछले 5 सालों में 28 आईएएस अफसर मिले हैं। हरियाणा को 2021 में 7 आईएएस मिले हैं। 2017 में 4 ,2018 में 4, 2019 में 8 और 2020 में 5 आईएएस अधिकारी ही हरियाणा को मिले हैं, जबकि जरूरत के हिसाब से यह संख्या बहुत कम हैं। यही वजह है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री को केंद्र की शरण में जाना पड़ा है।

# एक अप्रैल से बदलेगी सेना की डाइट

**सैनिक खाएंगे मोटा अनाज, सेना के बाद अर्द्धसैनिक बलों में भी यह व्यवस्था लागू होगी**

श्रीगंगानगर, 27 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय सेना की खाने की थाली में लगभग 50 साल बाद बड़ा बदलाव होने जा रहा है। एक अप्रैल से सभी यूनिट में जवानों और अफसरों की डाइट का 25% हिस्सा मोटे अनाज (मिलेट) का होगा। सेना के आदेश के मुताबिक, बाजरा, ज्वार और रागी के इस्तेमाल की अनुमति दी गई है। अच्छे रिजल्ट आने पर अन्य अनाज को शामिल किया जाएगा।

फिलहाल, थाली में 75% परंपरागत अनाज यानी गेहूं और चावल रहेगा। सेना के सभी समारोह, बड़े खाने व कैंटीनों में मोटे अनाज का इस्तेमाल करना होगा। छावनियों में बनी कैंटीनों में इसका अलग से काउंटर बनेगा। सेना प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा

ने बताया कि जवानों और अफसरों को अपने घरों में भी मोटे अनाज के इस्तेमाल के बारे में प्रेरित किया जाएगा। सेना के बाद अर्द्ध सैन्य बलों में भी यह व्यवस्था लागू होगी।

फौज के रसोइयों को मिलेट के स्नैक्स बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही सेना के जवानों और अफसर मोटे अनाज को रुचि से खाएं, इसके लिए फौज के रसोइयों को विशेष रूप से ट्रेनिंग भी दिलाई जा रही है। ट्रेनिंग में रसोइयों को बताया जा रहा है कि ज्वार, बाजरा और रागी से नाश्ते, खाने और मिठाई में क्या-क्या बनाया जा सकता है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि 1972 से पहले सेना में मोटा अनाज ही परोसा जाता था। इसके बाद गेहूं और चावल की सप्लाई होने लगी।

**यूएन ने 2023 को मिलेट ईयर घोषित किया**

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज (मिलेट) वर्ष घोषित किया है। इसका प्रस्ताव भारत ने दिया था। 72 देश इसका समर्थन कर चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहल करते हुए 20 दिसंबर 2022 को संसद में अन्य सांसदों के साथ मोटे अनाज से बना भोजन खाया था। भारत इस वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर 22 तक करीब 1.04 लाख मीट्रिक टन मोटे अनाज का निर्यात भी कर चुका है।

**गेहूं से ज्यादा पोषक हैं मिलेट्स**

डायटिशियन दिव्या बावा के अनुसार, मोटे अनाज में भरपूर मिनरल्स होते हैं। इससे पाचन क्रिया और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। रोजाना इस्तेमाल से शुगर कंट्रोल रहती है।

# नेवी ने कोलकाता से शुरू की 7,500 किलोमीटर लंबी कार रैली

**नौसेना प्रमुख ने दिखाई हरी झंडी**

कोलकाता, 27 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने नेवी वेलफेयर एंड वेलनेस एसोसिएशन (एनडब्ल्यूडब्ल्यूए) के सहयोग से कोलकाता से 7,500 किलोमीटर लंबी विशाल तटीय कार रैली की शुरुआत की। 'शं नो वरुण:' नाम से अभियान को पूर्वी नौसेना कमान के कोलकाता स्थित नेवल बेस आईएनएस नेताजी सुभाष से नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर यहां बंगाल एरिया के नेवल आफिसर इंचार्ज कमोडोर ऋतुराज साहू व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसका समापन 19 अप्रैल को गुजरात के भुज, लखपत में होगा।

रैली में 12 वाहनों का जत्था और 36 प्रतिभागी शामिल हैं। नेवी वेलफेयर एंड वेलनेस एसोसिएशन के सदस्य इस अभियान का हिस्सा हैं। इस अवसर पर कमोडोर साहू ने कहा, इस अभियान के उद्देश्यों में समुद्री चेतना को प्रोत्साहित करना, आजादी का अमृत महोत्सव मनाना, अग्निपथ योजना सहित भारतीय नौसेना में रोजगार के अवसरों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम चलाकर युवा पीढ़ी को नौसेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है। कमोडोर साहू ने कहा, अभियान के दौरान रैली के मार्ग में नारी शक्ति का प्रदर्शन करने के साथ पूर्व सैनिकों व वीर नारियों के साथ बातचीत करना भी शामिल है।

# रोहतक से आधी रात को दुल्हन फरार

*ससुरालियों के सोने के बाद हुई फुर्र; गहने-नकदी भी ले गई, प्रेमी युवक से करती थी बात*

रोहतक, 27 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में दुल्हन रात को गहने व नकदी लेकर फुर्र हो गई। जब ससुराल वालों को इसका पता लगा तो उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस को दी। महिला सोनीपत की रहने वाली है और करीब 20 दिन पहले ही शादी हुई थी। जांच में यह भी पता चला कि वह शादी के बाद युवक से बात करती थी। युवक के दुल्हन के प्रेमी होने की संभावना जताई जा रही है।

परिवार में था खुशियों का माहौल

रोहतक की एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी सोनीपत निवासी एक युवती से हुई थी। जिसके बाद परिवार पर खुशियों का माहौल था। अभी रिश्तेदार भी पूरे नहीं गए थे। मगर, इसी बीच रात को उसकी पत्नी घर से आभूषण व करीब 50 हजार रुपए की नकदी लेकर फरार हो गई।

**परिवार के सोने का इंतजार कर फरार**

वारदात उस समय हुई जब पूरा परिवार घर पर सो रहा था। 26 मार्च की सुबह करीब 1-2 बजे उसकी पत्नी घर से चली गई। जो अपने साथ एक सोने की चेन, सोने का मंगलसूत्र, एक लेडीज अंगूठी अपने साथ ले गई। जो उन्होंने शादी के समय दी थी। महिला अपने साथ घर से 50 हजार रुपए नकद भी लेकर गई। परिवार वालों को इसका पता सुबह लगा।

**परिवार वालों ने की तलाश**

परिवार वालों ने अपने स्तर पर महिला को तलाश करने का प्रयास किया। लेकिन कहीं पर कोई सुराग नहीं मिला। जिसके बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को दे दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता से जांच करते हुए महिला की तलाश की जा रही है।

युवक से भी बात करती थी महिला

जांच अधिकारी संजीत ने बताया कि महिला पैसे व गहने लेकर घर से जाने की शिकायत मिली है। जिसके आधार पर मामला दर्ज किया जा चुका है। प्राथमिक दृष्टि से यह भी सामने आया है कि महिला की किसी लड़के से भी बात होती थी। हालांकि मामले की जांच चल रही है। इसके बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा।

# सदस्यता बहाली में देरी पर लक्षद्वीप के अयोग्य सांसद की याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को लक्षद्वीप के अयोग्य सांसद मोहम्मद फैजल पी.पी. द्वारा उनकी सदस्यता बहाल करने में हो रही देरी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई को तैयार हो गई। फैजल की 10 साल की जेल की सजा पर केरल उच्च न्यायालय ने 25 जनवरी को रोक लगा दी थी। वरिष्ठ अधिवक्ता ए.एम. सिंघवी ने उनकी ओर से पेश होकर इस मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष रखा। सिंघवी ने प्रस्तुत किया कि पत्र लिखे गए थे, लेकिन फैजल की सदस्यता बहाल करने के लिए अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। शीर्ष अदालत ने मामले की संक्षिप्त सुनवाई के बाद, शीर्ष अदालत ने मंगलवार को याचिका पर सुनवाई की अनुमति दी। फैजल की याचिका में दलील दी गई थी कि लोकसभा सचिवालय ने 13 जनवरी को जारी अधिसूचना को वापस नहीं लिया, जिसमें उन्हें सांसद के रूप में अयोग्य ठहराया गया था। अधिवक्ता केआर शशिप्रभु के माध्यम से दायर याचिका में, राकांपा नेता ने कहा कि उनकी दोषसिद्धि पर उच्च न्यायालय ने 25 जनवरी को रोक लगा दी और शीर्ष अदालत ने भी उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

# 22 अप्रैल को 12 बजकर 41 मिनट पर खुलेंगे यमुनोत्री धाम के कपाट

उत्तरकाशी, 27 मार्च (एजेंसियां)। यमुना जयंती के पावन पर्व पर चारधाम के पहले प्रमुख तीर्थ धाम यमुनोत्री के कपाट 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पर्व पर दोपहर 12 बजकर 41 मिनट पर कर्क लग्न अभिजित मुहूर्त पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। मां यमुना के मायके खरशाली गांव में स्थित शीतकालीन यमुना मंदिर परिसर में पुरोहित समाज की बैठक में यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने का विधिवत ढंग से शुभ मुहूर्त निकाला गया।

सोमवार को यमुना जयंती चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खुशीमठ (खरसाली) में मंदिर समिति यमनोत्री द्वारा मां यमुना की पूजा अर्चना के पश्चात विधि विधान पंचाग गणना के पश्चात विद्वान आचार्यों-तीर्थपुरोहितों द्वारा श्री यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने की तिथि तथा समय तय किया गया। श्री यमुनोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश उनियाल ने मंदिर समिति पदाधिकारियों तथा तीर्थ पुरोहितों की उपस्थिति में कपाट खुलने की तिथि और समय की विधिवत घोषणा की। मंदिर समिति के पूर्व सचिव कीर्तेश्वर उनियाल ने बताया कि इस अवसर पर मां यमुना की उत्सव डोली के धाम प्रस्थान का भी कार्यक्रम तय हुआ। शनिवार 22 अप्रैल को मां यमुना की उत्सव डोली, मां यमुना जी के भाई श्री सोमेश्वर देवता के साथ समारोह पूर्वक सेना के बैंड के साथ खुशीमठ से प्रातः 8 बजकर 25 मिनट पर प्रस्थान यमुनोत्री मंदिर परिसर में पहुंचेगी।

अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को दिन में 12 बजकर 41 मिनट पर श्री यमुनोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जायेंगे। कपाट खुलने की तिथि तय होने के अवसर पर शीतकालीन रावल ब्रह्मानंद उनियाल, मंदिर समिति सचिव सुरेश सेमवाल, उपाध्यक्ष राजस्वरूप उनियाल, श्री यमुनोत्री महासभा अध्यक्ष पुरूषोत्तम उनियाल, यमुनोत्री मंदिर समिति के पूर्व सचिव कृतेश्वर उनियाल, आदि उपस्थित रहे। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल प्रातः 7 बजकर 10 मिनट तथा श्री केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल प्रातः 6 बजकर 20 मिनट पर तथा श्री गंगोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया 22 अप्रैल दिन में 12 बजकर 35 मिनट पर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुलेंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चारधाम यात्रा तैयारियों को पूरा करने हेतु 15 अप्रैल तक पूरा करने के निर्देश दे चुके हैं। पर्यटन- धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा हेतु श्रद्धालुओं में उत्साह है। अभी तक चारों धामों हेतु पंजीकरण की संख्या छ लाख चौंतीस हजार से अधिक पहुंच गयी है। इसी संदर्भ में चारधाम यात्रा प्रशासन संगठन के विशेष कार्याधिकारी/अपर आयुक्त गढ़वाल नरेन्द्र सिंह क्वीरियाल ने बताया कि शासन के दिशा-निदेशरें के तहत चारोंधामों में सभी विभागों को यात्रा संबंधित तैयारियां तथा कार्य को 15 अप्रैल तक पूरा किये जाने हेतु गढवाल कमिश्नर/अध्यक्ष यात्रा प्रशासन संगठन सुशील कुमार द्वारा जिलाधिकारी चमोली, रूद्रप्रयाग तथा उत्तरकाशी तथा सभी जिलाधिकारियों को आदेश दिये हैं। लगातार बैठकों तथा वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा लगातार यात्रा तैयारियों की मानंटरिंग की जा रही है।

बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्गों सहित विद्युत, पेयजल, संचार, चिकित्सा, आवास सुविधाओं को समयबद्ध ढ़ग से व्यवस्थित किया जा रहा है। प्रशासन रूद्रप्रयाग द्वारा केदारनाथ में पैदल मार्ग से बर्फ हटाने का कार्य अंतिम चरण में है। यात्रा प्रशासन संगठन के वैयक्तिक सहायक अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शासन के दिशा-निर्देश पर ऋषिकेश में चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में आवश्यक यात्री सुविधायें जुटायी जा रही है।

# आप विधायक का आरोप : पीएम के पोर्टल पर सिखों के लिए किया उग्रवादी शब्द का इस्तेमाल

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा का बजट सत्र जारी है। इस दौरान सोमवार को फिर कई मुद्दों पर सदन में हंगामा हुआ। आज यहां आम आदमी पार्टी के तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह ने एक बड़ा आरोप लगाया, जिसके बाद भाजपा विधायकों ने काफी देर तक हंगामा किया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल को कहना पड़ा कि अगर आरोप गलत हुए तो आप विधायक के खिलाफ कार्रवाई होगी। वहीं जानकारी है कि आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दोपहर 3.30 बजे सदन पहुंच सकते हैं जहां वह सदन को संबोधित भी कर सकते हैं।

सदन में जरनैल सिंह ने कहा, सिखों ने इस देश की आजादी के लिए सबसे ज्यादा बलिदान दिया, आज भी सरहदों की रक्षा करने के लिए सबसे ज्यादा तरंगों में लिपटकर लाशें सिखों की आती है, प्रधानमंत्री के Public Grievance Portal पर सिखों को उग्रवादी लिखना शर्मनाक व सिखों को बदनाम करने की घटिया साजिश है। वह आगे बोले, जो धर्म सदैव ₹सरबत दा भला₹ और ₹मानवता की सेवा₹ की बात करता है। सिखों को देश के लिए बलिदान देने व लंगर लगाने के लिए जाना जाता है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा सिखों को उग्रवादी लिखा जाना बेहद शर्मनाक है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 28 मार्च- 2023

# ममता का कारोबार ?

क्या जमाना आ गया है कि चंद रुपए की खातिर एक मां अपने नवजात शिशु को भी बेचने से नहीं हिचक रही है। मामला झारखंड के चतरा की है। मां ने अपने बच्चे को तो साढ़े चार लाख रुपए में बेचे थे लेकिन उसके हाथ में आए सिर्फ एक लाख रुपए। बाकी के साढ़े तीन लाख रुपए बिचौलियों या दलालों ने हडप लिए। गनीमत रही कि समय रहते इस खरीद-फरोख्त की खबर पुलिस तक पहुंच गई और बच्चे को बरामद कर लिया गया। इस मामले में कई आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए हैं। आदिवासी बहुत झारखंड में एक बच्चे को जन्म देने के तुरंत बाद बेच दिए जाने की घटना को प्रथम दृष्टया मां की संवेदनहीनता या कहें कि ममता के कारोबार के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन ऐसी घटनाएं कई बार प्याज की परतों की तरह गुंथी होती हैं। इसमें समाज, परंपरागत धारणाएं, गरीबी और विवशता से लेकर आपराधिक संजाल तक के अलग-अलग पहलू खोजने पर मिल जाएंगे। बच्चे को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग पकडे गए हैं उनकी हिस्ट्री तलाशने जाहिर होता है कि इसे सोच-समझ कर अंजाम दिया जा रहा था। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस मामले में मां की ममता कठघरे में है, लेकिन इसके पहले यह भी समझना जरूरी है कि आखिर ऐसे क्या हालात थे कि उसे अपने कलेजे के टुकडे को बेचने तक की नौबत आ गई। जाहिर है अपने नवजात बच्चे का सौदा करना किसी भी मां के लिए इतना आसान नहीं होता है। देखा जाए तो यह कोई पहला मामला नहीं है, जिसमें बच्चे की बिक्री मां के हाथों ही होने की घटना सामने आई हो। गरीबी की मार झेल रहे झारखंड और ओड़ीशा के कुछ पिछडे इलाकों से अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं, जिनमें कुछ हजार रुपए के लिए ही बच्चे को किसी के हवाले कर दिया जाता है। सवाल है कि बच्चे को बेचने के पीछे आखिर कारण क्या हो सकता है। उनके खरीदार कौन होते हैं और ऐसी सौदेबाजी को आमतौर पर एक संगठित गतिविधि के रूप में क्यों अंजाम दिया जा रहा है? झारखंड के चतरा की ताजा घटना में एक दंपति को पहले से ही तीन बेटियां थीं। सामाजिक स्तर पर मौजूद रूढ़ियों से संचालित धारणा के मुताबिक उस दंपति को एक बेटे की जरूरत थी। यानी तीन बेटियां उसकी नजर में इतना महत्त्व नहीं रखती थीं कि उसके बेटे की भूख शात हो सके। इसलिए उसने ऐसी सौदेबाजी कराने वाले दलालों के जरिए किसी अन्य महिला से उसका नवजात बेटा खरीद लिया। यानी मन में बेटा नहीं होने के अभाव से उपजे हीनताबोध और कुंठा की भरपाई के लिए कोई व्यक्ति पैसे के दम पर गलत रास्ता अपनाने से भी नहीं हिचकता। इसके अलावा, मानव तस्करी करने वाले गिरोह दूरदराज के इलाकों में और खासतौर पर गरीबी की पीड़ा झेल रहे लोगों के बीच अपने दलालों के जरिए बच्चा खरीदने के अपराध में संलिप्त हैं। झारखंड, ओड़ीशा जैसे राज्यों के गरीब इलाकों में ऐसे तमाम लोग हैं, जिन्हें महज जिंदा रहने के लिए तरह-तरह के जद्दोजहद से गुजरना पड़ता है। सतह पर दिखने वाली अर्थव्यवस्था की चमक की मामूली रोशनी भी दुर्भाग्य से उन तक नहीं पहुंच पाती है। ऐसे ही लोग मानव तस्करों का सबसे आसान टारगेट होते हैं। जहां वे मामूली रकम देकर बच्चा खरीद कर उसे पैसे वाले परिवारों या फिर अंगों का कारोबार करने वालों को ऊंची कीमत पर बेच देते हैं। इस पर यदि कोई बात नहीं बनती है तो भीख मांगने या देह व्यापार की त्रासदी में झोंकने से भी नहीं चूकते। सवाल है कि कोई परिवार अगर अपने अभाव और लाचारी की हालत में मानव तस्करों या अन्य दलालों के जाल में फंस कर बच्चा बेचने की नौबत तक पहुंचता है, तो उसकी इस हालत के लिए कौन जिम्मेदार है? मानव तस्करी में लगे आपराधिक गिरोह अगर आसानी से यह सब कर पाते हैं, तो उन पर काबू पाने की जिम्मेदारी जिस विभाग की है वह क्या कर रहा है? जाहिर है कि किसी मां के हाथों अपने नवजात की बिक्री आसान नहीं होती। फिर यदि उसे पता चल जाए कि ये उसे खरीद कर किस स्तर पर और कैसा कारोबार करेंगे तो कोई निर्दयी मां भी अपने बच्चों के साथ ऐसा जुल्म करने की नहीं सोचेगी। बहरहाल, पुलिस महकमें को ऐसे लोगों पर नकेल लगाने की जरूरत महसूस की जाने लगी है।

# राजनैतिक विरोध का आधुनिक कु-तर्कशास्त्र



डॉ. चक्रपाल सिंह

आज भारतीय लोक एवं तंत्र राजनैतिक भ्रष्टाचार के दुष्चक्र में बुरी तरह फंसा नजर आता है। उसे दूर दूर तक कोई भी राजनैतिक अभिमन्यु नजर नहीं आता है, जो उसे इस स्थिति से मुक्ति दिला सके। अचरज तो तब होता है, जब कोई एक दल अपने आप को राजनैतिक एवं आर्थिक भ्रष्टाचार के पाप धोने की गंगा समझने व समझाने के आत्श्लाघीय दावे करने लगता है। इस स्थिति में राजनीतिज्ञों (जनप्रतिनिधियों) पर जनता के विश्वास की कोई वजह नहीं बचती है। भले ही जन प्रतिनिधि इसके औचित्य को सिद्ध करने के लिए कोई भी तर्क-कुतर्क क्यों न गढ़ें ? यही कारण है कि सरकारों के बनने और बिगड़ने से भ्रष्टाचारियों की सत्ता पर कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। सच्चाई कभी सामने नहीं आती है। सच्चाई पीछे छूट जाती है। अपने तरह की दूसरी सच्चाई का निर्माण किए जाने लगता है। आज की स्थिति में कोई राजनैतिक दल पूरे आत्म विश्वास से लोक की नज़रों से नजर मिलाकर ये कहने की स्थिति में नहीं दिखता है, जो ये दावा करे कि मेरी राजनीतिक कमीज उसकी राजनैतिक कमीज से ज्यादा साफ तथा चमकीली है। नजरें गढ़ाकर देखने पर सभी के राजनैतिक गिरेबान पर चढ़े कॉलरों पर गंदगी साफ नजर आती है। कड़वी सच्चाई तो यह है कि अपने अपने वर्चस्व एवं सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्षरत विशुद्ध वोटों की राजनीति करने वाले राजनैतिक बहरूपिए आलोचना की आँखों पर स्वार्थ की पट्टी बांध विरोध में डंडा उठाए सड़क पर उतर पड़ते हैं । विरोध का यह तरीका भारतीय लोकतंत्र की राजनीतिक अप-संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। जिसने सारी मान मर्यादा की सीमाओं को तोड़ दिया है। भाषा की गरिमा को तार तार कर दिया है। क्या सत्ता, क्या विपक्ष कठोर वास्तविकताओं की जानबूझकर अनदेखी करते हैं? इस स्थिति में परिवर्तन तभी आता है, जब ये सत्ता में होते हैं। इनकी अपनी सरकार का ऊंट कठोर सामाजिक, आर्थिक व प्रशासनिक हकीकतों के पहाड़ के नीचे आता है। विरोध का यह आधुनिक कु-तर्कशास्त्र है, जो सत्ता के इर्द गिर्द घूमता है। वर्त्तमान आपाधापी के मध्य प्रश्न यह उठता है कि आखिर राष्ट्र एवं भ्रष्टाचार की चिंता में दुबले हुए जा रहे राजनैतिक दल एवं जनप्रतिनिधि मिल बैठकर कोई रास्ता क्यों नहीं खोजते हैं? सत्ता में आने के बाद चट्टानी हकीकतों से टकराने की बजाय शुतुर्मुर्गीय आचरण क्यों करने लग जाते हैं? ऐसा करने के पीछे इनकी कौन सी मजबूरी होती है, जो इन्हें कुछ समय पूर्व सत्ता में बैठे लोगों की तरह आचरण करने को बाध्य करती है? अपने अपने चुनावी घोषणा पत्रों में दिए इनके आश्वासन, घोषणाओं एवं राजनीतिक व्यवहार व तर्कों का शासन प्रणाली में कोई बुनियादी अंतर दिखाई क्यों नहीं देता है? बल्कि देखा यह जाता है कि अतीत के भ्रष्ट इतिहास, जो इनके पूर्ववर्तियों द्वारा लिखा गया होता है, की खदानों से खोद खोद कर गलतियों को निकालना शुरू कर देते हैं, और इन्हें वर्तमान भ्रष्टाचार की लपटों को बुझाने में उपयोग करते हैं। इसी आधार पर जनता से आग्रह करते हैं कि उनके पूर्ववर्ती ने भी यही किया था, एक बार नहीं कई बार किया था। फिर, आज इतना हो हल्ला क्यों? क्यों विपक्ष राष्ट्र के बहुमूल्य समय को बर्बाद करने एवं संसदीय गरिमा को चोट पहुंचाने का काम कर रहा है। इस तरह सत्ता पक्ष अपनी जिम्मेदारी व जवाबदेही से बचने के लिए अतीत की शरण में जाना अधिक मुनासिब समझता है। जबकि विपक्ष में रहते हुए वह कभी इन्हीं तर्कों का सहारा लेकर प्रबल विरोध करता था। और वह भूल जाता है कि भ्रष्टाचार तो भ्रष्टाचार है इसमें अंतर कैसे हो सकता। इस तरह कोई पक्ष राष्ट्र हित में या फिर जनता के हित में अपनी कमजोरियां, गलतियों और राजनैतिक बेईमानियों को बस चलते स्वीकार नहीं करता है, जब तक कि जनता चुनावों में उसे सत्ता से बाहर नहीं कर देती है। चूंकि सत्ताच्युत करने की शक्ति जनता में निहित होती है, अतः इनका पूरा राजनीतिक खेल जनता के हितों को लेकर ही खेला जाता है। वो बात अलग है कि सत्ता में आने के बाद जनता के हित कार्य के अलावा सब कुछ होता है। राजनैतिक लुका छुपी के इस खेल में कमोबेश सभी दल शामिल हो चुके हैं। किसी एक दल का नाम लेना बेईमानी होगी। वस्तु स्थिति पर गहराई से विचार करने पर जो निष्कर्ष निकलता है, उसका सार यही है कि देश में भ्रष्टाचार के फलने फूलने का मुख्य कारण लोकतांत्रिक सरकारों द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी छिपाने तथा गढ़ी गढ़ाई सच्चाई अवाम के सम्मुख रखना है। हमेशा राजनैतिक भ्रष्टाचार का मूल मुद्दा पक्ष - विपक्ष के शोर में गुम हो जाता है। दोनों पक्षों के वर्तमान तेवरों को देखने से तो यही प्रतीत होता है कि ये मुद्दा भी गुमनामी में जाने के लिए अभिशप्त है। वास्तव में सत्ता एवं विपक्ष की देश में भ्रष्टाचार के प्रति चिंताएं इतनी ही घनीभूत एवं वास्तविक हैं, तो क्यों न किसी राजनैतिक आम सहमति पर पहुँच कर कोई समयबद्ध परिणामोन्मुख पारदर्शी कार्रवाई करते हैं। ठीक उसी तरह जिस तरह जनप्रतिनिधि अपनी सुख सुविधाओं में वृद्धि से संबंधित संविधान संशोधन के वक्त गजब की एकजुटता का परिचय देते हुए क्षणों में आम सहमति पर पहुँच जाते हैं। तुरत-फुरत संशोधन पारित कर लेते हैं। पारित ही नहीं कर लेते, जब तक इसे कार्यान्वित नहीं करा लेते तब तक चैन से नहीं बैठते हैं। उस समय इनके राजनैतिक, नीतिगत, व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, जातिगत, क्षेत्रगत, सिद्धांतगत या फिर विचारगत मतभेद आड़े क्यों नहीं आते हैं? इनकों जनता की समस्याएं अपनी समस्याएं क्यों नहीं लगती हैं ? सामाजिक व मनोवैज्ञानिक स्तर पर पूरी तरह बंटी जनता के लिए गंभीरता से सोचने का विषय है। विधान सभाओं से लेकर लोकसभा तक ऐसा एक बार नहीं, कई बार हुआ है। कभी कहीं विरोध नहीं हुआ, कोई गतिरोध पैदा नहीं किया गया।

क्यों ? यही वे प्रश्न हैं जो जनप्रतिनिधियों की राजनैतिक विश्वसनीयता को संदेह के कटघरे में खड़ा करते हैं। इनका यह आचरण इनके प्रति जनता के सम्मान को भंग करता है। विश्वास भंग की यह स्थिति यदि किसी जन आंदोलन में नहीं बदल पा रही है, तो इसका एकमात्र कारण सामाजिक चेतना का अभाव है। ये जनता की सामाजिक एवं धार्मिक चेतना को छल पूर्वक गलत दिशा में मोड़ने में हमेशा सफल रहे हैं। क्योंकि जनता की चेतना उसके अस्तित्व को निर्धारित नहीं करती, बल्कि उल्टे उसका सामाजिक अस्तित्व उसकी चेतना को निर्धारित करता है। सामाजिक अस्तित्व आर्थिक एवं शैक्षिक निर्भरता की नींव पर खड़ा होता है। अतः इनके तमाम सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, राजनैतिक व्यक्तव्यों, घोषणाओं, वायदों के पीछे छिपे निहितार्थ के रहस्य को जानने समझने की तरकीब बिना शिक्षित (साक्षर नहीं ) हुए असंभव है। वर्तमान वैश्विक आर्थिक युग की अति मंहगी उदार शिक्षा प्रणाली आम लोगों को शिक्षित होने की राह में चट्टान बनकर खड़ी की जा चुकी है। सामाजिक चेतना को अवरुद्ध करने का इससे बेहतर परिष्कृत तरीका कोई और नहीं हो सकता था। सामाजिक चेतना ही वह यथार्थ है, जिससे जनप्रतिनिध खौफ खाते हैं।

ऐसे में जनता की सामाजिक,शैक्षिक एवं आर्थिक मनोव्यथा यह पूछने के लिए बाध्य करती है कि आखिर ऐसा क्यों? जन प्रतिनिधियों के दोहरे राजनैतिक आचरण से तो यही प्रतीत होता है कि इनके मतभेद सिद्धांत व विचारों से नहीं निर्बाध सत्ता की लालसा से प्रेरित एवं निर्देशित होते हैं। यही कारण है कि ये हमेशा गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, तेजी से बढ़ती सामाजिक-आर्थिक असमानता, जनता की पहुँच से दूर होती स्वास्थ्य सेवा जैसी कड़वी सच्चाइयों पर केवल घड़ियाली आंसू बहाते हैं। उनकी उपेक्षा कर अपनी अपनी आत्मकेंद्रित स्वनिर्मित छदम छवियों को लेकर हैरान परेशान रहते हैं। छवियों के राजनैतिक युद्ध में हमेशा प्रतिबद्धता, वचनबद्धता, संवेदना, जिम्मेदारियों व जवाबदेही का खून किया जाता है। हकीकतों को ठुकराया जाता है। छवियों की दुष्चिन्ता में जकड़े राजनैतिक मठाधीशों की हताशा, निराशा, कुंठा एवं हठवादिता का ही परिणाम है कि आज राष्ट्र भ्रष्टाचार के भयानक बियाबान में दिशा तलाशते तलाशते थका हारा नजर आता है। फिर वही प्रश्न आखिर! कब तक जनता राजनीतिक विरोध के इस कु-तर्कशास्त्र को झेलने के लिए अभिशप्त रहेगी?

# दस्तक देता कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नया दौर



ऋतुपर्ण दवे

बहुत जल्द आने वाला दौर खुल जा सिमसिम से कम नहीं होगा। तब अली बाबा और चालीस चोर एक गुफा में रखे खजाने तक पहुँचने खातिर दरवाजा खोलने और बन्द करने के लिए सिमसिम बोला करते थे। आज इशारे, बोली या चेहरे के संकेतों से बहुत कुछ कर गुजरने की क्षमता हासिल होती जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि 21वीं सदी का यह दौर एआई यानी आर्टीफीसियल इण्टेलीजेन्स या कृत्रिम बुध्दिमत्ता का है। इसकी शुरुआत 1950 के दशक में हुई। लेकिन निर्णायक मुकाम तक पहुंचने में थोड़ा वक्त लगा। इसका मतलब ये नहीं कि यह एकाएक पैराशूट से आ गिरा और दुनिया में छा गया। एआई 1970 के दशक में लोकप्रिय होने लगा था जब जापान इसका अगुवा बना। 1981 आते-आते सुपर कम्प्यूटर के विकास की 10 वर्षीय रूपरेखा तथा 5वीं जेनरेशन की शुरुआत ने रफ्तार दी। जापान के बाद ब्रिटेन भी चेता उसने एल्बी प्रोजेक्ट तो यूरोपीय संघ ने भी एस्पिरिट की शुरुआत की। अधिक गति देने या तकनीकी रूप से विकसित करने के लिए 1983 में कुछ निजी संस्थानों ने एआई के विकास खातिर माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी संघ बना डाला। सच तो यही है कि एआई की कहां-कहां और कैसी दखल होगी जिसकी न तो कोई सीमा है और न अंत। हर दिन नए-नए फीचरों के साथ करिश्माई तकनीक पहले से बेहतर विकल्पों के साथ परिवर्तनों, सुधार या विकसित होकर सामने होती है। दुनिया सबसे पहले इसके सहज रूप रोबोट से रू-ब-रू हुई जो सबकी पहुंच में नहीं रहा। लेकिन इस तकनीक ने घर-घर दस्तक देकर अपनी निर्भरता खूब बढ़ाई। अब साल भर में मोबाइल, टीवी, गैजेट्स आउटडेटेड लगने लगते हैं। आगे क्या होगा अकल्पनीय है। सच है कि कृत्रिम बुध्दि की दौड़ इंसानी बुध्दि पर भारी दिखने लगी है। एआई ने व्यापार के पूरे तौर तरीके बदल दिए। हरेक उद्योग, व्यापार इसके बिना अधूरा और अनुपयोगी है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि या फिर नागरिक शासन प्रणाली सबमें जबरदस्त दखल बेइन्तिहा है। आसमान में सैटेलाइट, उड़ता हवाई जहाज, पटरी पर दौड़ती रेल- मेट्रो सभी कृत्रिम मेधा के नियंत्रण में है। घर में साफ-सफाई से लेकर खाना बनाना, टीवी ऑन-ऑफ करना, चैनल बदलना, एसी चालू-बंद करने जैसे सारे काम एआई आधारित होते जा रहे हैं। कल सुरक्षा व्यवस्थाएँ भी मानव रहित तकनीक पर आधारित होकर अधिक चाक चौबंद होना तय है। भारत में डीआरडीओ सहित कई स्टार्टअप पर काम चल रहा है। स्वचलित स्वायत्तता के एआई वाले दौर में कल्पना से भी बेहतर उपकरण होंगे जो ज्यादा प्रभावी, आक्रामक तथा सटीक यानी चूक रहित होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन भी देश की आत्मनिर्भता में एआई को लेकर सकारात्मक है। 21वीं सदी का भारत टेक्नोलॉजी में मजबूत बन रहा है। प्रधानमंत्री आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से समाज की बड़ी-बड़ी समस्याओं का हल खोजने के पक्षधर हैं। वो प्रौद्योगिकी आधारित जीवन सुगमता यानी 'ईज ऑफ लिविंग यूजिंग टेक्नोलॉजी' पर मंशा जता चुके हैं। उन्होंने वन नेशन-वन राशन-कार्ड, जेएएम यानी जनधन-आधार-मोबाइल की त्रिवेणी, डिजी लॉकर, आरोग्य सेतु और को-विन ऐप, रेलवे आरक्षण, आयकर प्रणाली से जुड़ी शिकायतों के 'फेसलेस' निपटान और सामान्य सेवा केंद्रों के उदाहरण दिए। एआई से जनसंवाद भी आसान हुआ और लोगों को जल्द समाधान भी मिलने लगा। अब सच्चाई यही है कि जन शिकायतों और निपटारे के बीच इंसान नहीं सिर्फ निष्पक्ष तकनीक है। हां तकनीक का मतलब सिर्फ यह भी नहीं कि लोग इण्टरनेट और डिजिटल टेक्नालॉजी तक सीमित रहें। अब एआई सपोर्टेड ऐसी मशीनें आएंगी जो इंसानी भावनाओं को भी पहचानेंगी। आगे रोबोट और ड्रोन युध्द के मैदान और अस्पतालों के ऑपरेशन थियेटर में काम करते दिखें तो हैरानी नहीं होगी। एआई पढ़ाने से लेकर भाषण, एंकरिंग से लेकर किचेन व घरों की साफ-सफाई और तमाम कामों में सक्षम हो रही है। इसके फायदे और भविष्य सबको समझ आने लगे हैं। कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों तथा उर्वरकों का दुरुपयोग रोकने व पशु-पक्षियों से फसल बचाव की क्रान्ति की शुरुआत हो चुकी है। शायद ही कोई क्षेत्र बचे जो इससे अछूता रहे। खेल के मैदानों में एक-एक मूवमेण्ट और माइक्रो सेकेण्ड तक हुई गतिविधियों की रिकॉर्डिंग से साफ-सुथरे फैसलों का दौर सामने है। कॉर्पोरेट सेक्टर, रियल स्टेट, विनिर्माण या मशीनों का संचालन यानी सब कुछ एआई आश्रित होकर कामियाब हो रहे हैं। एआई की बैंकों, वित्तीय संस्थानों के डेटा को व्यवस्थित, सुरक्षित और प्रबंधित करने के साथ तमाम स्मार्ट और डिजिटल कार्डों के सफल संचालन के साथ समुद्र के गहरे गर्भ में खनिज, पेट्रोल, ईंधन की पतासाजी और खुदाई में भूमिका जबरदस्त है। सबने देखा दिल्ली की चालक रहित मेट्रो या दुनिया में बिना ड्राइवर की ऑटोपायलट कार के भविष्य की शुरुआत और टेसला को लेकर उत्साह। एआई तकनीक से जल्द ही चौक-चौराहों पर बिना पुलिस के अचूक स्मार्ट पुलिसिंग की पहरेदारी दिखेगी। अनेकों खूबियों से लैस 360 डिग्री घूमने में सक्षम कैमरे जो हरेक गतिविधियों को भांपने, पहचानने में दक्ष तथा कंट्रोल रूम में तैनात टीम को चुटकियों में सूचना साझा कर मौके पर पहुंचाने में मददगार होंगे। वहीं सड़क दुर्घटनाओं को रोकने खातिर वरदान बन हरेक वाहन में ऐसी सेंसर प्रणाली विकसित भी हो सकेगी जो खुद-ब-खुद सामने वाली गाड़ी की स्थिति, संभावित चूक या गड़बड़ी को रीड कर स्वतः नियंत्रित हो जाए तो भी आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस पर भारत में भी काम चालू है। नागपुर में हैदराबाद की एक संस्था के साथ प्रोजेक्ट इंटेलिजेंट सॉल्यूशंस फॉर रोड सेफ्टी थ्रू टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग यानी आईआरएएसटीई तकनीक वाहन चलाते समय संभावित दुर्घटना वाले परिदृश्यों को पहचानेगी और एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम यानी एडीएएस की मदद से ड्राइवरों को सचेत करेगी।

# शक संवत नही विक्रमी संवत राष्ट्रीय कैलेंडर घोषित हो



मुनीष त्रिपाठी

बीते 22 तारीख को भारतीय नवसंवत्सर 2080 प्रारंभ हो गया। साथ ही नवदुर्गा पूजा की भी शुरुआत हो गयी । पूरे देश के करोड़ों श्रद्धालु शक्ति की आराधना में जुट गए। बीते कुछ सालों से भारत के लोग भिन्न भिन्न माध्यमों से भारतीय नववर्ष मनाने की अभिव्यक्ति दे रहे है। प्रति वर्ष भारतीय नवसंवत्सर मनाने की संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है । इसके बावजूद भी विदेशी कुषाण आक्रांताओं द्वारा 78 ईसवी में स्थापित संवत को भारतीय कैलेंडर माना जाता है। जबकि उज्जैन के पराक्रमी राजा विक्रमादित्य ने बर्बर विदेशी आक्रांताओं शकों को हराकर 57 ईसा पूर्व विक्रम संवत की स्थापना की थी । उसे केवल पुरोहितों की पोथी में ही रहने दिया गया । विडंबना है कि आज तक उसे राष्ट्रीय कैलेंडर का दर्जा भी नही मिल सका है। लोगों के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है आखिर कुषाणों द्वारा स्थापित वर्ष को शक संवत क्यो कहा जाता है ? यह इसलिए क्योकि कुषाणों ने इसकी स्थापना अवश्य की थी परन्तु वे ज्यादा सालों तक सत्ता में नही रहे उन्हें शकों ने हराकर भारत के उत्तर पश्चिम और मध्य भारत मे सत्ता स्थापित कर ली परन्तु शकों ने कुषाणों द्वारा स्थापित संवत को ही अपना लिया । चूकि शकों ने लंबे समय तक शासन किया और इसे प्रचलित किया जिसके चलते कुषाणों द्वारा स्थापित संवत को ही शक संवत कहा जाने लगा । इतना ही नही विदेशी कुषाणों को काशी के भारशिव नागों ने भी हराकर वाराणसी के गंगा घाट पर दस अश्वमेघ यज्ञ किये जिससे वह गंगा घाट आज भी दस दशाश्वमेध घाट के नाम से विख्यात है। यह बड़ी विडंबना ही है कि जिस उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रमणकारी शकों को पराजित कर भारत भूमि से खदेड़ दिया उनके नाम से भारत का सरकारी कैलेंडर घोषित नही किया गया बल्कि विदेशी आक्रमणकारी शकों के नाम से ही भारत का सरकारी कैलेंडर घोषित है। यह अजीब ही है कि यह कार्य कोई बाहरी शासक करते तो समझ में आता है लेकिन यह काम तो देश आजाद होने के बाद भारत सरकार ने सन 1957 में किया था । भारत में तीनों प्रचलित शक , अंग्रेजी और भारतीय विक्रमी संवत में भारतीय विक्रमी संवत ही पुराना है जिसकी स्थापना 57 ईसा पूर्व हुई थी इसे ही भारत के कुछ लोग प्रतिवर्ष नवसंवत्सर के रूप में मनाते है। भारतीय नवसंवत्सर की बात करें तो यह पूरी तरह सूर्य ,चन्द्र और पृथ्वी की गति की काल गणना के आधार पर भारत के प्राच्य ज्योतिर्विदों और खगोलशास्त्रियों ने निर्मित किया था । उनका मानना था रात और दिन का निर्धारण सूर्य ही करता है इसलिये सूर्य के उदय और अस्त के अनुसार दिन और रात हो सकती है इसी के आधार पर तिथि का परिवर्तन होना चाहिये । अंग्रेजी वर्ष में तारीख का परिवर्तन मध्य रात 12 बजे के बाद होता है जिसका कोई खगोलीय और प्राकृतिक आधार नही है। भले ही आज सरकारी प्रचलन में कामकाज अंग्रेजी वर्ष में होता हो लेकिन पूरे देश में हिंदुओं के विवाह और धार्मिक कार्य भारतीय संवत के अनुसार ही होते है। विक्रमी संवत के प्रथम दिन ही पूरे देश में शक्ति की आराधना का पर्व नवदुर्गा पूजा प्रारंभ हो जाती है। नया वित्तीय वर्ष भी लगभग इसी समय शुरू होता है । इस समय पूरे देश में मौसम खुशनुमा होता है जबकि अंग्रेजी नववर्ष में उस समय कष्टदायक कड़ाके की सर्दी होती है । इस तरह भारतीय नववर्ष भारत की प्रकृति के अनुरूप होता है जबकि अंग्रेजी नववर्ष भारतीय प्रकृति के विपरीत । किसी भी देश का कालबोध उस देश की ऐतिहासिकता और प्राचीन संस्कृति को तय करता है । इसलिये कालबोध संस्कृति और सभ्यता के लिये महत्वपूर्ण घटक होता है । भारत का कालबोध बहुत ही प्राचीन और समृद्ध है। ऐतिहासिक और पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर 5000 वर्ष पूर्व जब पूरे विश्व के लोग मिस्त्र, मेसोपोटामिया जैसे कुछ ही देशों को छोड़कर खानाबदोश जीवन व्यतीत करते थे। तब भारत की हडप्पा, मोहनजोदड़ो के लोग समृद्ध और उन्नत जीवन जीवन जी रहे थे । विशाल पक्के स्नानागार, अन्न भंडारण प्रणाली, उन्नत जल व्यवस्था, बाहरी दुनिया से बड़ा व्यापार, विशाल गोदी बाड़ा, श्रेष्ट पूजा पद्दति , मूर्ति और नाट्यकला आज भी दुनिया को अचरज में डालने वाली है। लगभग समूचे विश्व पर शासन करने वाले देश बिट्रेन की हालत 500 वर्ष पहले क्या थी इसका अंदाजा अंग्रेज यात्री रॉयल फिंच जो अकबर के शासन के दौरान 1588 में भारत आया था । वह तीन साल भारत रहा था उसने अपने विवरण में लिखा फतेहपुर सीकरी आगरा से बड़ा शहर है जबकि फतेहपुर सीकरी और आगरा दोनों शहर लंदन से बहुत बड़े और समृद्ध हैं।

# भूकंप की तैयारी सिर्फ इमारतों तक नहीं



डॉ सत्यवान सौरभ

भारतीय भूभाग का लगभग 58% भूकंप की चपेट में है। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा तैयार किए गए भारत के भूकंपीय ज़ोनिंग मानचित्र के अनुसार, भारत को चार ज़ोन - II, III, IV और V में विभाजित किया गया है। वैज्ञानिकों ने हिमालयी राज्य में संभावित बड़े भूकंप की चेतावनी दी है। भारत का भू-भाग बड़े भूकंपीय तथ्य/ प्रतिक्रिया व्यक्त करता है, विशेष रूप से हिमालयी प्लेट सीमा, जिसमें बड़ी भूकंपीय घटना (7 और अधिक परिमाण) की क्षमता है।

भारत में भूकंप का मुख्य कारण इंडियन प्लेट के यूरेशियन प्लेट से टकराने के कारण होते हैं।

इस अभिसरण के परिणामस्वरूप हिमालय पर्वत का निर्माण हुआ है, साथ ही इस क्षेत्र में लगातार भूकंप आ रहे हैं। भूकंप की तैयारी पर भारत की नीति मुख्य रूप से संरचनात्मक विवरण के पैमाने पर संचालित होती है। यह नेशनल बिल्डिंग कोड द्वारा निर्देशित है। इसमें स्तंभों, बीमों के आयामों को निर्दिष्ट करना और इन तत्वों को एक साथ जोड़ने वाले सुदृढीकरण के विवरण शामिल हैं। यह उन भवनों की उपेक्षा करता है जिनका निर्माण 1962 में ऐसे कोड प्रकाशित होने से पहले किया गया था। ऐसी इमारतें हमारे शहरों का एक बड़ा हिस्सा हैं। यह प्रवर्तन की प्रक्रियाओं में अचूकता मानता है। यह केवल दंड और अवैधताओं पर निर्भर करता है। यह भूकंप को व्यक्तिगत इमारतों की समस्या के रूप में मानता है। यह मानता है कि इमारतें मौजूद हैं और उनके शहरी संदर्भ से पूर्ण अलगाव में व्यवहार करती हैं। मौजूदा ढांचों की रेट्रोफिटिंग और अधिक दक्षता के साथ भूकंपीय कोड लागू करने के लिए कर-आधारित प्रोत्साहनों की एक प्रणाली बनाने की आवश्यकता है। यह अच्छी तरह से प्रशिक्षित पेशेवरों और सक्षम संगठनों का एक निकाय तैयार करेगा। सोशल मीडिया, टीवी चैनलों और अखबारों के जरिए आम लोगों के जान-माल को भूकंप से बचने के लिए सतर्क और सजग किया जा सकता है। भूकंप से जान-माल से बचाव न हो पाने की वजह यह भी है कि भूकंप आने का वक्त और अंतराल के बारे में वैज्ञानिक कुछ बता पाने की हालात में नहीं हैं। भूकंप आता है, तो लोग मनाते हैं कि वे बचे रहें, लेकिन कुछ साल गुजरता है और फिर भूल जाते हैं कि भूकंप फिर आ सकता है और उससे उनकी जान जा सकती है या गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं। इसलिए मानसिक और आर्थिक दोनों तरह से भूकंप से बचने के लिए तैयार रहना जरूरी है। यह सोच कर हम नहीं बच सकते हैं कि ईश्वर जैसा चाहोगे वैसा ही होगा। और यह सोच बनाना भी ठीक नहीं कि इंसान के हाथ में कुछ भी नहीं है। यह सब खुद को तसल्ली देने के लिए तो हम कर सकते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए सजगता और छद्म अभ्यास के जरिए बेहतर बचाव का उपाय हो सकता है। जापान इस मामले में एक अच्छा उदाहरण है। इसने अक्सर होने वाले भूकंपों से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए तकनीकी उपायों में भारी निवेश किया है। भूकंप के प्रभाव को कम करने के लिए गगनचुंबी इमारतों को काउंटरवेट और अन्य उच्च तकनीक प्रावधानों के साथ बनाया गया है।

# मां कालरात्रि करती हैं भक्तों को भयमुक्त

चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन मां दुर्गा के कालरात्रि रूप की पूजा की जाती है। मां दुर्गाजी का सप्तम स्वरूप मां कालरात्रि देवी का है । मान्यता है कि सातवां दिन नवरात्रि के दिनों में बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। कहा जाता है कि मां कालरात्रि की पूजा करने से काल का नाश होता है। मां के इस स्वरूप को वीरता और साहस का प्रतीक माना जाता है।ऐसी मान्यता है कि मां कालरात्रि की कृपा से भक्त हमेशा भयमुक्त रहता है, उसे अग्नि, जल, शत्रु आदि किसी का भी भय नहीं होता।मां कालरात्रि का स्वरूप मां कालरात्रि के बारे में कहा गया है कि देवी माता अत्यंत दयालु-कृपालु हैं। कालरात्रि सर्वत्र विजय दिलाने वाली, मन एवं मस्तिष्क के समस्त विकारों को दूर करने वाली हैं तथा मां दुर्गा की सातवीं शक्ति तथा कालरात्रि के नाम से जानी जाती है इनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह एकदम काला है। मां कालरात्रि का रूप भयानक है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं और गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला है। अंधकारमय स्थितियों का विनाश करने वाली शक्ति हैं कालरात्रि।कालरात्रि देवी के तीन नेत्र हैं तथा तीनों नेत्र ब्रह्मांड के समान गोल हैं। इनकी सांसों से अग्नि निकलती रहती है। ये गर्दभ की सवारी करती हैं। ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वर मुद्रा भक्तों को वर देती है। दाहिनी ही तरफ का नीचे वाला हाथ अभय मुद्रा में है। बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में लोहे का कांटा तथा नीचे वाले हाथ में खड्ग है। इनका रूप भले ही भयंकर हो पर यें सदैव शुभ फल देने वाली मां हैं। इसीलिए ये शुभंकरी कहलाती हैं । इनसे भक्तों को किसी भी प्रकार से भयभीत होने कीआवश्यकता नहीं अपितु उनके साक्षात्कार से भक्त पुण्य का भागी बनता है। कालरात्रि की उपासना करने से ब्रह्मांड की सारी सिद्धियों के दरवाजे खुल जाते हैं औरआसुरी शक्तियां नाम उच्चारण से ही भयभीत होकर दूर भाग जाती हैं। यें ग्रह बाधाओं को भी दूर करती हैं और अग्नि, जल, जंतु, शत्रु और रात्रि भय दूर हो जाते हैं। कालरात्रि की पौराणिक कथा एक पौराणिक कथा के अनुसार, रक्तबीज नाम के राक्षस से मनुष्य के साथ देवता बहुत त्रस्त व परेशान थे। रक्तबीज दानव के रक्त की बूंद धरती पर गिरते ही उसके जैसा एक और दानव बन जाता था। जिस कारण रक्तबीज का अंत संभव दिखाई नहीं दे रहा था।

इससे परेशान होकर सभी देवता भगवान शिव के पास पहुंचे। भगवान शिव को ज्ञात था कि इस दानव का अंत माता पार्वती कर सकती हैं। भगवान शिव के अनुरोध पर मां पार्वती ने स्वंय शक्ति व तेज से मां कालरात्रि को उत्पन्न किया। मां ने दैत्य रक्तबीज का अंत किया और उसके शरीर से निकलने वाले रक्त को मां कालरात्रि जमीन पर गिरने से पहले ही अपने खप्पर में भर लिया।

# नवरात्रि के शुभ दिन

## नई शुरुआत और खरीदारी के लिए शुभ मुहूर्त

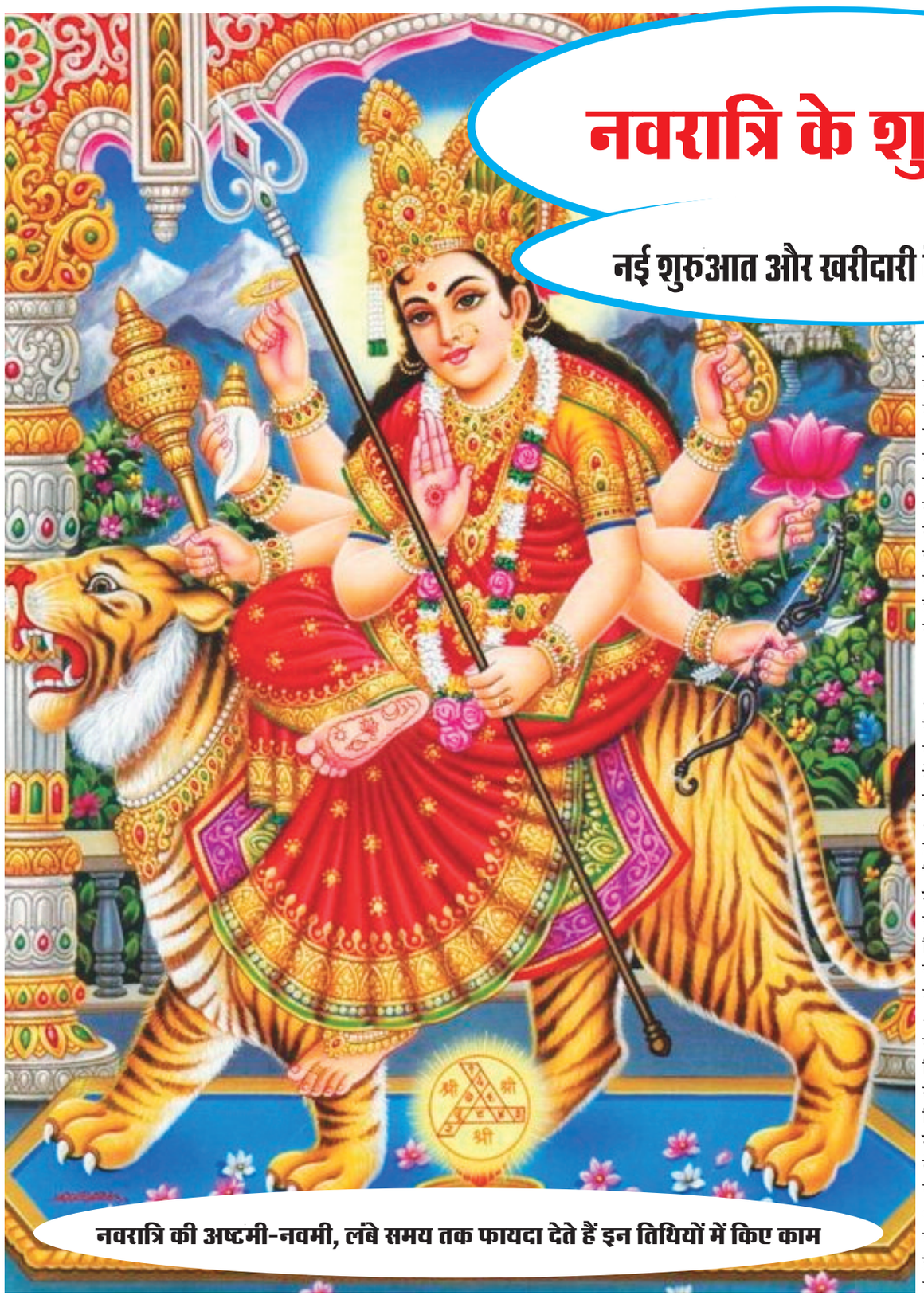

**नवरात्रि की अष्टमी-नवमी, लंबे समय तक फायदा देते हैं इन तिथियों में किए काम**

चैत्र नवरात्रि 22 मार्च से शुरू हो गई है। जो कि 30 मार्च तक रहेगी। इस बार तिथियों की गड़बड़ी नहीं होने से पूरे नौ दिन देवी की आराधना और पूजा होगी। इसी के चलते चैत्र नवरात्रि के आखिरी दो दिनों में देवी की महापूजा और हवन किया जाता है।

अष्टमी और नवमी तिथि पर बिना मुहूर्त देखे खरीदारी और हर तरह की नई शुरुआत की जा सकती है। ये दोनों दिन अबूझ मुहूर्त की तरह ही होते हैं। इस बार 29 मार्च, बुधवार को दुर्गाष्टमी और 30 मार्च को महानवमी पर्व मनेगा। इन दोनों दिनों में शुभ संयोग भी रहेंगे। इनमें लेन-देन और निवेश करने से लंबे समय तक फायदा मिलता है।

**शुभ काम के लिए अबूझ मुहूर्त**

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र के मुताबिक चैत्र नवरात्रि की अष्टमी और नवमी तिथि किसी भी काम की शुरुआत करने वाले शुभ दिन होते हैं। इन दिनों को अबुझ मुहूर्त की तरह ही माना जाता है। इन दिनों में की गई पूजा-पाठ का सकारात्मक फल जल्दी मिल सकता है। अपने कामों में सफलता मिल सकती है।

**दुर्गाष्टमी (29 मार्च, बुधवार): इस दिन जया तिथि यानी**

अष्टमी दिनभर रहेगी। आर्द्रा नक्षत्र भी रहेगा। वहीं इस दिन के सितारे शोभन नाम का शुभ योग बना रहे हैं। इस योग के कारण बृहस्पति का प्रभाव इस दिन ज्यादा रहेगा। जिससे नए कामों और शुरुआत में फायदा मिलेगा। इस दिन व्हीकल खरीदारी का विशेष शुभ मुहूर्त है।

**महानवमी (30 मार्च, गुरुवार):** ये नवरात्रि का आखिरी दिन होगा। इस दिन सर्वार्थसिद्धि और रवियोग रहेंगे। ज्योतिष के जानकारों के मुताबिक इन शुभ योगों में किए गए कामों में सफलता और फायदा मिलना तय होता है। इस कारण नई शुरुआत और लेनदेन के लिए ये दिन बहुत शुभ रहेगा। प्रॉपर्टी खरीदारी या निवेश के लिए पूरे दिन विशेष शुभ मुहूर्त रहेगा

**महारूप में देवी का प्राकट्य**

देवीभागवत महापुराण के मुताबिक नवमी तिथि पर ही देवी दुर्गा प्रकट हुई थीं। यही वजह है कि इस तिथि की स्वामी दुर्गा ही हैं। देवी दुर्गा ने प्रकट होकर राक्षसों का वध किया था। इसी कारण नवरात्रि की नवमी पर कन्या भोज करवाया जाता है। त्रेता युग में चैत्र मास की इसी तिथि पर भगवान विष्णु ने श्रीराम का अवतार लिया था। इसी वजह से इस नवरात्रि में देवी के अलग-अलग स्वरूप और श्रीराम की विशेष पूजा की जाती है।

# 31 मार्च को राशि बदलेगा बुध

## वृश्चिक और मीन सहित 5 राशियों को धन लाभ के योग लेकिन शेयर बाजार में बड़ी उथल-पुथल की आशंका

बुध ग्रह 31 मार्च को मेष राशि में आ रहा है और 7 जून तक इसी राशि में रहेगा। इस ग्रह की चाल बदलने से अब बुधादित्य योग रहेगा। बुध ग्रह की चाल में बदलाव होने से 5 राशियों के लिए अच्छा समय शुरू हो जाएगा। वहीं, वृष और मकर राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इनके अलावा 5 राशियों के लिए मिला-जुला समय रहेगा।

बुध के राशि परिवर्तन होने से इनकम, निवेश और लेन-देन पर असर पड़ता है। जिससे कुछ लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है तो कुछ लोगों को नुकसान भी होता है। इस ग्रह के कारण शेयर मार्केट से जुड़े लोग ज्यादा प्रभावित होते हैं।

शरीर में नसें, तंत्रिका तंत्र, गले और स्किन से जुड़ी बीमारी भी बुध की वजह से होती है। इस ग्रह के कारण तर्क शक्ति पर असर पड़ता है। साथ ही पत्रकारिता, शिक्षा, लेखन और वकालात से जुड़े लोगों के कामकाज में भी बड़े बदलाव होते हैं।

**शुभ : मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक और मीन राशि**

मेष राशि में बुध के आ जाने से मिथुन, कर्क, कन्या, वृश्चिक और मीन राशि वाले लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। इन राशियों के लोगों को जॉब और बिजनेस में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। रुका हुआ पैसा मिलने के भी योग बन रहे हैं। लेन-देन और निवेश में फायदा हो सकता है। इसके अलावा इन राशियों के लोग बड़े कामकाज की योजनाएं बनाएंगे। इन लोगों की तर्क शक्ति भी बढ़ेगी।

**सामान्य : मेष, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि**

बुध के राशि परिवर्तन से मेष, सिंह, तुला, धनु और कुंभ राशि वाले लोगों के लिए समय सामान्य रहेगा। इन 4 राशि वाले लोगों के सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं। कामकाज को लेकर नए और बड़े लोगों से मुलाकात हो सकती है। रोजमर्रा के कामों में मेहनत भी ज्यादा करनी पड़ेगी। दौड़-भाग बनी रहेगी। साथ ही लेन-देन और निवेश सोच-समझकर करना होगा। सेहत के मामलों में इन राशि वालों को संभलकर रहना होगा।

**अशुभ : वृष, कन्या और मकर राशि**

बुध के मेष राशि में आ जाने से वृष, कन्या और मकर राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इन 3 राशियों के लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। सेविंग खत्म होने और निवेश में नुकसान होने की आशंका है। लेन-देन में भी सावधानी रखनी होगी। किस्मत का साथ नहीं मिल पाएगा। नसों से संबंधी रोग हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के कामकाज में बदलाव और स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं

### इन 3 राशि वालों को रहना होगा संभलकर

**- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चंद्रमा के बाद बुध ग्रह ही सूर्य के सबसे नजदीक रहता है। ये ग्रह ज्ञान, बुद्धि और वाणी का स्वामी है। इसके राशि परिवर्तन का सीधा असर हमारे जीवन पर दिखाई देता है।**

**- पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र के अनुसार, बुध का वृषभ राशि में प्रवेश मेष, कर्क, सिंह, तुला और धनु राशि वालों के लिए शुभ रहेगा। इन राशि वालों को बिगड़े हुए काम बन सकते हैं और सफलता मिलने के योग भी बनेंगे।**

**- वहीं वृष, कन्या, मकर और मीन राशि वालों के लिए समय सामान्य रहेगा। इनके जीवन पर बुध के राशि परिवर्तन का कोई खास असर देखने को नहीं मिलेगा।**

**- मिथुन, वृश्चिक और कुंभ राशि वालों को बुध के राशि परिवर्तन के बाद से थोड़ा संभलकर रहना होगा। कोई अप्रिय घटना इन राशि के लोगों के साथ हो सकती है।**

# श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता की सीख

30 मार्च को भगवान श्रीराम का प्रकट उत्सव मनाया जाएगा। श्रीराम से जुड़े प्रसंगों में जीवन को सुखी और सफल बनाने के सूत्र छिपे हैं। अगर इन सूत्रों को समझ लिया जाए और इनके अनुसार काम किए जाए तो हमारी सभी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जानिए श्रीराम और सुग्रीव से जुड़ा प्रसंग, जिसमें मित्रता से जुड़े संदेश बताए गए हैं...

श्रीराम, लक्ष्मण और सीता के साथ वनवास के लिए निकल गए थे। ये तीनों पंचवटी में रह रहे थे। उस समय रावण ने छल से सीता का हरण कर लिया। श्रीराम और लक्ष्मण देवी सीता की खोज कर रहे थे, तब इनकी भेंट हनुमान जी से हुई।

हनुमान जी ने श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता कराई। श्रीराम और सुग्रीव की पहली मुलाकात थी। श्रीराम ने सुग्रीव से पूछा कि आप यहां जंगल में क्यों रह रहे हैं? मैं तो मेरी पत्नी सीता को खोज में जंगल-जंगल भटक रहा हूं, लेकिन लेकिन आप तो राजा हैं, आपको को अपने राज्य में रहना चाहिए।

सुग्रीव ने श्रीराम से कहा कि मेरा बड़ा भाई बालि ही मेरा शत्रु हो गया है। वह बहुत शक्तिशाली है और उसकी वजह से ही मैं जंगल में छिपकर रह रहा हूं। दरअसल, एक बार एक राक्षस हमारे गांव आया था। बालि उसे मारने गया तो मैं भी पीछे-पीछे चला गया। राक्षस एक गुफा में चला गया तो बालि भी गुफा में चला गया। मैं गुफा के बाहर ही रुक गया। एक दिन गुफा से बाहर रक्त बहकर आने लगा, मैं डर गया और मुझे लगा कि मेरा भाई बालि मारा गया है। मैं अपने राज्य लौट आया तो यहां के लोगों ने मुझे राजा बना दिया। कुछ समय बाद मेरा भाई बालि राज्य में लौट आया। बालि ने मुझे राजा बना देखा तो वह मुझे ही शत्रु समझने लगा और अब वह मुझे मारना चाहता है। श्रीराम ने सुग्रीव की बातें सुनीं और कहा कि मैं आपकी बालि से रक्षा करूंगा।

पहले तो सुग्रीव को श्रीराम की शक्तियों पर भरोसा नहीं हुआ, क्योंकि बालि तो बहुत शक्तिशाली था। राम समझ गए कि सुग्रीव को मेरी

शक्तियों पर भरोसा नहीं हो रहा है।

श्रीराम ने सुग्रीव से कहा कि सुग्रीव, अब मैं तुम्हारा मित्र हूं। विपत्ति के समय मित्र ही साथ खड़ा रहता है, मित्र ही मदद करता है। मित्र शब्द सुनते ही सुग्रीव को श्रीराम की बातों भरोसा हो गया। श्रीराम ने बालि को मारने की योजना बनाई। योजना के अनुसार सुग्रीव ने बालि को युद्ध के लिए ललकारा। जब दोनों भाई को युद्ध हो रहा था, तब श्रीराम ने बालि को बाण से मार दिया था।

**श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता की सीख**

**इस प्रसंग में श्रीराम ने सुग्रीव को संदेश दिया है कि मित्र ही दूसरे मित्र की रक्षा करता है। सच्चे मित्र हमेशा साथ खड़े रहते हैं और बुरे समय में मदद करते हैं। इसलिए किसी को मित्र बनाते समय व्यक्ति के गुणों को परखना चाहिए। ऐसे लोगों से मित्रता नहीं करनी चाहिए, जो हमारे सामने तो अच्छा बोलते हैं और पीठ पीछे हमारे काम बिगाड़ने की कोशिश करते हैं।**

# देवी दुर्गा के साथ ही छोटी कन्याओं की पूजा का पर्व है चैत्र नवरात्रि

अभी चैत्र नवरात्रि चल रही है और आज (26 मार्च) देवी स्कंदमाता की पूजा की जाएगी। 29 मार्च को महाअष्टमी है और 30 को श्रीराम नवमी के साथ चैत्र नवरात्रि का समापन होगा। नौ दिवसीय पर्व में दुर्गा पूजा के साथ ही छोटी कन्याओं की पूजा करने की भी परंपरा है। इसके साथ ही रामायण का पाठ करना चाहिए और राम नाम का जप करना चाहिए।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, नवरात्रि के अंतिम दिनों में अष्टमी और नवमी तिथि पर छोटी कन्याओं को भोजन कराया जाता है। मान्यता है कि छोटी कन्याएं भी देवी दुर्गा का ही स्वरूप हैं। इनकी पूजा करने से देवी प्रसन्न होती हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

**ऐसे कर सकते हैं कन्या पूजन**

**अष्टमी-नवमी तिथि पर छोटी कन्याओं को उनके घर जाकर भोजन के लिए निमंत्रण देना चाहिए। नौ कन्याओं को आमंत्रित करेंगे तो ज्यादा बेहतर रहेगा।**

**जब कन्याएं हमारे घर आएं तो उन्हें आसन पर बैठाएं। सभी कन्याओं के पैर धोएं।**

**कन्याओं के माथे पर कुमकुम से तिलक करें। हार-फूल पहनाएं। इसके बाद भोजन कराएं।**

**भोजन के बाद कन्याओं को अपने सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा भी देनी चाहिए। उपहार भी दे सकते हैं।**

**उपहार में नए कपड़े, पढ़ाई से संबंधित चीजें, जूते-चप्पल, श्रृंगार का सामान दे सकते हैं।**

देवी भागवत पुराण में कन्याओं को बताया है देवी का स्वरूप

श्रीमद् देवी भागवत महापुराण के तृतीय स्कंध में कन्याओं का जिक्र है। इस पुराण में लिखा है कि दो वर्ष की कन्या कुमारी होती है, तीन साल की कन्या त्रिमूर्ति, चार साल की कन्या कल्याणी, पांच साल

की कन्या रोहिणी, छः साल की कन्या कालिका, सात साल की कन्या चंडिका, आठ साल की कन्या शांभवी, नौ साल की कन्या दुर्गा और दस साल की कन्या सुभद्रा देवी का स्वरूप होती हैं।

**श्रीराम नवमी पर कौन-कौन से शुभ काम कर सकते हैं**

चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर श्रीराम का प्रकट उत्सव मनाया जाता है। त्रेता युग में इसी तिथि पर राजा दशरथ के यहां भगवान विष्णु ने राम के रूप में जन्म लिया था। नवमी तिथि पर चैत्र नवरात्रि का समापन भी होता है।

देवी दुर्गा की विधिवत पूजा करें। धूप-दीप जलाकर देवी मंत्र दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जप करें।

श्रीराम नवमी पर राम जी की विशेष पूजा करें। रामायण का पाठ करें। राम नाम का जप करें। श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी की भी पूजा करें।

# गाजियाबाद के मंदिर में वर्षों से जल रही अखंड ज्योति

नवरात्रि में मां दुर्गा के अलग-अलग 9 स्वरूपों की पूजा विधि विधान से की जाती है। देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। कई मंदिरों में नवरात्रि मेले का भी आयोजन किया गया है। कहानी उस दरबार की जहां वर्षों से अखंड ज्योती जल रही है। ये ज्योती कभी भी बुझती नहीं है।

मंदिर के सदस्य श्याम वर्मा ने बताया कि नवरात्रि के दौरान दरबार में भक्तों की भीड़ का तांता लगा रहता है। मां ज्वाला के सिद्ध पीठ से ज्योति लेकर आते हैं। जो नवरात्रों के दौरान जलाई जाती है। इस मंदिर में देवियों के नौ रूप की पूजा की जाती है और नवरात्र मेले का आयोजन किया जाता है। जिसमें भजन मंडली भक्तों को माता की कथाएं सुनाती है।

**वर्षों से जल रही अखंड ज्योति**

**ज्वाला ज्योती के अलावा मंदिर में अखंड ज्योती** जलती रहती है। अखंड ज्योति के बारे में कहा जाता है कि यह वर्षों से चल रही है। मंदिर प्रशासन की तरफ से दो से तीन बार रोजाना इस ज्योति को जलाया जाता है। जिसमें करीब आधा किलो घी लग जाता है।

**माता के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़**

नवरात्रि पर मां का दरबार सजाया गया है। जहां हजारों की संख्या में भक्त देश के विभिन्न हिस्सों से यहां पहुंचकर मां का दर्शन पूजन कर रहे हैं। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भंडारा भी किया जाता है। नवरात्रों के दौरान प्रतिदिन मंदिर में हवन होता है। लेकिन अष्टमी पर भव्य हवन होता है, जिसमें हजारों भक्त शामिल होते हैं। यूं तो मां दुर्गा की यहां पर मुख्य रूप से पूजा होती है। लेकिन मंदिर में मां वैष्णो की मुख्य प्रतिमा मौजूद है।

**नवरात्रों के दौरान दर्शन करने वाला जाता है स्वर्ग**

मंदिर की पुरानी मान्यताएं है कि अखंड ज्योति और ज्वाला ज्योति जलने से दरबार की शक्ति बढ़ जाती है। मंदिर के पुराने महंत की मृत्यु से पहले भी मां ने दर्शन दिए थे और उन्हें कहा था कि तुम्हें स्वर्ग नसीब होगा। महंत ने नवरात्रों के दौरान ही अपने प्राण त्यागे थे। तब से नवरात्रों के दौरान यहां पर भक्त मां की शरण में आते हैं।

# साउथ स्टार नानी ने जयपुर का फेमस पान चखा, जीप पर कॉलेज इवेंट में की ग्रैंड एंट्री, हवा महल भी देखा

**हाल ही में साउथ** सुपर स्टार नानी अपनी फिल्म 'दसरा' का प्रमोशन करने जयपुर पहुंचे। ये फिल्म 30 मार्च को पैन इंडिया में रिलीज होगी। जयपुर में जीप में बैठकर नानी ने कॉलेज इवेंट में ग्रैंड एंट्री की। फिलहाल, फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में नानी ने अहमदाबाद और जयपुर टूर पूरा कर लिया है। जयपुर में नानी ने हवा महल का टूर किया। यहां फैंस ने पूरे जोश के साथ उनका स्वागत किया। इस टूर के दौरान नानी ने जयपुर के फेमस पान का स्वाद भी लिया।

इससे पहले भी फिल्म के प्रमोशन के लिए नानी ने अलग अंदाज अपनाया। लखनऊ, नागपुर और अहमदाबाद में नानी ने प्रमोशन के लिए ट्रक से सिटी में एंट्री की। नानी से जब पूछा गया कि वो जयपुर आकर कैसे महसूस कर रहे हैं तब उन्होंने कहा कि मैं पहले लखनऊ, मुंबई, नागपुर और अहमदाबाद जा चुका हूं। लेकिन, इस बार जयपुर आकर काफी अच्छा लग रहा है।

मुझे ये जानकर अच्छा लगा कि लोग मेरी फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं, लोग मेरी फिल्म देखना चाहते हैं। मुझे जयपुर से इतना प्यार और एनर्जी मिली है कि मुझे ऑडियंस के फिल्म देखने का इंतजार है। श्रीकांत ओदेला की फिल्म 'दसरा' का ट्रेलर आने के बाद से फिल्म का क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म में सिंगरेनी कोल्लेरी में रहने वाले लोगों का पॉवर स्ट्रगल फिल्माया गया है। फिल्म अपनी स्टोरीलाइन की वजह से लगातार चर्चा में बनी हुई है।

सुधाकर चुरूकेरी और श्रीकांत चुंदी के प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म में नानी के साथ कीर्ति सुरेश,और दीक्षित शेट्टी भी नजर आएंगे।

## मनीष मल्होत्रा के घर पहुंची परिणीति

**ब्लैक आउटफिट में आईं नजर, यूजर्स ने लगाए राघव चड्ढा के साथ सगाई के कयास**

**परिणीति चोपड़ा** और आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा जल्द सगाई कर सकते हैं। डेटिंग रूमर्स के बीच परिणीति रविवार को फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के घर के बाहर स्पॉट हुईं। इस दौरान उन्होंने ब्लैक ड्रेस पहनी थी। वीडियो सामने आने के बाद से ही कयास लगाए जा रहे हैं कि परिणीति ने अपने रोके की तैयारियां शुरू कर दी है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द से जल्द रूमर्ड कपल अपने रिलेशनशिप की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर सकता है।

**यूजर्स बोले- अब जल्दी से शादी कर लो**

परिणीति के इस वीडियो को देखने के बाद से ही यूजर्स जमकर रिएक्टर कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा- आप जल्दी से शादी कर लो, हमें वेडिंग फोटोज देखनी है। दूसरे यूजर ने लिखा- आप इस ड्रेस में थोड़ी अनकंफर्टेबल दिख रही हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा- परिणीति जी आपके साथ चड्ढा साहब नहीं आए।

# विवेक अग्निहोत्री ने प्रियंका गांधी पर कसा तंज

## करण जौहर की फिल्म में काम करने की दी सलाह

**डायरेक्टर विवेक** अग्निहोत्री ने प्रियंका गांधी पर तंज कसा है। दरअसल सूरत कोर्ट ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द कर दी है। इसी के विरोध में प्रियंका गांधी ने कहा कि उनके परिवार ने अपने खून से इस देश के लोकतंत्र की नींव रखी है। इसी बयान पर विवेक अग्निहोत्री ने कहा है कि अगर प्रियंका को अपने परिवार से इतना ही ऑब्सेशन है तो उन्हें करण जौहर की फिल्म में काम करना चाहिए। विवेक ने कहा है अब विक्टिम कार्ड खेलकर ही इस मामले में बचाव किया जा सकता है।

**प्रियंका गांधी ने कहा- हमारा परिवार देश के लिए शहीद हुआ**

प्रियंका गांधी राहुल गांधी के समर्थन में कहा, आज तक हम चुप रहे हैं, आप हमारे परिवार का अपमान करते गए। मैं पूछना चाहती हूं कि एक आदमी का कितना अपमान करोगे। मेरा भाई पीएम के पास गया, उन्हें गले लगाया और कहा कि मुझे आपसे नफरत नहीं है।

हमारी विचारधारा अलग है, लेकिन हमारे पास नफरत की

विचारधारा नहीं है। क्या भगवान राम और पांडव परिवारवादी थे। हमारा परिवार देश के लिए शहीद हुआ तो क्या हमें शर्म आनी चाहिए। हम इस देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए कुछ भी करेंगे।

**'परिवार से इतना ही लगाव है तो फिल्मों में काम करें गांधी परिवार'**

प्रियंका के इसी स्पीच के जवाब में विवेक अग्निहोत्री ने ट्विटर पर लिखा, फैमिली फैमिली और फैमिली, आपने किया क्या है? अगर आपको अपने परिवार से इतनी झूठी मोहब्बत है तो मैं सलाह दूंगा कि गांधी परिवार को करण जौहर की फिल्म में काम करना शुरू कर देना चाहिए। कम से कम उस फिल्म से फैमिली इकोसिस्टम तो मैच करेगा। लेकिन क्या पता वो करण जौहर को भी ले डूबे।

**ऐसे भी कई स्टार हैं जो गांधी परिवार के करीब हैं- विवेक**

विवेक अग्निहोत्री से कुछ वक्त पहले टाइम्स लिट फेस्ट में बीजेपी और पीएम मोदी के साथ उनकी निकटता को लेकर सवाल किया गया था। इसके जवाब में विवेक ने कहा, 'बॉलीवुड में बहुत सारे लोग मुझे पसंद नहीं करते हैं। वो कहते हैं कि मैं मोदी का समर्थन करता हूं। वो ये भी कहते हैं कि मैं राजनीतिक फिल्में बनाता हूं।

मैं पूछना चाहता हूं कि बॉलीवुड वाले राजनेताओं के संपर्क में कब नहीं थे। क्या अमिताभ बच्चन, राजीव गांधी के दोस्त नहीं थे। क्या मिस्टर खान (शाहरुख खान) प्रियंका और सोनिया गांधी के करीबी नहीं हैं। सिर्फ मेरे बारे में ही ये बातें क्यों कही जाती है।

किसी एक स्टार या डायरेक्टर का नाम बताइए जो इन लोगों के करीब न हो। आमिर खान भी तो नर्मदा आंदोलन के लिए मेधा पाटकर के साथ बैठे थे। क्या वो नर्मदा आंदोलन में शामिल नहीं थे। फिर मुझे इससे अलग क्यों किया जा रहा है।

**राहुल ने मोदी सरनेम को लेकर दिया था बयान, कोर्ट ने पाया दोषी**

राहुल गांधी को 23 मार्च को सूरत कोर्ट ने मानहानि केस में दोषी पाया और 2 साल की सजा सुनाई। इसके साथ ही अगले दिन उनकी संसद की सदस्यता खत्म कर दी गई। उन्होंने एक जनसभा में कहा था, 'सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है...', इसी बयान को लेकर उनके खिलाफ मानहानि का केस दायर किया गया था।

# आकांक्षा दुबे की मौत मामले में भोजपुरी गायक समर सिंह सहित दो पर केस, मां ने लगाए गंभीर आरोप

**भोजपुरी फिल्म अ**भिनेत्री आकांक्षा दुबे की मौत मामले में नया मोड़ आ गया है। प्रकरण में सारनाथ थाने की पुलिस ने भोजपुरी गायक समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मुंबई से वाराणसी पहुंची आकांक्षा की मां की तहरीर पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

आकांक्षा की मां मधु ने कहा कि मेरी बेटी बहुत साहसी थी। वो आत्महत्या नहीं कर सकती। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई। आकांक्षा दुबे की मां और भाई सोमवार सुबह थाने पहुंचे। पिता छोटेलाल दुबे अभी ट्रेन में हैं। मधु ने बताया कि शनिवार शाम सात बजे मोबाइल से आकांक्षा से बात हुई थी। तब वो खुश थी। कोई परेशानी नहीं बताई। 12 बजे रात में फोन किया था तो उसने फोन नहीं उठाया था। किसी पार्टी में जाने की बात भी नहीं बताई थी।

**आकांक्षा को अक्सर मारता-पीटता था समर सिंह**

आरोप लगाया कि आजमगढ़ निवासी भोजपुरी गायक समर सिंह आकांक्षा को बहुत प्रताड़ित करता था। कहा कि समर सिंह चाहता था कि आकांक्षा सिर्फ उसके साथ ही काम करे और किसी के साथ नहीं। साथ में काम करने पर पैसा नहीं देता था। किसी दूसरे की फिल्म या गाने में काम करने पर मारता-पीटता था। कई बार जब आकांक्षा ने उससे अपने पैसे मांगे तो उसके साथ मारपीट भी की।

रो-रो कर आकांक्षा ने सबकुछ उन्हें बताया था। बीते 21 मार्च को आकांक्षा बस्ती में शूटिंग कर रही थी। तब मोबाइल पर भोजपुरी गायक समर के भाई संजय सिंह का फोन आया था। फोन पर धमकी दे रहा था कि तुमको जान से मरवा देंगे। आकांक्षा की असिस्टेंट रेखा ने भी बताया कि मैडम सेट पर जोर-जोर से रो रही थीं। जिस भोजपुरी गायक समर सिंह पर आरोप लगा है वो रविवार से ही गायब है। अपर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कहा कि युवती ने आत्महत्या की है, यह स्पष्ट है। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया जाएगा। युवती की मां की तहरीर पर समर सिंह और संजय सिंह के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। विवेचना कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

**आकांक्षा ने रात में दोस्तों के साथ की थी पार्टी**

आकांक्षा ने शनिवार रात मंडुआडीह स्थित एक क्लब में दोस्तों के साथ पार्टी की थी। अधिक नशे में होने के कारण आकांक्षा का दोस्त उसे सारनाथ स्थित होटल छोड़ने आ रहा था। रास्ते में आकांक्षा का एक और करीबी युवक मिल गया। उसने अपनी कार से आकांक्षा को होटल तक पहुंचाया था। कुछ देर कमरे में रहने के बाद चला गया था। रविवार सुबह आकांक्षा मृत मिलीं।

आकांक्षा मूल रूप से भदोही के चौरी बाजार क्षेत्र के बरदहां गांव की रहने वाली थीं। ननिहाल मिर्जापुर के विंध्याचल में है। जानकारी के मुताबिक, बरदहां निवासी छोटेलाल दुबे परिवार के साथ एक अरसे से मुंबई में रह कर व्यवसाय करते हैं। छोटेलाल दुबे के तीन बच्चों में दूसरे नंबर की आकांक्षा ने मॉडलिंग से भोजपुरी म्यूजिक और फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश किया था। भोजपुरी फिल्म लायक हूं मैं नालायक नहीं की शूटिंग के लिए वह बीते 23 मार्च को वाराणसी आई थीं। फिल्म के हीरो, निर्देशक सहित 16 लोगों की टीम के साथ वह सारनाथ क्षेत्र के बुद्धा सिटी कॉलोनी स्थित एक होटल में ठहरी हुई थीं शनिवार की रात वह बर्थडे पार्टी में जाने की बात कह कर कैब से होटल से निकली थीं। रात 1:55 बजे के लगभग एक युवक आकांक्षा को उनके कमरे में छोड़ने गया था। जानकारी के मुताबिक, रविवार की सुबह नाटीइमली क्षेत्र में शूटिंग के लिए फिल्म के निर्देशक विकास श्रीवास्तव ने आकांक्षा के मेकअप मैन राहुल को कॉल कर उन्हें तैयार करने के लिए कहा। राहुल ने आकांक्षा को कॉल किया तो फोन नहीं रिसीव हुआ। इसके बाद उसने होटल स्टाफ को कॉल किया। होटल स्टाफ ने आकांक्षा के कमरे के लैंडलाइन नंबर पर फोन किया तो रिसीव नहीं हुआ। इस पर राहुल और होटल स्टाफ ने मास्टर चाबी के सहारे आकांक्षा के कमरे का दरवाजा खोला तो वह बेड पर बैठने की स्थिति में थीं और उनके गले में दुपट्टे का फंदा था। आनन-फानन इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आज पोस्टमार्टम होगा।

# जब मैनेजर ने लिया अमृता राव से बदला, सलमान खान की हीरोइन बनते-बनते रह गई थीं एक्ट्रेस

**अमृता राव पिछले** काफी समय से फिल्मी दुनिया से गायब हैं। उन्होंने विवाह जैसी फिल्मों से तहलका मचाया था। इस फिल्म में वह शाहिद कपूर के साथ नजर आई थीं। फैमिली ड्रामा फिल्म फैंस को खूब पसंद आई थी। हाल ही में अमृता राव ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। अभिनेत्री ने अपने मैनेजर पर सलमान खान की एक फिल्म का ऑफर छिपाने का आरोप लगाया है।

अमृता अरोड़ा ने आरजे अनमोल से शादी रचाई है। हाल ही में आरजे अनमोल की किताब 'कपल ऑफ थिंग्स' लॉन्च हुई है। जिसे बॉलीवुड कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने लॉन्च किया था। इस किताब में अभिनेत्री ने अपनी जिंदगी से जुड़े अच्छे और बुरे दोनों पहलुओं के बारे में बताया है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि साल 2000 में आई सलमान खान की फिल्म वांटेड के लिए उन्हें अप्रोच किया गया था, लेकिन उनके मैनेजर ने उन्हें इसकी भनक तक लगने नहीं लगने दी और यह कहकर ऑफर

ठुकरा दिया कि अमृता के पास डेट्स खाली नहीं हैं।

अमृता राव ने खुलासा किया कि कुछ महीने के बाद मैं हैदराबाद में एक फिल्म की शूटिंग कर रही थी। एक दिन शूटिंग के बाद मैं होटल की लॉबी में बैठी थी, तभी बोनी कपूर के साथ काम करने वाले प्रोडक्शन के एक शख्स मुझसे टकरा गए। उन्होंने कहा- 'ओह, हाय अमृता! तुम कैसी हो? अगर तुम्हारी डेट की दिक्कत नहीं होती तो तुम आज हमारे लिए सलमान खान की फिल्म वांटेड की शूटिंग कर रही होती।'

अमृता ने कहा यह सुनने के बाद मैं उसकी तरफ असमंजस में देखती रही। फिर मैंने पूछा मुझे कब मुझे कब वांटेड के लिए अप्रोच किया गया? जवाब में उसने कहा, 'अरे ऑफर हुई थी तुम्हें, मैंने तुम्हारे मैनेजर को फोन किया था और उसने कहा कि तुम्हारे लिए समय निकाल पाना बहुत मुश्किल है।' यह सुनने के बाद अमृता राव का दिल टूट गया, क्योंकि मैनेजर ने कभी उनको इस ऑफर के बारे में बताया ही नहीं। अभिनेत्री ने कहा, मुझसे अलग होने के फैसले को उसने निगेटव लिया और मुझसे बदला लेने का फैसला किया।

# हैदराबाद में नए घर में शिफ्ट हुए नागा चैतन्य! सामंथा से तलाक के बाद होटल में रह रहे थे अभिनेता

**दक्षिण भारतीय** फिल्मों के सुपरस्टार नागार्जुन के बेटे और अभिनेता नागा चैतन्य वैसे तो मीडिया की नजरों से दूर रहना पसंद करते हैं। लेकिन फिर भी आए दिन किसी न किसी वजह से

सुर्खियों में बने रहते हैं। कभी सामंथा रुथ प्रभु के साथ अपने बिगड़ते रिश्ते को लेकर तो कभी शोभिता धुलीपाला संग अपने अफेयर की खबरों के कारण नागा चैतन्य का लाइमलाइट में बने रहना बहुत नॉर्मल सी बात हो गई है। हालांकि, आज अभिनेता अपनी प्रोफेशनल लाइफ या अपने रिश्तों को लेकर नहीं बल्कि नए घर खरीदने को लेकर सुर्खियों में आए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि नागा चैतन्य ने हैदराबाद में नया घर खरीदा है, जिसकी कीमत सबके होश उड़ा रही है।

हमेशा मीडिया की चकाचौंध से दूर रहना पसंद करने वाले नागा चैतन्य इस समय खूब लाइमलाइट बटोर रहे हैं। वजह है अभिनेता द्वारा हाल ही में खरीदा गया बेशकीमती घर। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नागा चैतन्य हैदराबाद के जुबली हिल्स में नए घर में शिफ्ट हो गए हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि अभिनेता ने अपने नए आशियाने के लिए 15 करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि खर्च की है। समांथा से अलग होने के तीन साल बाद, अभिनेता अपने घर में रहने गए हैं।

रिपोर्ट्स की मुताबिक, हाल ही में नागा चैतन्य ने 15 करोड़ रुपये का घर खरीदा है। हालांकि, अभिनेता के घर के बारे में अभी किसी भी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शादी के बाद से समांथा और नागा चैतन्य हैदराबाद के जुबली हिल्स में साथ रह रहे थे। लेकिन, अक्टूबर 2021 में दोनों के तलाक के बाद नागा चैतन्य एक होटल में चले गए थे। ऐसा होने के बाद अब अभिनेता नए घर में रहने गए हैं।

नागा चैतन्य ने पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' से बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। हालांकि, अभिनेता का डेब्यू फीका रहा था क्योंकि आमिर खान स्टारर यह हाई बजट फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप रही थी।

'लाल सिंह चड्ढा' हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' का आधिकारिक हिंदी रीमेक थी, जिसमें नागा चैतन्य और आमिर खान के अलावा करीना कपूर खान मुख्य भूमिका में थीं।

## शाहरुख खान ने खरीदी लग्जरी कार रोल्स रॉयस, कीमत जान उड़ जाएंगे होश

पठान की जबर्दस्त सफलता के बाद शाहरुख खान ने साबित कर दिया है कि बॉलीवुड के असली किंग वह ही हैं। एक्टिंग के अलावा शाहरुख अपनी लग्जरी लाइफ के लिए काफी मशहूर हैं। उनके पास महंगी गाड़ियां जैसे ऑडी, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज के शानदार कलेक्शन है। अब इस लिस्ट में एक और कार का नाम जुड़ गया है।

दरअसल, किंग खान हाल ही में अपने घर रोल्स रॉयस कुलिनैन ब्लैक बैज लेकर आए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस कार का शो-रूम प्राइस आठ करोड़ 20 लाख के आसपास है। वहीं, इसे पर्सनलाइज कराने के बाद इसका दाम 10 करोड़ के करीब पहुंच जाता है। सोशल मीडिया पर इस कार से जुड़ा एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

इस क्लिप में यह कार मन्नत के अंदर जाती दिख रही है। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब शाहरुख किसी लग्जरी चीज की वजह से सुर्खियों में आए हैं। इससे पहले उनकी कलाई में एक घड़ी देखी गई थी। कई रिपोर्ट्स में इसकी कीमत पांच करोड़ रुपये बताई गई थी। गौरतलब है कि पठान की सफलता के बाद शाहरुख के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। हाल ही में उनकी इस फिल्म ने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म का तमगा अपने नाम किया है। इस फिल्म के बाद फैंस को उनकी जवान का बेसब्री से इंतजार है।

फिल्म में उनके साथ नयनतारा और विजय सेतुपति भी नजर आने वाले हैं। वहीं, इसके बाद वह राजकुमार हिरानी की फिल्म डंकी में भी दिखेंगे। फिलहाल दोनों ही फिल्म पर तेजी से काम चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो डंकी को इसी साल दिसंबर के महीने में रिलीज करने की तैयारी है।

# माधुरी दीक्षित के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा को लेकर नेटफ्लिक्स को भेजा लीगल नोटिस, एपिसोड हटाने की मांग

**लीगल नोटिस** में मिथुन विजय कुमार ने कहा है कि शो के किरदार राज कूथरापल्ली द्वारा किया गया कमेंट न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि इस आधार पर मानहानि का केस भी किया जा सकता है.

बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित की फैन फॉलोइंग सिर्फ भारत में ही बल्कि दुनियाभर में हैं. हाल ही में माधुरी दीक्षित के खिलाफ एक अमेरिकी शो में अपमान जनक भाषा के इस्तेमाल को लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को कानूनी नोटिस भेजा गया है. नेटफ्लिक्स को ये नोटिस राइटर और पॉलिटिकल एनालिस्ट मिथुन विजय कुमार ने भेजा है, जिसमें स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से 'द बिग बैंग थ्योरी' के एक एपिसोड को हटाने की मांग की गई है. 'द बिग बैंग थ्योरी' सीजन 2 के पहले एपिसोड में एक्टर कुणाल नैय्यर ने 'राज कूथरापल्ली' का

किरदार निभाया है, जो बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के लिए अपमानजनक कमेंट का इस्तेमाल करता है.

लीगल नोटिस में मिथुन विजय कुमार ने कहा है कि शो के किरदार राज कूथरापल्ली द्वारा किया गया कमेंट न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि इस आधार पर मानहानि का केस भी किया जा सकता है. नोटिस में कहा गया है कि इस तरह के कंटेंट का समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, खासकर महिलाओं के खिलाफ ये रूढ़िवाद को बढ़ावा देता है. कानूनी नोटिस की मांग है कि नेटफ्लिक्स अपने प्लेटफॉर्म से एपिसोड को तुरंत हटा दे. अगर वो ऐसा नहीं करता तो उस पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी. इस लीगल नोटिस को मुंबई स्थित नेटफ्लिक्स के ऑफिस में भेजा गया है.

मिथुन विजय कुमार ने कहा कि अगर नेटफ्लिक्स नोटिस का जवाब नहीं देता या मांगों का पालन नहीं करता तो वो कंपनी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई करेंगे. मिथुन विजय कुमार ने कहा, 'नेटफ्लिक्स जैसी कंपनियों को उनके कंटेंट के लिए जवाबदेह ठहराना और यह सुनिश्चित करना कि किसी भी समाज की सांस्कृतिक मूल्यों और भावनाओं को ठेस न पहुंचे, इसका ध्यान रखना कंपनी की जिम्मेदारी है. ये सुनिश्चित करना स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का काम है कि जो कंटेंट वो दिखा रहे हैं उसमें अपमानजनक, आपत्तिजनक या किसी की भावना को ठेस पहुंचाने जैसा कुछ शामिल न हो. मैं इनमें से एक नेटफ्लिक्स पर शो 'बिग बैंग थ्योरी' में इस्तेमाल किए गए एक शब्द से बहुत परेशान था. शो में पॉपुलर एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के खिलाफ गलत शब्द का इस्तेमाल किया गया. जो सिर्फ आपत्तिजनक और तकलीफ देने वाला नहीं बल्कि एक्ट्रेस के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला भी है.

## खाना खाने के तुरंत बाद उल्टी होना किसी बीमारी का संकेत

**खाना खाने** के तुरंत बाद अगर आपको भी उल्टी होती है तो यह किसी बीमारी या समस्या का संकेत हो सकता है. इससे बचने के लिए आपको कुछ खास घरेलू उपाय करने चाहिए.

**खाने के तुरंत बाद उल्टी**

खाना हमारे शरीर के लिए उसी तरह से है, जैसे किसी गाड़ी के लिए फ्यूल मतलब पेट्रोल, डीजल. खाने के बिना हम बहुत दिनों तक जिंदा नहीं रह सकते. खाने से ही हमें ऊर्जा मिलती है. खाना न मिलने पर हम सब बौखला जाते हैं. खाने के बिना जीवन की कल्पना करना भी असंभव सा लगता है. जिस तरह से हम ऑक्सीजन के बिना एक मिनट भी नहीं रह सकते, पानी के बिना जीवन संभव नहीं है. उसी तरह भोजन के बिना भी ज्यादा दिनों तक जीवित रहना असंभव है. हालांकि, कुछ लोग अनशन या भूख हड़ताल करते हुए कुछ महीने तक जीवित रह जाते हैं, लेकिन इस दौरान वह पानी का सेवन करते रहते हैं. इसके बावजूद भोजन के बिना व्यक्ति का जिंदा रहना कल्पना ही है. लेकिन कुछ लोगों को खाने के तुरंत बाद उल्टी होने लगती है. ऐसे में उन लोगों का खाने से मन हटने लगता है. ऐसा किन-किन बीमारियों की वजह से होता है? और बचाव का तरीका हम आपको यहां बता रहे हैं.

खाने के बाद उल्टी आना या उल्टी का मन करना बिल्कुल भी सामान्य बात नहीं है. प्रिग्नेंसी में ऐसा होना सामान्य माना जा सकता है, लेकिन अन्य किसी ऐसी स्थिति में यह नॉर्मल बात नहीं है. क्योंकि खाने के तुरंत बाद उल्टी आना या उल्टी का मन करना बहुत ही घातक साबित हो सकता है. अगल आपको बार-बार ऐसा होता है तो यह किसी बीमारी का लक्षण हो सकता है. सबसे पहले जानते हैं कि किन-किन बीमारियों या समस्याओं में खाने के तुरंत बाद उल्टी आने की समस्या होती है.

**क्यों होती है खाने के तुरंत बाद उल्टी**

**पाचन शक्ति कमजोर**

अगर आपका खाना खाने के तुरंत बाद उल्टी करने का मन करता है तो इसका मतलब है कि भोजन उस गति से आगे नहीं बढ़ रहा है, जिस गति से उसे बढ़ना चाहिए था. ऐसा होने पर एसिड रिफ्लक्स होता है और खाने के तुरंत बाद उल्टी होने लगती है. इसका मतलब है कि आपकी पाचन शक्ति अच्छी नहीं है.

**एसिडिटी हो सकती है कारण**

अगर आपको एसिडिटी की समस्या होती है तो खाने के तुरंत बाद आपको उल्टी जैसा मन कर सकता है. कई बार आप खाने में ऐसी चीजें भी शामिल कर लेते हैं, जिनकी वजह से आपके पेट में एसिड बनने लगती है. ऐसा होने पर खाने के तुरंत बाद उल्टी हो सकती है.

**पीलिया भी हो सकता है**

खाने के तुरंत बाद उल्टी होने की समस्या पीलिया यानी जॉइंडिस की वजह से भी हो सकती है. जॉइंडिस में व्यक्ति की पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और खाना ठीक तरह से पच नहीं पाता है. जिसके कारण बार-बार उल्टी की समस्या हो सकती है.

**पथरी के कारण उल्टी**

अगर आपके लिवर या किडनी में अल्सर, पथरी जैसी समस्याएं हैं तो आपको उल्टी की समस्या हो सकती है. लिवर और किडनी में अल्सर या पथरी होने की वजह से खाने के तुरंत बाद उल्टी हो सकती है.

**खाने के तुंरत बाद उल्टी की समस्या से कैसे बचें**

खाने के तुरंत बाद उल्टी की समस्या क्यों होती है. कौन-कौन सी बीमारियों या समस्याओं में खाने के तुरंत बाद उल्टी हो सकती है, उनके बारे में जान लिया है तो अब जानते हैं उल्टी की समस्या से कैसे बच सकते हैं.

सबसे पहले आपको तले-भुने और मसालेदार भोजन से तौबा कर लेनी चाहिए. अगर खाना नहीं छोड़ सकते तो कुछ कम जरूर कर सकते हैं.

खाली पेट बहुत अधिक भोजन करने से बचना चाहिए. एक साथ खूब सारा खाना न खाएं.

अपने भोजन के साथ कैफीनयुक्त चीजों, जैसे चाय, कॉफी, कर्बोनेटिड वाटर, एनर्जी ड्रिंक आदि का सेवन कतई न करें. बहुत लंबे समय तक खाली पेट न रहें. नियमित तौर पर हर 3-4 घंटे में कुछ न कुछ खाते रहें.

खाना खाने के तुरंत बाद कोई एक्सरसाइज न करें. हालांकि, सुबह की एक्सरसाइज से पहले आपको जरूर थोड़ा सा कुछ खा लेना चाहिए.

## आपके चेहरे के लिए कौन सा फेस ऑयल है सही?

**स्किन केयर** इंडस्ट्री में फेस ऑयल के इस्तेमाल का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। लगभग सभी ब्यूटी एक्सपर्ट्स फेस ऑयल अप्लाई करने की सलाह देते हैं। लेकिन फेस ऑयल का सही फायदा तभी मिलता है जब उसे स्किन टाइप के अनुसार चुना जाए और आपको उस ऑयल के फायदे की जानकारी हो। किस स्किन टाइप के लिए कौन सा फेस ऑयल सही है ।

फेस ऑयल लगातार ड्राई और डल स्किन को सॉफ्ट और हेल्दी बनाए रखा जा सकता है। फेस ऑयल लगाने के बाद स्किन सॉफ्ट और शाइनी दिखती है। उदाहरण के लिए, ऑलिव ऑयल और कोकोनट ऑयल स्किन की नमी बनाए रखते हैं और उसे मॉइस्चराइज करते हैं। फेस ऑयल्स के हीलिंग गुण कई स्किन प्रॉब्लम्स से बचाते हैं और चेहरे की खूबसूरती बढ़ाते हैं।

**आपके चेहरे के लिए कौन सा फेस ऑयल है सही?**

आमतौर पर जोजोबा या आर्गन ऑयल को फेस ऑयल के रूप में अधिक महत्व दिया जा रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि तिल या जैतून का तेल कम प्रभावी है। कई बार ये इस बात पर भी निर्भर करता है कि किस तेल के साथ कौन सा तेल मिलाया जा रहा है। यानी तेलों के सही मिश्रण से उसका प्रभाव बढ़ जाता है।

ऑयली स्किन के लिए तुलसी के तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मदद करता है और मुंहासों से भी राहत देता है। तुलसी का तेल स्किन का पोषण कर उसे चमकदार बनाता है। स्किन की हेल्थ और चमक बढ़ाने के लिए ऑयली स्किन के साथ ही ड्राइ और नॉर्मल स्किन के लिए भी तुलसी के तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

स्किन के लिए नीम का तेल एक बहुत गुणकारी है, लेकिन इसे सीधे त्वचा पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इसे तिल या बादाम के तेल के साथ स्किन पर लगाने से मुंहासे, फोड़े-फुंसियां, फंगल इंफेक्शन में आराम मिलता है। ऑयली स्किन के लिए नीम का तेल विशेष तौर पर लाभकारी है।

आयुर्वेदिक फेस ऑयल्स में त्वचा के लिए कुमकुमादि तैलम बहुत फायदेमंद है। इसमें लगभग 24 हर्बल अर्क होते हैं। तेल के अवयवों में केसर, चंदन, मंजिष्ठा, खस, दारुहल्दी, बरगद के पेड़ की पत्तियां और कई अन्य कीमती अर्क हैं। तिल का तेल इसका बेस ऑयल है। कुमकुमादि तेल सभी प्रकार की त्वचा के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे रात में इस्तेमाल किया जाना ज्यादा फायदेमंद है। कुमकुमादि तेल ओपन पोर्स को साफ करता है और डेड स्किन को हटाता है।

**फेस ऑयल इस्तेमाल करते समय इन बातों का ध्यान रखें:**

अपने स्किन टाइप के अनुसार सही तेल का चुनाव करें, क्योंकि सही तेल के प्रयोग से ही स्किन को उनका फायदा मिलता है।

कोई भी फेस ऑयल इस्तेमाल करने से पहले दिए गए निर्देशों का पालन जरूर करें। फेस ऑयल लगाने के तुरंत बाद धूप के संपर्क में न जाएं।

## अश्वगंधा से बालों को सफेद होने से रोकें, स्किन की चमक बढ़ाएं

**आयुर्वेद में** अश्वगंधा को विशेष औषधि माना गया है। ब्यूटी इंडस्ट्री में भी अश्वगंधा का काफी मात्रा में इस्तेमाल हो रहा है। स्किन से लेकर हेयर केयर में भी अश्वगंधा का प्रयोग किया जाता है। अश्वगंधा के ब्यूटी बेनिफिट्स। अश्वगंधा, विथानिया सोम्निफेरा, को विंटर चेरी और इंडियन जिनसेंग भी कहा जाता है। इसके शक्तिशाली उपचार गुणों के साथ-साथ त्वचा और बालों की सुंदरता निखारने के लिए आयुर्वेद में इसका काफी मात्रा में उपयोग किया जाता है।

**अपनाएं आयुर्वेदिक ब्यूटी**

अश्वगंधा या भारतीय जिनसेंग एक ऐसी औषधि है जो शक्ति और जीवन शक्ति को बढ़ाने की क्षमता के लिए जानी जाती है। ये स्किन और बालों के लिए टॉनिक का काम करता है। ब्यूटी इंडस्ट्री में अश्वगंधा को खास महत्व दिया जाता है। आयुर्वेद में अश्वगंधा के अर्क, काढ़े, पाउडर, तेल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है। इससे बने क्लींजर, एंटी एजिंग क्रीम, मॉइस्चराइजिंग क्रीम, शैम्पू, कंडीशनर, हेयर टॉनिक आदि की मार्केट में बहुत डिमांड है।

केमिकल के साइडइफेक्ट्स से स्किन और बालों को बचाने के लिए आप खुद घर पर आयुर्वेदिक ब्यूटी प्रोडक्ट्स बना सकती हैं। सूखी अश्वगंधा, पाउडर या जड़ ऑनलाइन या आयुर्वेदिक दुकानों पर आसानी से मिल जाती है। अश्वगंधा की खूबियों से त्वचा और बालों की सुंदरता बढ़ाने के लिए जानें कुछ आसान ब्यूटी टिप्स, जिनसे आप बिना किसी साइडइफेक्ट्स के स्किन और हेयर केयर के आसान घरेलू उपाय आजमा सकेंगी।

**अश्वगंधा से स्किन की चमक बढ़ाएं**

अश्वगंधा एंटीऑक्सीडेंट और आयरन से भरपूर होता है। यह दिमाग को शांत करता है और तनाव को भी कम करता है। ग्लोइंग स्किन के लिए आयुर्वेदिक पैक के लिए 2 चम्मच सूखे अश्वगंधा पाउडर में एक चम्मच सूखे और पीसे हुए नींबू के छिलके और एक चम्मच सूखे अदरक को मिलाएं। इन्हें एक कप पानी में डालें और उबाल आने दें। पाउडर थोड़ा नरम होना चाहिए। मिश्रण को ठंडा करें और चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद सादे पानी से धो लें। स्किन मिनटों में चमकने लगेगी।

**झुर्रियों को कहें बाय-बाय**

अश्वगंधा में स्किन को यंग बनाए रखने के गुण हैं। इसमें शक्तिशाली एंटी-एजिंग गुणों के साथ एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो फाइन लाइन्स और झुर्रियों से राहत देते हैं। साथ ही स्किन पर लंबे समय तक उम्र के संकेत नहीं आने देते। स्किन को यंग बनाए रखने के लिए एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर में एक चम्मच शहद और थोड़ा सा गुलाब जल मिलाएं। होठों और आंखों के आस-पास के क्षेत्र से बचते हुए चेहरे पर लगाएं। 15 से 20 मिनट बाद इसे धो लें। शहद की जगह आप एलोवेरा जेल भी मिला सकते हैं।

**मुंहासों से छुटकारा पाएं**

अश्वगंधा में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो स्किन को इंफेक्शन या मुंहासों से बचाते हैं। फेस पैक तैयार करने के लिए 2 चम्मच एलोवेरा जेल में एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर और आधा चम्मच दालचीनी पाउडर मिलाएं। इस पैक को मुंहासे वाले स्थान पर लगाएं। 20 मिनट बाद सादे पानी से धो लें।

**अश्वगंधा तेल से डैंड्रफ और सफेद बाल से राहत मिलती है**

अश्वगंधा तेल से डैंड्रफ और सफेद बाल से राहत मिलती है

**हेल्द बालों के लिए अश्वगंधा**

200 मिली नारियल तेल में आधा कप सूखी अश्वगंधा की जड़ मिलाएं। 2 हफ्ते तक रोजाना एक एयरटाइट जार में धूप में रखें। तेल को छान लें और बालों में तेल लगाने के लिए हफ्ते में एक या दो बार इस्तेमाल करें। इस तेल को रात में बालों में लगाएं और सुबह शैंपू कर लें। यह तेल बालों को पोषण देता है और मुलायम बनाता है। इस तेल से डैंड्रफ में भी राहत मिलती है।

**सफेद बालों से राहत पाएं**

अश्वगंधा में अमीनो एसिड होता है, जो बालों को हेल्दी बनाए रखता है। इसमें मौजूद टायरोसिन अमीनो एसिड बालों और त्वचा में गहरे रंग के पदार्थ मेलेनिन के उत्पादन को बढ़ाने में मदद करता है। इसीलिए कहा जाता है कि अश्वगंधा समय से पहले सफेद होने वाले बालों को रोकता है। अश्वगंधा पाउडर और गर्म पानी का पेस्ट बना लें। बालों को सेक्शन में बांटें। स्कैल्प और बालों पर लगाएं। प्लास्टिक शावर कैप पहन लें और आधे घंटे के लिए लगा रहने दें, फिर बालों को पानी से धो लें।

## पेशाब करने में होती है जलन और दर्द, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे!

**हमारे शरीर** में 70 फीसद पानी है. स्वस्थ रहने के लिए हमें नियमित तौर पर पानी पीते रहना चाहिए. उचित मात्रा में पानी नहीं पीने पर हमारा शरीर डिहाइड्रेट हो सकता है. डिहाइड्रेट होने की वजह से हमें कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं. शरीर का तापमान बढ़ सकता है और कई अंग कार्य करना बंद भी कर सकते हैं. इसलिए उचित मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है. उचित मात्रा में पानी पीने से कई रोग खत्म हो जाते हैं. अगर आप डॉक्टरों के पास भी जाएं तो वो आपको रोज 3-5 लीटर तक पानी पीने की सलाह दे सकते हैं. क्योंकि उचित मात्रा में पानी पीने से शरीर से गंदगी यानी विषाक्त पदार्थ पेशाब के जरिए बाहर निकल आते हैं. लेकिन कई बार कुछ लोगों को पेशाब करने में जलन और दर्द भी महसूस होता है. आइए जानते हैं यह समस्या क्या है और इससे निजात पाने के घरेलू उपाय क्या हैं.

**पेशाब में जलन क्या और क्यों होती है**

पेशाब में जलन या दर्द की समस्या को डिस्युरिया कहा जाता है. यह एक ऐसी समस्या है, जिसमें पेशाब करने के दौरान पेशाब में जलन और दर्द भी महसूस होता है. यहां तक कि कई बार पेशाब करने में भी दिक्कत होती है. पेशाब में जलन और दर्द के कई कारण हो सकते हैं. उनमें से एक कारण मूत्र पथ संक्रमण यानी यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन है. इसी तरह विशेषतौर पर पुरुषों में यूरेथ्राइटिस और प्रोस्टेट से जुड़ी समस्याओं के कारण पेशाब में जलन हो सकती है.

**पेशाब में जलन के अन्य कारण**

निम्न समस्याओं की वजह से पेशाब में जलन और दर्द हो सकता है.

पेशाब की थैली में पथरी
क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस
मूत्राशय में सूजन
दवाएं (जैसे – कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं, जिनकी वजह से पेशाब की थैली में जलन जैसे साइड इफेक्ट होते हैं)
जेनेटाइल हर्पीस
सूजाक
हाल में यूरिनरी ट्रैक्ट प्रोसेड्योर किया गया हो
किडनी में इंफेक्शन
किडनी में पथरी
प्रोस्टेटाइटिस (प्रोस्टेट का इंफेक्शन या सूजन)
यौन संचारित रोग
साबुन, परफ्यूम्स और अन्य पर्सनल केयर उत्पादों के इस्तेमाल के कारण
मूत्र मार्ग का संकुचित होना
मूत्रमार्ग का संक्रमण
मूत्र पथ संक्रमण
वेजिनाइटिस
वेजाइनल यीस्ट इंफेक्शन

**पेशाब में जलन के घरेलू उपाय**

नींबू का उपाय

अगर आपको पेशाब करते समय जलन या दर्द होता है तो इसके लिए नींबू घरेलू रामबाण इलाज है. इसके लिए आपको सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू का रस निचोड़कर उस पानी को पिएं. स्वाद के लिए आप इसमें शहद भी मिला सकते हैं. इस उपाय से आपको पेशाब में जलन की समस्या से छुटकारा मिल सकता है.

**खूब सारा पानी पिएं**

पेशाब में जलन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए खूब सारा पानी पिएं. डॉक्टर भी नियमित तौर पर 3-5 लीटर तक पानी पीने की सलाह देते हैं. पेशाब में दर्द और जलन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए दिन में 12-13 गिलास पानी पीना चाहिए.

**बस खीरे का रस काफी है**

खीर की तासीर ठंडी होती है और यह गर्मियों में शरीर को अंदर से ठंडा रखने में मददगार साबित होता है. खीरे का रस पेशाब में जलन की समस्या के लिए भी रामबाण इलाज साबित हो सकता है. इसके लिए खीरे को मिक्सी में अच्छे से चला लें और फिर इस पेस्ट में 1 चम्मच शहद और नींबू का रस निचोड़ दें. इस पेय को पीने से आपके शरीर में पानी की कमी दूर हो जाएगी.

**नारियल पानी भी है उपाय**

नारियल पानी में बहुत से मिनरल्स होते हैं. यह हमारी

ओवरऑल हेल्थ के लिए बहुत ही अच्छा साबित होता है. यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के साथ ही पेशाब में जलन और दर्द की समस्या से भी निजात दिला सकता है.

**इलायची है पेशाब में जलन का इलाज**

इलायची का सेवन आपको पेशाब में जलन और दर्द से छुटकारा दिला सकते हैं. इसके लिए आप अपनी नियमित चाय या दूध में इलायची का इस्तेमाल कर सकते हैं.

## कैंसर का आयुर्वेद उपचार है क्या

**प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। पिछले कुछ महीनों से हृदय की धड़कन गई है, ऐसा लगता है। क्या आप इस सामान्य बनाने के उपाय बता सकते हैं?**

**- कृष्णवल्लभ शर्मा, हैदराबाद**

उत्तर : 'धड़कन' या 'पाल्पीटेशन' एक गैर चिकित्सकीय शब्द है। जब कभी हृदय का स्पंदन असामान्य प्रतीत होता है -उसे पाल्पीटेशन की श्रेणी में रखा जाता है। इसमें हृदय स्पंदन के ज्यादा होने, कुछ बीट्स छूट जाने, कुछ तेजी से धड़कने, शक्ति के साथ धड़कने या कुछ असामान्य रुप से धडकने वाले हृदय के बीट्स शामिल है। इसे आप आसानी से ई .सी .जी में पकड़ सकते है। हृत्कंप तनाव से, थायराइड ग्रंथि की अति सक्रियता से, कुछ अंग्रेजी दवा के पार्श्व प्रभाव से, हृदय की धमनियों के रोग से, हृदय की मांसपेशियों में आए खिंचाव से, हृदय के वाल्व की विकृति से या किसी अज्ञात कारण से भी बढ़ सकता है।

कई बार हृत्कंप कॉफी, चाय, कोको, चाकलेट और सोड़ा से भी बढ़ता देखा गया है। इसी कारण हृत्कंप में वैद्य सभी प्रकार के ठंडे पेय और चाय, कॉफी पीने से मना करते हैं ।

आयुर्वेद में बढ़ी हृदय की धड़कन की चिकित्सा है। सद्वैद्य पूरे कारणों की जांच कर, निदान पर पहुंचता है और निदान के अनुसार ही चिकित्सा तय करता है। जवाहर मोहरा हृदय को बल देने वाला एक श्रेष्ठ योग है। किसी भी प्रकार के हृत्कंप इसके प्रयोग से शांत होते हैं। ऊंझा प्रवाल पिष्टी, ऊंझा अकीक पिष्टी , ऊंझा अर्जुनारिष्ट का भी प्रयोग किया जा सकता है। चिकित्साकाल में उत्तेजना पैदा करने वाले आहार - विहार से बचें।

**प्रश्न : क्या कैंसर लाइलाज है? इसके लक्षण क्या है? क्या आयुर्वेद में उसका उपचार है? कृपा कर बताएं।**

**- ए. अप्पा राव, महबूबनगर**

उत्तर : कैंसर लाइलाज नहीं है। इससे बहुत ज्यादा डरने की जरुरत नहीं है। नब्बे प्रतिशत से ज्यादा मरीजों में फर्स्ट स्टेज में इलाज हो सकता है। सेकेंड स्टेज में लगभग सत्तर फीसदी एवं तीसरे स्टेज में चालीस फीसदी मरीजों का इलाज संभव है। एक तिहाई से ज्यादा कैंसर तंबाकू या उससे बने

उत्पादों की देन है, जबकि एक तिहाई खानपान और रहन-सहन या दूसरे सामाजिक कारको से जुड़े हैं।

भारत में प्रथम और द्वितीय स्टेज वे इसका निदान नहीं होने के कारण ही समाज में यह भ्रांति फैली है कि यह लाइलाज है। कैंसर याने कर्कटार्बुद संक्रामक रोग नहीं है।

कैंसर कोशिकाओं की बेलगाम, अनियमित और असामान्य वृद्धि है, जो शरीर के किसी भी हिस्से,ऊतक या अंग से ज्ञात या अज्ञात कारणों से शुरु हो सकती है। इसकी प्रवृत्ति आसपास के सामान्य उतको में घुसपैठ करने और रक्तवाहिनीयों में घुस जाने की है, जिससे यह रोग फेफड़ों, यकृत, मस्तिष्क और हड्डियों जैसे कुछ अंगों या पूरे शरीर के हिस्सों में फैल जाता है । इसे मेटास्टेसिस कहते हैं। कैंसर की यह अवस्था खतरनाक होती है।

कैंसर का आयुर्वेद इलाज है। रोग यदि समस्त लक्षणों के साथ प्रकट होता हो तब चिकित्सा मुश्किल हो जाती है। ऊंझा कैंकोनिल जंतुघ्न, पूयप्रतिरोधी- सडन व दुष्ट व्रण को सुधारनेवाला होने के कारण यह कैंसर की प्रथम अवस्था और द्वितियावस्था में देने से काफी राहत देता है। इससे सडनयुक्त कैंसर के घाव, गांठे व कैंसर के अन्य उपद्रव खत्म होने लगते हैं। इसके संग ऊंझा कांचनार गुग्गुलु व ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी देने से जल्दी ही राहत मिलती है। औरा एनाकार्सिन टैबलेट भी कैंसर की एक श्रेष्ठ औषधि है। अपने आयुर्वेद चिकित्सा की राय पर ही दवा ले।

**प्रश्न : मेरी उम्र 25 वर्ष है । सिर में बाल चकत्तो के रूप में तेजी से झड़ रहे हैं । झड़ने की तेजी से लगता है, जल्दी ही गंजा हो जाऊंगा । कृपा कर मुझे इसका इलाज बताएं।**

**- विमलचंद्र वर्मा, वारंगल**

उत्तर : बालों का चकत्तो के रूप में झड़ना आयुर्वेद में ₹ इंद्रलुप्त ₹ नाम से जाना जाता है। यह एक प्रकार का फफूंद (फंगस) का संक्रमण है। इसे ही एलोपिसिया के नाम से पाश्चात्य जानते हैं। इलाज नहीं होने पर यह गंजापन का कारण बनता है।

इसका आयुर्वेद में सही इलाज है ऊंझा करंजादि तैल इंद्रलुप्त की कारगर दवा है। जहां बाल गिर गए हैं , उस स्थान में इस तेल से मालिश करें। ऐसा नित्य करते रहने से नए बाल उगने लगते हैं।

गुंजा बीज से सिद्ध किया हुआ तेल भी लगाने से बाल उगने लगते हैं। जपाकुसुम तेल का उपयोग भी लाभकारी है।

औषधि में महामंजिष्ठादिघन वटी, ऊंझा पंचतिक्तघृत गुग्गुलु व ऊंझा गंधक रसायन टिकिया लेवे। भोजन के बाद ऊंझा रक्तशोधक सिरप 15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुना जल मिलाकर पीने से फफूंद का संक्रमण समूल नष्ट हो जाता है।

चिकित्साकाल के दौरान नमक, नमकीन, खटाई, मिठाई व गरिष्ठ भोजन से बचें । मौसमी फल व सब्जियां जरूर खाएं । पानी उबालकर और छानकर पिए।

**डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा**

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

## हफ्ते के पहले दिन हरे निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, पर स्मॉल कैप और मिड कैप स्टॉक्स में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले दिन बारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ है। हालांकि बाजार दिन के अपने हाई से नीचे गिरकर बंद हुआ है। बाजार में आज के ट्रेडिंग में मिडकैप स्टॉक्स में मुनाफावसूली देखी गई। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएससई सेंसेक्स 127 अंकों की तेजी के साथ 57,653 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 40 अंकों की तेजी के साथ 16,985 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में फार्मा, एफएमसीजी, बैंक, आईटी, हेल्थकेयरसेक्टर के शोयरों में तेजी देखने को मिली है। वहीं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एनर्जी, ऑटो और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरकर बंद हुआ है। स्मॉल कैप और मिडकैप स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। निफ्टी के 50 शेयरों में 28 शेयर तेजी के साथ तो 22 गिरकर बंद हुए। जबकि सेंसेक्स में 16 शेयर तेजी के साथ तो 14 नीचे गिरकर बंद हुए। आज बाजार में रिलायंस का शेयर 1.54 फीसदी, सन फार्मा 1.15 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.96 फीसदी, एसबीआई 0.87 फीसदी, कोटक महिंद्रा 0.80 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.71 फीसदी, इंफोसिस 0.61 फीसदी एचयूएल 0.46 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। आज के कारोबार में पावर ग्रिड 1.10 फीसदी, महिंद्रा एंद महिंद्रा 0.93 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.90 फीसदी, एनटीपीसी 0.87 फीसदी, बजाज फाइनैंस 0.81 फीसदी। लार्सन 0.44 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। भारतीय शेयर बाजार भले ही तेजी के साथ बंद हुआ हो लेकिन स्मॉल कैप और मिड कैप स्टॉक्स में गिरावट के चलते निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 253.51 लाख करोड़ रुपये रहा है जबकि शुक्रवार को 254.53 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेडिंग सत्र में निवेशकों को 1.02 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

# अगले सप्ताह आरबीआई की अहम बैठक, अब कितना महंगा हो सकता है ब्याज

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। गिने-चुने दिनों के बाद नया वित्त वर्ष शुरू होने वाला है और नए वित्त वर्ष के पहले सप्ताह में रिजर्व बैंक की एक अहम बैठक होने वाली है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ब्याज दरों पर फैसला लेने के लिए यह बैठक ऐसे समय कर रही है, जब तमाम सेंट्रल बैंक्स चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अमेरिका के फेडरल रिजर्व समेत कई सेंट्रल बैंक्स ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं, जबकि घरेलू मोर्चे पर महंगाई की चुनौती है। ऐसे में ज्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि रिजर्व बैंक अगली बैठक में रेपो रेट को 25 बेसिस प्वाइंट यानी 0.25 फीसदी बढ़ाने का फैसला कर सकता है।

**अगले सप्ताह होगी बैठक**

रिजर्व बैंक की वित्त वर्ष 2023-24 की पहली एमपीसी बैठक 03 अप्रैल से शुरू हो रही है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ब्याज दरों पर फैसला लेने के लिए हर दो महीने में बैठक करती है। इस बैठक के नतीजे 06 अप्रैल को सामने आएंगे। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब खुदरा महंगाई की दर अभी भी रिजर्व बैंक के 06 फीसदी के दायरे से ऊपर है। रिजर्व बैंक ब्याज दरों पर निर्णय लेते समय खुदरा महंगाई को सबसे ज्यादा ध्यान में रखता है। इसके अलावा भी कुछ घरेलू व बाहरी फैक्टर सेंट्रल बैंक के निर्णयों को प्रभावित करते हैं।

**इन फैक्टर्स का होगा असर**

अगली मॉनिटरी पॉलिसी बैठक में नीतिगत दरों पर फैसला करते वक्त कमेटी दो अहम पहलुओं पर गौर करेगी। इनमें उच्च महंगाई दर और हाल के समय में विभिन्न केंद्रीय बैंकों खासकर यूएस फेडरल रिजर्व, यूरोपियन सेंट्रल बैंक और बैंक ऑफ इंग्लैंड की ओर से उठाए गए कदम शामिल हैं।

**महंगाई बढ़ा रही है चिंता**

महंगाई को काबू करने के लिए रिजर्व बैंक मई 2022 से लगातार नीतिगत दरों में वृद्धि कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद ग्लोबल सप्लाई चेन में आए व्यवधान जैसे बाहरी कारकों को महंगाई बढ़ने की वजह माना जा रहा है। नवंबर और दिसंबर 2022 में 6 फीसदी से नीचे रहने वाली खुदरा महंगाई एक बार फिर रिजर्व बैंक के 6 फीसदी के टारगेट से ऊपर निकल गई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति जनवरी महीने में 6.52 फीसदी, जबकि फरवरी महीने में 6.44 फीसदी पर पहुंच गई थी।

**अभी इतनी है रेपो रेट**

फरवरी में हुई एमपीसी बैठक में रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों यानी रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की थी। इससे रेपो रेट बढ़कर 6.50 फीसदी पर पहुंच गई। मई 2022 से लेकर अब तक दरों में 2.50 फीसदी की वृद्धि की गई है।

**बदल सकता है आरबीआई का रुख**

बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनवीस का मानना है, पिछले दो महीनों में खुदरा महंगाई दर 6.5 फीसदी और 6.4 फीसदी रही है।

नकदी की उपलब्धता अब लगभग तटस्थ है। हम ऐसी उम्मीद कर सकते हैं कि रिजर्व बैंक ब्याज दरों में एक बार फिर से 25 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि कर सकता है। साथ ही यह संकेत देने के लिए ब्याज दरों में तेजी का दौर खत्म हो चुका है, वह अपने रुख को बदलकर न्यूट्रल (तटस्थ) कर सकता है।

**आखिरी बार दरें बढ़ने का अनुमान**

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के चीफ इकोनॉमिस्ट डी.के। पंत भी नीतिगत दर में 25 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की उम्मीद जता रहे हैं। उनका मानना है कि मौद्रिक नीति को सख्त करने के क्रम में ब्याज दरों में यह आखिरी वृद्धि हो सकती है। पंत ने कहा कि नीतिगत दरों में पहले की गई बढ़ोतरी, वैश्विक स्तर पर कमोडिटी की कीमतों में नरमी और बेस इफैक्ट के कारण यहां से महंगाई में गिरावट दिख रही है।

**ऐसी हो सकती है एमपीसी की राय**

वहीं पीडब्ल्यूसी इंडिया के पार्टनर (आर्थिक सलाहकार सेवाएं) राणेन बनर्जी का कहना है कि आपूर्ति से जुड़ी बाधाओं की वजह से भारत में मुद्रास्फीति अधिक है। जैसा कि पिछली मौद्रिक समिति की बैठक में दो सदस्यों ने ब्याज दरों में वृद्धि का विरोध किया था। संभवतः इस बार अधिकांश सदस्य ब्याज दरों में वृद्धि रोकने के पक्ष में वोट कर सकते हैं।

## एस एंड पी ने जताया भरोसा, साल 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी का अनुमान 6 फीसदी पर बरकरार रखा

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक अप्रैल से शुरू हो रहे अगले वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमान को छह फीसदी पर बरकरार रखा है। एजेंसी ने इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 में बढ़कर 6.9 फीसदी पर पहुंचने की उम्मीद भी जताई।एशिया-प्रशांत के लिए त्रैमासिक आर्थिक जानकारी को अपडेट करते हुए एसएंडपी ने कहा कि मुद्रास्फीति दर चालू वित्त की 6.8 फीसदी से नरम होकर 2023-24 में पांच फीसदी पर होगी। वहीं, भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष (2022-23) में सात फीसदी की दर से बढ़ेगा लेकिन 2023-24 में यह कम होकर छह फीसदी पर आ जाएगा एसएंडपी की रिपोर्ट में कहा गया, 2024-2026 में भारत की औसत वृद्धि दर सात फीसदी होगी। इसके बाद, 2024-25 और 2025-26 में जीडीपी के 6.9 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है, 2026-27 के लिए यह 7.1 फीसदी होगी।रेटिंग एजेंसी ने कहा, भारत में अर्थव्यवस्था को परंपरागत रूप से घरेलू मांग प्रभावित करती रही है। हालांकि बाद में यह वैश्विक चक्र के प्रति अधिक संवदेनशील हो गई, जिसकी एक वजह कमोडिटी के निर्यात में बढ़ोतरी है। अक्टूबर-दिसंबर 2022 में जीडीपी वृद्धि सालाना आधार पर धीमी पड़कर 4.4 फीसदी पर आ गई।

# सन फार्मा ने कंपनी के कंप्यूटरों से डेटा चोरी की जानकारी दी

## शेयरों की कीमतों पर पड़ा अच्छा असर

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई की दवा कंपनी सन फार्मा ने रविवार को कहा कि एक रैनसमवेयर समूह ने दो मार्च को हुए कंपनी के कंप्यूटरों में हुई डेटा चोरी की जिम्मेदारी ली है। उस समय कंपनी ने बताया था कि उसकी प्रभावित परिसंपत्तियों को अलग-थलग कर दिया गया है। 25 दिन बाद सन फार्मा ने बताया है कि एक रैंसमवेयर समूह ने सूचना उल्लंघन की जिम्मेदारी ली है। सन फार्मा ने कहा कि आईटी सिस्टम पर हमला करते हुए हैकरों ने कुछ फाइल सिस्टम का उल्लंघन किया और व्यक्तिगत डेटा की चोरी की है। सन फार्मा ने एक बयान में कहा, कंपनी ने आईटी सुरक्षा पर हमले की इस घटना के प्रभाव को रोकने और

सुधारने के लिए तुरंत कदम उठाए। खतरे को कम करने के लिए रोकथाम और उन्मूलन प्रोटोकॉल को नियोजित किया गया। कंपनी ने अपने सिस्टम के बुनियादी ढांचे और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अतिरिक्त उपाय किए हैं। अपनी रोकथाम रणनीति के हिस्से के रूप में कंपनी ने अपने नेटवर्क को अलग करते हुए एक वसूली प्रक्रिया शुरू की। इसके परिणामस्वरूप कंपनी के व्यावसायिक संचालन प्रभावित हुए। सन फार्मा ने यह भी कहा है कि इसके परिणामस्वरूप राजस्व में गिरावट आने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि वह वर्तमान में घटना के अन्य संभावित प्रतिकूल प्रभावों का अंदाजा लगाने में असमर्थ है। इसमें सुरक्षा से जुड़ी अन्य घटनाएं और मुकदमेबाजी की आशंका शामिल है।

**डेटा चोरी की खबर के बावजूद कंपनी के शेयरों में दिखी मजबूती**

हालांकि डेटा चोरी की शिकायत के बावजूद सोमवार को शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों में मजबूती दिखी। सोमवार को सन फार्मा के शेयर 17.15 रुपये प्रति शेयर की बढ़त के साथ 990.30 रुपये के भाव पर कारोबार करते दिखे।

# 'गायब' होने के तीन साल बाद फिर चीन में दिखे अलीबाबा के संस्थापक, जानें कहां थे दिग्गज कारोबारी

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। अलीबाबा के संस्थापक जैक मा, जो पिछले तीन वर्षों में शायद ही कभी सार्वजनिक रूप से देखे गए है, हांग्जो के एक स्कूल में फिर से नजर आए हैं। 58 वर्षीय जैक मा ने 2020 में चीन के वित्तीय नियामकों की आलोचना की थी। उसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि वे 'गायब' हो गए हैं। सार्वजनिक रूप से उनका दिखना लगभग बंद हो गया था।टेक उद्यमियों पर कार्रवाई के बाद गायब होने वाले मा सबसे हाई-प्रोफाइल चीनी अरबपति थे। चीन की मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जैक मा विदेश में एक साल से अधिक का समय बिताने के बाद चीन वापस लौटे हैं।अलीबाबा के स्वामित्व वाले एक अखबार ने कहा कि जैक मा कुछ समय के लिए हांगकांग में रुके थे, जहां उन्होंने दोस्तों से मुलाकात की और एक अंतरराष्ट्रीय कला मेले आर्ट बेसल का भी संक्षिप्त दौरा किया। इसमें कहा गया है कि मा कृषि प्रौद्योगिकी के बारे

में जानने के लिए विभिन्न देशों की यात्रा कर रहे हैं। हालांकि अखबार ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का कोई जिक्र नहीं किया कि मा हाल के वर्षों में सार्वजनिक रूप से क्यों नहीं दिखे। कभी चीन के सबसे अमीर व्यक्ति रहे मा ने इस साल जनवरी में वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी एंट ग्रुप का नियंत्रण छोड़ दिया था। कुछ टिप्पणीकारों की ओर से इसे बात के तौर पर सबूत के रूप में देखा गया कि मा के मुखर और बहुत शक्तिशाली होने के कारण वे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के निशाने पर आ गए थे।अक्टूबर 2020 में मा ने एक वित्तीय सम्मेलन में कहा था कि पारंपरिक बैंकों में पॉन शॉप मेंटालिटी (सरकार का मोहरा बनने की मानसिकता) है। अगले महीने एंट 26 बिलियन येन मूल्य का आईपीओ लाने की योजना जो दुनिया की सबसे बड़ी आईपीओ होती को चीनी अधिकारियों ने अंतिम समय में रद्द कर दिया गया था।

# दिवालिया हो चुके सिलिकॉन वैली बैंक के ग्राहकों को बड़ी राहत

## इस बैंक ने ली सभी जमा-ऋणों की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। एफडीआईसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सिलिकॉन वैली ब्रिज बैंक की 17 पूर्व शाखाएं 27 मार्च 2023 (सोमवार) को फर्स्ट-सिटीजन बैंक के रूप में खुलेंगी। नियामक (फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि फर्स्ट सिटिजन बैंक एंड ट्रस्ट कंपनी फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एफडीआईसी) से सिलिकॉन वैली बैंक की सभी जमा और ऋण खरीदेगी।एफडीआईसी ने कहा कि उसने फर्स्ट-सिटीजंस बैंक एंड ट्रस्ट कंपनी, रैले, उत्तरी कैरोलिना की ओर से सिलिकॉन वैली ब्रिज बैंक, नेशनल एसोसिएशन के सभी जमा और ऋणों की खरीदारी का समझौता किया है।

**एसवीबी की 17 शाखाएं अब फर्स्ट सिटीजन बैंक के रूप में खुलेंगी**

एफडीआईसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ₹सिलिकॉन वैली ब्रिज बैंक नेशनल एसोसिएशन की 17 पूर्व शाखाएं सोमवार 27 मार्च 2023 को फर्स्ट-सिटीजंस बैंक एंड ट्रस्ट कंपनी के रूप में खुलेंगी। एसवीबी ग्राहकों को अपनी वर्तमान शाखा का उपयोग तब तक जारी रखना चाहिए जब तक कि उन्हें फर्स्ट सिटीजंस बैंक से नोटिस नहीं मिलता कि सिस्टम रूपांतरण पूरा हो गया है ताकि इसके सभी अन्य शाखाओं पर पूर्ण बैंकिंग सेवा की अनुमति मिल सके।नियामक ने कहा कि एसवीबी के जमाकर्ता स्वतः ही फर्स्ट सिटीजंस बैंक के जमाकर्ता बन जाएंगे और बैंक की ओर से ग्रहण की गई सभी जमाओं का बीमा एफडीआईसी की ओर से जारी रहेगा। 10 मार्च तक एसवीबी के पास कुल संपत्ति के रूप में लगभग 167 बिलियन डॉलर और कुल जमा में लगभग 119 बिलियन डॉलर थे। एफडीआईसी के अनुसार, आज के लेनदेन में सिलिकॉन वैली ब्रिज बैंक की लगभग 72 बिलियन डॉलर की खरीद शामिल थी इसमें नेशनल एसोसिएशन 16.5 बिलियन डॉलर की छूट भी शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'करीब 90 अरब डॉलर की प्रतिभूतियां और अन्य परिसंपत्तियां एफडीआईसी के निपटान के लिए रिसीवरशिप में बनी रहेंगी। इसके अलावा, एफडीआईसी को नॉर्थ कैरोलिना के रालेघ स्थित फर्स्ट सिटिजंस बैंक के इक्विटी शेयर मिले जिसका संभावित मूलय 500 मिलियन डॉलर के करीब है।

# आईएमएफ चीफ ने जताई चिंता, कहा-बैंकिंग उथलपुथल से वैश्विक आर्थिक स्थिरता खतरे में आई

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने चेतावनी दी है कि बैंकिंग क्षेत्र में उथल-पुथल के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था में वित्तीय स्थिरता का खतरा मंडरा रहा है। क्रिस्टलीना जॉर्जीवा ने कहा कि बढ़ती ब्याज दरों ने कर्ज पर दबाव डाला है, जिससे उधार देने वाले सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में तनाव पैदा हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व अर्थव्यवस्था में केवल 3 फीसदी का विस्तार होगा। बढ़ती ऋण लागत, यूक्रेन में युद्ध और कोविड महामारी ने अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है। आईएमएफ प्रमुख ने कहा कि यह स्पष्ट है कि सिलिकॉन वैली बैंक के पतन और यूबीएस द्वारा क्रेडिट सुइस को खरीदने के बाद वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम और बढ़ गया है।जब यूरोपीय बाजार आज सोमवार को फिर से खुलें हैं तो निवेशकों की डॉएश बैंक के शेयरों पर नजर बनी हुई है। यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने कहा कि हाल ही में बैंकिंग में उथल-पुथल का व्यापार और विकास पर वास्तविक प्रभाव पड़ेगा।

ईसीबी के उपाध्यक्ष लुइस डी गुइंडोस ने बिजनेस पोस्ट के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि यूरोपीय यूनियन के केंद्रीय बैंक को डर है कि बैंकिंग क्षेत्र में समस्याएं ग्रोथ को कम करेगी और महंगाई दर को बढ़ा देगी। हालांकि अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक को लेकर आज एक खबर आई है और वित्तीय संकटों से घिरे हुए इस बैंक के निवेशकों के लिए अच्छा संकेत है। आज इस सिलिकॉन वैली बैंक को फर्स्ट सिटीजन बैंक ने खरीद लिया है। बैंक को आर्थिक संकट से निकालने के लिए फर्स्ट सिटीजन बैंकशेयर इंक ने इसे फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन से खरीद लिया है।

# सोने में बड़ी गिरावट: फिसलकर 59 हजार पर आया, जानें कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। आज यानी सोमवार (27 मार्च) को सोने की कीमत में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 650 रुपए कमजोर होकर 59,003 रुपए बिक रहा है। इसी महीने 20 मार्च को सोना अपने ऑल टाइम हाई पर था। तब इसकी कीमत 59 हजार 671 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

**69 हजार के ऊपर बनी हुई है चांदी**

अगर चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में आज मामूली गिरावट देखने को मिली है। सर्राफा बाजार में ये 176 रुपए सस्ती होकर 69,580 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। 24 मार्च को ये 69,756 हजार पर थी। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में इसमें तेजी देखने को मिल सकती है, और अगले एक महीने में चांदी 73 हजार तक पहुंच सकती है।

**65 हजार तक जा सकता है सोना**

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से

शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एजेड 4524। इस नंबर के जरिए ये पता करना संभव होगा कि कोई सोना कितने कैरेट का है। देशभर में सोने पर ट्रेड मार्क देने के लिए 940 सेंटर बनाए गए हैं। अब चार डिजिट वाली हॉलमार्किंग पूरी तरह बंद हो जाएगी।

## दैनिक पंचांग

### ग्रह गोचर

| ग्रह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य- | मीन | में | मीन... | 05-36 बजे |
| चंद्र- | मिथुन | में | मेष... | 07-12 बजे |
| मंगल | मिथुन | में | वृष... | 08-57 बजे |
| बुध- | मीन | पें | मिथुन.. | 10-59 बजे |
| गुरु- | मीन | में | कर्क... | 13-09 बजे |
| शुक्र- | मेष | में | सिंह... | 15-22 बजे |
| शनि- | कुंभ | में | कन्या.. | 17-29 बजे |
| राहु- | मेष | में | तुला | 19-34 बजे |
| केतु- | तुला | में | वृश्चिक. | 21-43 बजे |
| | | | धनु..... | 23-57 बजे |
| | | | मकर.. | 02-04 बजे |
| | | | कुंभ... | 03-54 बजे |

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - **19 -02** उपरान्त अष्टमी
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , मंगलवार **Mar 28**
नक्षत्र - मृगशिरा - **17 -31** तक उपरान्त आर्द्रा
योग - सौभाग्य - **23 - 34** - तक उप - शोभन
करण- वणिज - **19 - 02** - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - मां कात्यायनी पूजा

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल**
**15:24** से
**16:56** तक

### श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| रोग. | 06:17 - 07:47 अशुभ | काल. | 18:25 - 19:56 अशुभ |
| उत्पात | 07:47 - 09:18 अशुभ | लाभ. | 19:56 - 21:24 शुभ |
| चंचल | 09:18 - 10:50 शुभ | उत्पात | 21:24 - 22:53 अशुभ |
| लाभ | 10:50 - 12:21 शुभ | शुभ | 22:53 - 00:21 शुभ |
| अमृत | 12:21 - 13:53 शुभ | अमृत | 00:21 - 01:49 शुभ |
| काल. | 13:53 - 15:24 अशुभ | चंचल | 01:49 - 03:18 शुभ |
| शुभ. | 15:24 - 16:56 शुभ | रोग | 03:18 - 04:46 अशुभ |
| रोग | 16:56 - 18:25 अशुभ | काल. | 04:46 - 06:17 अशुभ |

### आपका राशिफल

**मेष** — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

मौज-मस्ती की यात्राएँ और सामाजिक मेलजोल आपको तनावमुक्त और ख़ुश रखेंगे। आज आप एक सकारात्मक आभा बिखेरेंगे और अच्छे मन की स्थिति के साथ घर से बाहर निकलेंगे, लेकिन आपका कोई कीमती सामान लुट जाने से आपका मूड खराब हो सकता है। रिश्तेदार आपका दुख बांटेंगे।

**वृष** — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अपने दिमाग को परेशान करने वाली समस्याओं को सुलझाने के लिए आपको अपनी बुद्धिमत्ता, चतुराई और कूटनीति से काम लेने की जरूरत है। दिन की शुरुआत में आपको कोई आर्थिक नुकसान हो सकता है जिससे पूरा दिन खराब हो सकता है। अपनी पत्नी का काम का बोझ कम करने के लिए घरेलू कामों में उनकी मदद करें।

**मिथुन** — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आपकी झुंझलाहट आपकी सेहत बिगाड़ सकती है- अगर आप बीती घटनाओं के बारे में सोचते रहेंगे- तो जितना हो सके आराम करने की कोशिश करें। जिन लोगों ने किसी से पैसा उधार लिया है उन्हें किसी भी परिस्थिति में कर्ज चुकाना पड़ सकता है। ऐसे में यह आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकता है।

**कर्क** — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपको अपनी टेंशन से मुक्ति मिल सकती है। आज बिना किसी पूर्व सूचना के आपके कर्जदार का पैसा आपके खाते में आ जाएगा, जो आपको हैरान भी कर सकता है और खुश भी कर सकता है। आपका तल्ख़ बर्ताव आपके भाई का मूड ख़राब कर सकता है।

**सिंह** — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

प्रकृति ने आपको अद्भुत आत्मविश्वास और बुद्धिमत्ता प्रदान की है- इसलिए इसका सर्वोत्तम उपयोग करें। पैसों के लेन-देन पूरे दिन लगातार होते रहेंगे और दिन के ख़त्म होने के बाद आप पर्याप्त बचत कर पाएंगे। प्रेम-साथी और जुड़ाव बढ़ेगा। दोस्ती के गहराते ही रोमांस आपके रास्ते में आ जाता है।

**कन्या** — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

ओवरस्ट्रेन से बचें क्योंकि इससे केवल तनाव और थकावट ही होगी। जिन लोगों ने बिना सोचे समझे कहीं निवेश किया था उन्हें आज अपनी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है, क्योंकि वह पैसा डूब सकता है। पड़ोसी से झगड़ा आपका मूड खराब कर सकता है।

**तुला** — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद स्वास्थ्य ठीक रहेगा। पैसों को बचाने के आपके प्रयास आज विफल हो सकते हैं। हालांकि आपको इससे घबराने की जरूरत नहीं है, स्थिति में जल्द ही सुधार होगा। घरेलू कामकाज आपको ज्यादातर समय व्यस्त रखता है। सगाई करने वालों को अपनी मंगेतर बड़ी खुशी का स्रोत मिलेगी।

**वृश्चिक** — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

हृदय रोगियों के लिए कॉफी छोड़ने का यह सही समय है। कोई और प्रयोग आपके दिल पर अनावश्यक दबाव डालेगा। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको पैसे बचाने के महत्व पर लेक्चर दे सकता है। आपको उनकी बातों को बहुत ही ध्यान से सुनने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

**धनु** — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

अपने स्वास्थ्य के बारे में चिंता न करें क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। बिना किसी से सलाह लिए आज आपको अपना धन निवेश नहीं करना चाहिए। छोटा भाई या बहन आपसे सलाह ले सकते हैं। आज रोमांस की कोई उम्मीद नहीं है। आज के दिन आपको अपने किए हुए काम के लिए पहचान मिलेगी।

**मकर** — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

तनाव के कारण छोटी मोटी बीमारी हो सकती है। बेवजह के खर्चे आज आपकी आर्थिक स्थिति को खराब कर सकते हैं। जितना हो सके कम खर्च करें और केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें जो जरूरी हैं। बेवजह दूसरों में कमियां निकालना आपके रिश्तेदारों की आलोचना का विषय बन सकता है।

**कुंभ** — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

मानसिक शांति के लिए अपने तनाव को दूर करें। जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टे या जुए में लगाया था उन्हें आज नुकसान हो सकता है। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि सट्टेबाजी से दूर रहें। युवाओं को शामिल करने वाली गतिविधियों में शामिल होने का अच्छा समय है। रोमांस आपके दिल और दिमाग पर राज करता है।

**मीन** — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए गंभीर प्रयास करें। पैसों से जुड़ी समस्याओं को लेकर आज आप कुछ चिंतित रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने विश्वस्त विश्वासपात्र से सलाह लेनी चाहिए। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

# अतीक के खिलाफ 18 साल से डटे हैं रुखसाना-सादिक

## राजू पाल मर्डर के चश्मदीद गवाह, उमेश पाल के मर्डर के बाद डर में

प्रयागराज, 27 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'हमारे स्कूटर में पेट्रोल खत्म हो गया था। इतने में राजू पाल भैया ने देखा और गाड़ी रोक ली, कहा- भाभी, हमारी गाड़ी में बैठ जाओ। वे मेरे पति के दोस्त थे। मैं गाड़ी में आगे की सीट पर बैठी थी, राजू भाई खुद गाड़ी चला रहे थे। थोड़ा आगे गए ही थे कि सामने से गोलियां चलने लगीं। राजू भैया को कई गोलियां लगीं, कार में पीछे बैठे लोगों को भी गोली लगीं। मैं चिल्ला रही थी, तभी एक के बाद एक दो गोलियां मुझे भी आ लगीं। उसके बाद क्या हुआ, याद नहीं, अस्पताल में आंख खुली।'

ये बातें रुखसाना की हैं। इनके पति हैं सादिक। दोनों 18 साल से राजू पाल हत्याकांड में बाहुबली अतीक अहमद के खिलाफ गवाह हैं। 25 जनवरी 2005 को इलाहाबाद वेस्ट सीट से बीएसपी के विधायक राजू पाल की हत्या कर दी गई थी। रुखसाना ने राजू पाल को मरते, सबसे करीब से देखा था। वे इस हत्याकांड की चश्मदीद गवाह हैं। हत्या का आरोप अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ समेत कुल 9 लोगों पर है। मामला लखनऊ की सीबीआई कोर्ट में चल रहा है। रुखसाना और सादिक ने अतीक के खिलाफ गवाही दी, तो गैंग दुश्मन बन गया। कई दफा धमकियां मिलीं, हमले हुए, घर बेचने पड़े, डरकर जिंदगी जी रहे, पर पीछे नहीं हटे। आज भी हर तारीख पर अतीक के खिलाफ गवाही देने जाते हैं। इस मामले के दो और गवाह ओमप्रकाश और उमेश पाल थे। इस साल 24 फरवरी को उमेश पाल की हत्या कर दी गई। बचे ओमप्रकाश।

**18 साल बाद भी सदमे से उबर नहीं पाईं रुखसाना**

मोहम्मद सादिक और रुखसाना को ढूंढना बेहद मुश्किल है। काफी पता करने पर सादिक का नंबर मिला। सादिक से बात हुई, तो उन्होंने कहा- 'हमें हाइलाइट मत कीजिए। जब उमेश पाल जैसा रुतबे वाला आदमी नहीं बच सका, तो हम लोगों के पास तो कोई सिक्योरिटी भी नहीं है। हम कैसे बचेंगे?' मैंने सुरक्षा का भरोसा दिया तो वे आमने-सामने बातचीत के लिए तैयार हुए। उन्होंने मुझे करेला बाग इलाके में मिलने बुलाया। प्रयागराज के सिविल लाइन एरिया से ये जगह करीब 7 किमी दूर है।

गलियों से होते हुए वे अपने घर तक ले गए। (सुरक्षा की वजह से घर की लोकेशन नहीं बता रहे हैं) इस घर में मोहम्मद सादिक पत्नी रुखसाना और बेटे के साथ रहते हैं। सादिक कहते हैं, 'यहां भी हम लोग सेफ नहीं हैं। यहां भी हम पर हमले हो चुके हैं।'

सादिक से बात हो ही रही थी कि अंदर से रुखसाना आ गईं। वे कहने लगीं, 'ये 25 जनवरी की बात है। मैं पति के साथ मेरी बहन के घर जा रही थी। चौफटका पुल पार करते ही इनके स्कूटर में पेट्रोल खत्म हो गया, राजू पाल भैया ने मुझे गाड़ी में बैठा लिया था। पति पेट्रोल डलवाने चले गए। गाड़ी कर्बला की ओर बढ़ रही थी। थोड़ी दूर ही गए होंगे कि हमला हो गया। राजू पाल को कई

गोलियां लगीं। उनकी वहीं मौत हो गई।' 18 साल हो गए, लेकिन एक भी दिन सुकून से नहीं बिता पाई। पति, बेटे सब दिनभर बाहर ही रहते हैं। मन में डर रहता है कि कुछ हो न जाए। कुछ दिन पहले ही हम लोग बाहर बैठे थे। तभी अतीक के गुर्गे आए और हथियार दिखाकर धमकाने लगे। कहने लगे कि गवाही देने नहीं जाना। मेरे बेटे ने हवाई फायर किया, तब वे लोग भाग गए। मेरा एक बेटा बाहर नौकरी करता है। बड़ा बेटा यहीं है। पति खेती करते हैं। इस तरह हम लोगों का घर चलता है, लेकिन हम लोग सुकून से नहीं रह पाते। मेरे पति से राजू पाल की दोस्ती थी। उसी दोस्ती की खातिर जिंदगी भर का डर हमने ले रखा है। पति से कहो, तो कहते हैं कि अब इतना आगे आ गए हैं, पीछे नहीं जाएंगे।'

रुखसाना बताती हैं, 'अतीक और अशरफ जेल से ही साजिशें करते हैं। हमें परेशान करने के लिए मेरे पति और मायके वालों के खिलाफ मुकदमे लिखवा दिए। उसकी सुनवाई ही नहीं हो रही है। पुलिस भी जानती है कि ये मुकदमे गलत हैं। फिर भी कोई राहत नहीं है। कमाई का एक हिस्सा तो इन्हीं मामलों में चला जाता है।'

रुखसाना की बात खत्म होते ही उनके पति मोहम्मद सादिक बताते हैं, 25 जनवरी 2005 को मेरी पत्नी राजू पाल के साथ गाड़ी में थी। स्कूटर में पेट्रोल डलवाकर मैं भी उसी रास्ते पर उनके पीछे चल दिया। थोड़ी दूर पहुंचा तो देखा वहां लोग भाग रहे हैं। एक गाड़ी डिवाइडर से भिड़ी हुई थी। राजू पाल की गाड़ी एक दुकान के सामने खड़ी थी। वहां राजू पाल नहीं था।' 'मैंने रुखसाना को देखा, उसकी आंखें बंद थीं। मैंने एक टेम्पो रोका और उसे हॉस्पिटल ले गया। राजू के बारे में कोई नहीं बता रहा था। लोग बात तो कर रहे थे कि बचना मुश्किल है, लेकिन पता कुछ नहीं था। आखिर में वही हुआ, जिसका अंदेशा था। राजू पाल को नहीं बचा पाए।'

'मेरी फिक्र पत्नी को लेकर भी थी। वह दो महीने हॉस्पिटल में रही। लाखों रुपए खर्च हो गए। किसी तरह से जान बची। इसके बाद केस शुरू हुआ, तो रुखसाना चश्मदीद गवाह बनी। मैं भी केस में गवाह बना। हमारे साथ-साथ उमेश पाल और कई और लोग भी गवाह बने। रुखसाना की गवाही सबसे ज्यादा जरूरी रही। अतीक इसीलिए हमारे परिवार के पीछे पड़ा रहता है। इस केस में हम उसके लिए सबसे बड़ा रोड़ा रहे हैं।' मोहम्मद सादिक कहते हैं, '18 साल में हमारे परिवार ने जो झेला, शायद इस केस से जुड़े किसी शख्स ने नहीं झेला हो। कर्बला में हमारे दो मकान थे। केस शुरू हुआ तो अतीक ने हमें अलग-अलग तरीके से परेशान करना शुरू कर दिया। केस पर बहुत खर्च होने लगा। इस इलाके में डर भी लगने लगा था। हम मकान बेचकर वहां से थोड़ा दूर रहने लगे।'

'हम खेती-किसानी वाले लोग हैं, राजनीति से दूर रहते थे, पर अब हम फंस चुके थे। अगर गवाही न देते तो दोस्त से गद्दारी होती और गवाही देते हैं तो जान खतरे में डालते। हमने दूसरा रास्ता चुना, लेकिन इसकी कीमत भी चुका रहे हैं।'

सादिक बताते हैं, 'अतीक की पकड़ प्रयागराज के एडमिनिस्ट्रेशन में अंदर तक है। उसने हमें डराने के लिए मुझ पर 18 साल में 10 से ज्यादा केस करवा दिए। इसमें गुंडा एक्ट और हत्या तक का मुकदमा शामिल है। पुलिसवाले भी जानते हैं कि सभी मुकदमे फर्जी हैं। हत्या का मुकदमा जिसने लिखाया, उसने हमसे कहा भी कि अतीक का प्रेशर है। आप गवाही मत दो, तो मैं आज लिखकर दे दूं।' 'उस मामले में अतीक का गुर्गा मुबारक लगा हुआ है। मुबारक भी हिस्ट्रीशीटर है। मेरी जिंदगी तो गुजर बसर हो गई, लेकिन मेरे बच्चे हैं, उनके परिवार हैं। अब उनकी चिंता लगी रहती है। हत्या के मामले में मैं, मेरे बेटे और मेरे ससुराल वालों पर मामला दर्ज है। मुझे इसी की चिंता होती है।'

सादिक आगे कहते हैं, 'अतीक का कितना खौफ है, वह कितना बड़ा माफिया है, यह पूरा प्रदेश जानता है। वह गवाहों को डराता है। झूठे केस कराता है। अगर उसकी शरण में चले गए, तो फिर कार्रवाई बंद हो जाती है। जो बात नहीं मानता, उसका हाल उमेश पाल या राजू पाल की तरह होता है।'

मैं जब रुखसाना और सादिक से मिला, तब तक उन्हें पुलिस प्रोटेक्शन नहीं मिली थी। 21 मार्च को दोनों की सुरक्षा के लिए एक-एक गनर तैनात किया गया है। रुखसाना और सादिक अतीक के खौफ से परेशान जरूर हैं, लेकिन उनके चेहरे पर अब डर नहीं दिखता।

सादिक के घर से करीब 50 किमी दूर राजू पाल मर्डर केस के एक और गवाह ओमप्रकाश पाल का घर है। वे कौशांबी के सराय अकील थाने में आने वाले चकपिन्हा गांव में रहते हैं। घर के सामने ही मेरी मुलाकात ओम प्रकाश से हुई। ओम प्रकाश राजू पाल के दूर के रिश्तेदार लगते हैं। वे ड्राइवरी का काम करते हैं। वे कहते हैं, 'राजू पाल चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने मुझे बुलाया था। पूरे इलेक्शन में मैंने उनकी गाड़ियां चलाईं। इलेक्शन खत्म होने के बाद मैं वापस आने लगा, तो बोले कि वहां जाकर भी ड्राइवरी करनी है। वही काम यहां भी करना है, तो यहीं करो। मुझे कुछ अपने लोगों की जरूरत है। उनके कहने पर मैं रुक गया।' '25 जनवरी को मैं राजू पाल के साथ था। उनकी गाड़ी आगे थी, मैं पीछे वाली गाड़ी चला रहा था। हमला हुआ, तो मुझे भी गोली लगी थी। ऊपर वाले का शुक्र था कि मैं बच गया। इसके बाद केस चलने लगा। कई साल हो गए, अतीक के खौफ की वजह से केस आगे ही नहीं बढ़ रहा था।'

'राजू पाल के मर्डर के बाद मैं गांव लौट आया। परिवार का खर्च चलाने के लिए बस चलाने लगा। एक बार मैं काम से रामबाग गया था। तब सपा की सरकार थी। मुझे पुलिसवालों ने पकड़ लिया। मुझसे बोला गया कि आपका बयान होना है। मैं भी उनके साथ चल दिया।' 'पुलिस वाले मुझे प्रयागराज के चकिया वाले दफ्तर पर अतीक के सामने ले गए। वहां अतीक मौजूद था। पुलिस वालों के सामने ही मुझे मारा-पीटा गया। अतीक ने कहा कि मेरे पक्ष में बयान दे दो और आराम की जिंदगी जियो। इसके बाद मैं क्या करता? मैंने अतीक के पक्ष में गवाही दे दी। इसके बाद मुझे हिदायत दी गई कि किसी को बताया तो जान से जाओगे।'

'वहां से निकलकर मैं पहले अपने घर पहुंचा। फिर मन नहीं माना तो राजू पाल की पत्नी पूजा पाल को यह बात बताई। पूजा पाल की मदद से कीडगंज थाने में केस दर्ज कराया। उस मुकदमे में कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाद में राजू पाल का केस सीबीआई को ट्रांसफर हुआ, तो मेरा बयान दर्ज किया गया। तब मैंने सही बयान दर्ज कराया।'

ओमप्रकाश पाल कहते हैं, 'मैं शुरुआत से दिहाड़ी पर काम करने वाला आदमी हूं। आज भी वही करता हूं। उमेश पाल की हत्या हुई है, तब से घर में ही हूं, कहीं नहीं जाता। 2019 में गांव में ही मेरे ऊपर हमला हुआ था। ये हमला अतीक के शूटर अब्दुल कवि ने किया था।

'मैं खेत से लौट रहा था, तभी अब्दुल अपने आदमियों के साथ आया। मैंने उसे अशरफ के साथ देखा था। वह मुझ पर गवाही नहीं देने के लिए दबाव बनाने लगा। बातचीत के दौरान ही उसने गोली चला दी। मैं भाग कर एक गड्ढे में कूद गया। गोली की आवाज सुनकर गांव वाले आने लगे, तो वह भाग गया। इसका मुकदमा भी थाने में दर्ज कराया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब अपने परिवार के लिए डर रहा हूं।'

# कोरबा एनटीपीसी पावर प्लांट में हुआ हादसा

## 25 फीट उंचाई से गिरने से मजदूर की मौत पुलिस मामले की जांच करने में जुटी

कोरबा, 27 मार्च (एजेंसियां)। कोरबा के एनटीपीसी पावर प्लांट में हुए हादसे के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई। ग्राम केंदईखार निवासी 34 वर्षीय चमार सिंह कूलिंग टॉवर में काम कर रहा था। वहीं से गिरने के कारण उसकी मौत हुई। हादसे को लेकर एनटीपीसी प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। कहा जा रहा है कि सुरक्षा मानकों में अनदेखी के चलते यह दुर्घटना घटी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोरबा के एनटीपीसी पावर प्लांट में 25 फीट उंचे कूलिंग टॉवर से नीचे गिरने के कारण एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक का नाम चमार सिंह है और वो ग्राम केंदईखार का निवासी था। हादसा होने के बाद प्लांट में हड़कंप की स्थिती निर्मित हो गई और आनन-फानन में मजदूर को कोरबा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। इसके बाद उसकी लाश को एनटीपीसी के विभागीय अस्पताल लाया गया जहां पुलिस द्वारा मर्ग पंचनामा की कार्रवाई पूरी की गई। दर्री थाना प्रभारी विवेक शर्मा ने बताया, कि हादसा कैसे और किन परिस्थितियों में हुआ इसकी जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मौत की सूचना पर पुलिस ने पँचनमा कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया गया।

प्लांट के भीतर हुए हादसे में जिस तरह से एक मजदूर की मौत हुई है उससे सुरक्षा को लेकर एक बार फिर से सवाल उठने लगे हैं। कहा जा रहा है कि सुरक्षा मानको की अनदेखी करने के कारण यह दुर्घटना घटी है। चमार सिंह की मौत होने से पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के भाई ने बताया, कि उसके 6 बच्चे है, जिनके सिर से पिता का साया उठ गया है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच कर रही है।

# लकड़ी लेने गए तीन युवकों पर बाघ ने किया हमला

## 20 मिनट तक जंगल में हुआ संघर्ष, दो की मौत एक गंभीर

अंबिकापुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। अंबिकापुर में सूरजपुर जिले के ओड़गी ब्लाक अंतर्गत कालामांजन गांव में सोमवार की सुबह लकड़ी लेने जंगल गए तीन युवकों पर गांव की सीमा से लगे जंगल में बाघ ने हमला कर दिया। बाघ को देखकर तीनों युवकों ने करीब 20 मिनट तक बाघ से संघर्ष किया। बाघ ने तीनों युवकों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवकों का शोर सुनकर बड़ी संख्या में गांववाले हथियार एवं लाठियों से लैस होकर मौके पर पहुंचे तो बाघ एक किनारे जंगल में जाकर बैठ गया।

बाघ के हमले में गंभीर रूप से घायल दो युवकों की मौत हो गई। एक की अस्पताल लाते समय मौत हो गई जबकि दूसरे ने बाद में दम तोड़ दिया। एक अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। ऐहतियातन सूरजपुर डीईओ ने ओड़गी ब्लाक के स्कूलों की छुट्टी कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार ओड़गी ब्लाक के कालामांजन गांव निवासी तीन युवक समय लाल (33), कैलाश सिंह पिता दादू सिंह (35) एवं राय सिंह

पिता रुज बिहारी (27) वर्ष सोमवार की सुबह करीब 6.30 बजे लकड़ी लेने के लिए गांव से लगे जंगल में गए थे। गांव की सीमा से करीब तीन सौ मीटर दूर जंगल में पहले से मौजूद बाघ ने तीनों युवकों पर हमला बोल दिया। हमले के दौरान कैलाश एवं समयलाल आगे चल रहे थे। उनपर ही बाघ ने पहले हमला बोला। उनके पीछे आ रहे राय सिंह ने दोनों साथियों को बाघ के चंगुल में देखकर टांगी लेकर बाघ से भिड़ गया। अचानक रायसिंह द्वारा हमला कर दिए जाने से बाघ सहम गया और राय सिंह को पकड़ जबड़े से दबा लिया। इस दौरान मौका पाकर कैलाश व समय लाल ने टांगी से बाघ पर हमला कर दिया। करीब 20 मिनट तक तीनों युवक बाघ से जूझते रहे। बाघ ने तीनों युवकों को पंजा मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दौरान बाघ के जबड़े में युवकों ने टांगी से हमला कर दिया, जिससे बाघ भी घायल हो गया।

**ग्रामीणों के पहुंचने पर हटा बाघ**

युवकों का शोर सुनकर पास के गांववाले भागते हुए टांगी, लाठी एवं भाला लेकर मौके की ओर दौड़े। उनका शोर सुनकर अन्य गांववाले की मौके की ओर भागे। बड़ी संख्या में ग्रामीणों के शोर मचाते हुए मौके पर पहुंचने पर बाघ सहमकर पास ही बैठ गया। ग्रामीण खून से लथपथ तीनों युवकों को बोरों में उठाकर वाहन से ओड़गी अस्पताल पहुंचे।

बाघ के हमले में तीनों युवकों को गंभीर चोटें आई हैं। हमले में घायल समय लाल की अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। बाघ के हमले से उसका सिर फट गया था और खून ज्यादा बह गया। उसके पीठ, पेट, हाथ एवं पैरों में भी बाघ के पंजे मारे जाने से चोटें आई थीं। अन्य दो युवकों कैलाश एवं रूप साय के भी शरीर के कई हिस्सों में बाघ के पंजे एवं जबड़े से काटे जाने के कारण गंभीर चोटें आई। जिन्हें गंभीर हालत गंभीर हालत। दोनों को जिला अस्पताल रिफर किया गया। दूसरे घायल कैलाश ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया है।

घटनास्थल मां कुदरगढ़ी धाम से करीब तीन किलोमीटर दूर है। उत्तर छत्तीसगढ़ के सिद्ध शक्तिपीठ के रूप में विख्यात कुदरगढ़ धाम में नवरात्र के अवसर पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। वहीं ओड़गी के अधिकांश गांव जंगलों से लगे हुए हैं। ऐहतियातन सूरजपुर डीईओ ललित पटेल ने ओड़गी ब्लाक के स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी है। बताया गया है बाघ घायल होने के बाद ज्यादा आक्रामक हो गया है। गांववालों को जंगली क्षेत्र में न जाने की हिदायत दी गई है। सूरजपुर जिले में बाघ के विचरण की सूचनाएं कुछ दिनों से मिल रही थीं। एक माह पूर्व बाघ वाड्रफनगर क्षेत्र में पहुंच गया था और हाइवे के किनारे विचरण करते देखा गया था। बाघ के हमले में एक युवक की मौत एवं अन्य के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना पर सूरजपुर डीएफओ संजय यादव, एसडीएम भैयाथान सागर सिंह, एसडीओपी भैयाथान राजेश जोशी पुलिस एवं वन अमले के साथ मौके पर पहुंचे। गांव वालों ने बताया कि हमलावर बाघ अब भी मौके के पास ही डटा हुआ है। संभवतः बाघ घायल है और वह गुर्रा रहा है। ग्रामीणों को जंगल से दूर रहने कहा गया है। आसपास पुलिस एवं वन अमले को तैनात किया गया है।

## माओवादी आम लोगों को बना रहे निशाना

### आईईडी विस्फोट में बुजुर्ग महिला की मौत

पश्चिमी सिंहभूम, 27 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के चिरियाबेड़ा टोला के पास एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में एक महिला की मौत होने का मामला सामने आया है। साथ ही एक अन्य बुजुर्ग महिला घायल भी हो गई। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विस्फोट प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) द्वारा किया गया था।

जिले के एसपी आशुतोष शेखर ने इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मृतक गुरुबाड़ी तमसोय और चंदुकई तोमसोय दोनों अंजनबेड़ा गांव के चिरियाबेड़ा टोला की रहने वाली थीं। वे दोनों शनिवार शनिवार शाम पत्ते तोड़ने के लिए जंगल गए थे, तभी यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि घायल महिला चंदुकई का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मृतक गुरुबाड़ी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

# कांग्रेस ने बापू वाटिका में किया 'संकल्प सत्याग्रह'

## कहा- राहुल गांधी की मुखर आवाज से डरी भाजपा सरकार

रांची, 27 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस की झारखंड इकाई ने राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के विरोध में रविवार को यहां एक दिवसीय 'संकल्प सत्याग्रह' किया। रामेश्वर उरांव और बन्ना गुप्ता सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता रांची के मोरहाबादी मैदान में बापू वाटिका में एकत्र हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार अदाणी मुद्दे पर गांधी की मुखर आवाज से डरा हुआ है।

झारखंड कांग्रेस प्रमुख राजेश ठाकुर ने पत्रकारों से कहा, लोकसभा सचिवालय द्वारा राहुल को अयोग्य ठहराने में दिखाई गई जल्दबाजी दिखाती है कि केंद्र की भाजपा सरकार अदाणी मुद्दे पर उनकी मुखर आवाज से डरी हुई है। सूरत की एक अदालत ने हाल ही में राहुल गांधी को 2019 के

आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया और उन्हें दो साल की सजा सुनाई। हालांकि, उन्हें तुरंत की जमानत भी मिल गई। इसके एक दिन बाद ही शुक्रवार को उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया। यह अयोग्यता गांधी को आठ साल तक चुनाव लड़ने पर रोक देगी, जब तक कि ऊपरी अदालत उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक नहीं लगाती है। ठाकुर ने कहा, केंद्र ने राहुल गांधी की आवाज को चुप कराने का प्रयास किया है। लेकिन, वे गलत हैं। उनकी आवाज को दबाया नहीं जा सकता। हम सच्चाई और न्याय के लिए राज्य भर में ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक आंदोलन करेंगे। कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव दीपिका पांडे सिंह ने कहा, यह आम आदमी के लिए भी लड़ाई है, जिसकी मेहनत की कमाई को केंद्र द्वारा एक विशेष कॉर्पोरेट हाउस को लाभ पहुंचाने के लिए जोखिम में डाला जा रहा है। संकल्प सत्याग्रह पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के झारखंड इकाई के अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा, यह और कुछ नहीं बल्कि कांग्रेस द्वारा किया गया नाटक है। कांग्रेस के नेता राजनीतिक लाभ लेने के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। यह अदालत का फैसला है और उन्हें इसका सम्मान करना चाहिए। अगर उन्हें (कांग्रेस) यह उचित नहीं लगता है, तो उनके पास इसे ऊपरी अदालत में चुनौती देने का विकल्प भी है।

# प्रेशर आईईडी की जद में आने से सीएएफ के असिस्टेंट प्लाटून कमांडर शहीद

## सीएम ने जताया दुख

बीजापुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। बीजापुर जिले के मिरतुर थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह प्रेशर आईईडी की जद में आकर एक सीएएफ के असिस्टेंट प्लाटून कमांडर शहीद हो गये।

जानकारी के मुताबिक जिले के मिरतुर थाना क्षेत्र के तिमेनार कैम्प से सोमवार कि सुबह सीएएफ के जवान सड़क निर्माण कि सुरक्षा में एटेपाल की तरफ निकले हुए थे। इसी बीच एटेपाल कैम्प से करीब एक किमी दूर टेकरी के पास प्रेशर आईईडी ब्लास्ट हो गया।

जिसकी चपेट में आने से सीएएफ के असिस्टेंट प्लाटून कमांडर (एपीसी) विजय यादव शहीद हो गये। शहीद जवान उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के राजपुर के रहने वाले हैं। शहीद के पार्थिव शरीर को भैरमगढ़ लाया जा रहा है। यहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। भैरमगढ़ से चॉपर से पार्थिव शव को गृह ग्राम के लिए रवाना किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में प्रेशर आईईडी की चपेट में आने पर छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स के असिस्टेंट प्लाटून कमांडर विजय यादव की शहादत पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने इस घटना को दुःखद बताते हुए नक्सलियों की इस कायराना हरकत की कड़ी निंदा की है। छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स की एक टीम आज सुबह मिरतुर थाना क्षेत्र में एरिया डामिनेशन के लिए निकली थी। मुख्यमंत्री ने शहीद यादव के शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

# पैदा होते ही नवजात बच्चे को मां ने एक लाख में बेचा

## पुलिस ने पांच महिलाओं समेत 11 को पकड़ा

चतरा, 27 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के चतरा सदर अस्पताल से मातृत्व को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक मां ने प्रसव के आठ घंटे बाद ही अपने नवजात बच्चे को एक लाख रुपये में एक दंपत्ति को बेच दिया। इस मामले में पुलिस ने पांच महिलाओं समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। बेचे गए नवजात बच्चे को बोकारो जिले के पेटरवार से सकुशल बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में नवजात बच्चे की मां भी शामिल है। बताया जाता है कि बड़कागांव के एक दंपति को बेटा चाहिए था। कुछ समय पहले ही उसकी एक जमीन सरकार से अधिग्रहित की थी। इसके बदले सरकार से छह लाख रुपये उसे मिला। बताया जाता है कि उसने अस्पताल के कर्मचारियों के साथ मिलकर बच्चे की मां से डील की। नवजात की मां उसे गिराना चाहती थी। ऐसे में अस्पताल के कर्मचारियों ने उसे आसानी से अपने पाले में कर लिया। जिस दंपति को बच्चा चाहिए था, उससे 4.5 लाख रुपये में सौदा तय किया और नवजात की मां को एक लाख रुपये दिए। बाकी खुद ले लिए। पुलिस ने बच्चे के खरीद-फरोख्त की डील में शामिल आरोपियों के पास से चार मोबाइल और 1.64 लाख रुपये नगद बरामद किये हैं। जो लोग गिरफ्तार किए गए हैं, उनमें चतरा जिले के सदर थाना क्षेत्र निवासी डिम्पल देवी, आशा देवी, मालती देवी, रामानंद कुमार, बोकारो जिले के आनन्द प्रकाश जयसवाल उर्फ मोनू, सरोज कुमार, चंदन कुमार, रजनीकांत साव, हजारीबाग जिले के उपेंद्र कुमार, रीना देवी, रामगढ़ जिले के सारू देवी शामिल हैं। चतरा के एसडीपीओ अविनाश कुमार ने गुरुवार को बताया कि 21 मार्च को डीसी अबु इमरान को नवजात को बेचे जाने की सूचना मिली। उन्हें जानकारी मिली थी की 18 मार्च को प्रसव के कुछ ही घंटे के बाद एक महिला ने अपने नवजात को बेच दिया है। उन्होंने यह सूचना चतरा एसपी को दी। एसपी ने एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया। इस टीम ने बोकारो से सकुशल बच्चे को बरामद किया गया। वहीं घटना में संलिप्त 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह मामला सामने आने के बाद सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ मनीष लाल के आवेदन पर सदर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

# नेतन्याहू के खिलाफ पूरा इजराइल सड़कों पर

## डॉक्टर और टीचर्स भी प्रदर्शन में शामिल, एयरपोर्ट से टेक ऑफ नहीं कर रहे प्लेन

जरुसलीम, 27 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल में नेतन्याहू के ज्यूडिशियल रिफॉर्म बिल के विरोध के लिए पूरा इजराइल सड़कों पर उतर आया है। अब टीचर्स और डॉक्टर्स भी अपना काम छोड़कर प्रदर्शनों में शामिल हो गए हैं। इसकी जानकारी इजराइल की सबसे ट्रेड यूनियन के हेड इसाक हेर्जोग ने दी है। वहीं, इजराइल के तेल अवीव एयरपोर्ट पर काम करने वाले सभी लोग नेतन्याहू की सरकार के खिलाफ हड़ताल पर चले गए हैं। इसके चलते फ्लाइट्स के टेक ऑफ करने पर रोक लगा दी गई है।

इजराइल में महीनों से चल रहे प्रदर्शन सोमवार को फिर से तेज हो गए। दरअसल, नेतन्याहू ने रविवार को डिफेंस मिनिस्टर योआव गैलैंट को बर्खास्त कर दिया है। योआव ने शनिवार को टीवी पर एक प्रोग्राम में कहा था कि देश के न्यायालय को कमजोर करने के लिए जो बिल लाया गया है, उससे मिलिट्री में भी फूट पड़ रही है । इससे देश की सुरक्षा को खतरा है। सरकार को विपक्ष के साथ बैठकर बातचीत करनी चाहिए।

**नेतन्याहू के घर के बाहर सुरक्षाकर्मियों से भिड़े प्रदर्शनकारी**

वहीं रविवार को फिर से इजराइल में लाखों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और नेतन्याहू से विवादित बिल को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव के मेन हाइवे को ब्लॉक कर दिया।

इजराइल के लोगों ने रविवार को प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू के निजी घर के बाहर भी जोरदार प्रदर्शन किया। पुलिस की इन लोगों से झड़प हुई। वहीं प्रदर्शन के दौरान लोगों ने थालियां भी बजाईं। कई लोगों ने हाइवे पर आग भी जलाई।

एक प्रदर्शनकारी ने बीबीसी को बताया कि नेतन्याहू ने देश के लोकतंत्र को खतरे में डालने की सारी हदें पार कर दी हैं। मामला बढ़ता हुआ देखकर अमेरिका ने भी इजराइल के प्रदर्शन पर कमेंट किए हैं। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ने

कहा है कि इजराइल को जल्द से जल्द इस मामले का समाधान करना चाहिए।

इजराइल के प्रदर्शन को लेकर सोमवार यानी आज नेतन्याहू सत्ताधारी गठबंधन में शामिल सभी पार्टियों से बात करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये बैठक अहम होगी इससे सरकार का रुख साफ होगा। वहीं विपक्ष के नेता येर लैपिड ने कहा कि नेतन्याहू डिफेंस मिनिस्टर को बर्खास्त कर सकते हैं, लेकिन इससे हकीकत नहीं बदलेगी। जनवरी में इजराइल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर एक प्रस्ताव जारी किया। इसके पास होने पर इजराइली संसद को सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का पलटने का अधिकार मिल जाएगा। इसे 'ओवरराइड' बिल नाम दिया गया है। अब अगर ये बिल पास हो जाता है तो संसद में जिसके पास भी बहुमत होगा, वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट सकेगा। लोगों का मानना है कि इससे देश का लोकतंत्र और सुप्रीम कोर्ट कमजोर होगा। बीबीसी के मुताबिक नए बिल से निवार्चित सरकारें जजों की नियुक्ति में दखल दे सकती हैं। जिसे सही और निष्पक्ष फैसले लेनी की ज्युडिशियरी की पावर कम हो जाएगी। नेतन्याहू का नया बिल लागू होने से किसी कानून को रद्द करने के मामले में भी सुप्रीम कोर्ट की ताकत सीमित हो जाएगी। इस बिल ने इजराइल को काफी हद तक दो हिस्सों में बांट दिया है। इजराइली सेना की रीढ़ माने जाने वाले रिजर्वविस्ट ( सेना को सेवा देने वाले आम नागरिक) ने कहा है कि वे सेना को अपनी सेवा देने से इनकार कर सकते हैं। इजराइल में केवल आम लोग ही नहीं बल्कि बड़े पदों पर बैठे पुलिस अधिकारी और बिजनेसमैन भी सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं। इससे पहले 12 मार्च को हुए प्रोटेस्ट में तेल अवीव के पुलिस चीफ एमिशाई अशेद ने शामिल होकर सरकार को झटका दिया था।

# रमजान में बढ़ती महंगाई से बेहाल पाकिस्तानी जनता

इस्लामाबाद, 27 मार्च (एजेंसियां)। रमजान के महीने में भी पाकिस्तान की जनता को महंगाई से राहत नहीं मिली है। बता दें कि पाकिस्तान में महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। सेंसिटिव प्राइस इंडीकेटर (एसपीआई) के अनुसार, पाकिस्तान में मार्च के अंतिम सप्ताह में महंगाई 47 प्रतिशत तक पहुंच गई है। पाकिस्तान के ब्यूरो ऑफ स्टेटिक्स ने यह डाटा जारी किया है। इसके चलते पाकिस्तान में रोजमर्रा की चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं और पहले से ही परेशानी में घिरी पाकिस्तानी जनता इसमें पिस रही है।

**पाकिस्तान में महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची**

पाकिस्तान के ब्यूरो ऑफ स्टेटिक्स के डाटा के अनुसार, प्याज की कीमतों में (228 प्रतिशत), गैस (108 प्रतिशत), आटा (120 प्रतिशत), सिगरेट (165 प्रतिशत), डीजल (102 प्रतिशत), चाय (94 प्रतिशत), केले (89 प्रतिशत), चावल बासमती (81 प्रतिशत), पेट्रोल (81 प्रतिशत), अंडे (79 प्रतिशत) कीमतें बढ़ गई हैं। डाटा के अनुसार, 51 जरूरी सामान में से 26 के दाम बढ़ गए हैं। 12 चीजों के दामों में थोड़ी कमी आई है और 13 चीजों के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चिकन (8.14 प्रतिशत), मिर्ची पाउडर (2.31 प्रतिशत), एलपीजी (1.31 प्रतिशत), सरसों का तेल और लहसुन (1.19 प्रतिशत), घी (0.83), खाद्य तेल (0.21 प्रतिशत) की कमी आई है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खाद्य निदेशालय के अनुसार, पेशावर के बाजार में खाने पीने की चीजों के दाम इस प्रकार रहे- आटा (123 रुपए किलो), सूजी (170 रुपए किलो), चना दाल (260 रुपए किलो), मूंग दाल (420 रुपए किलो), दूध 160 (रुपए लीटर), देसी घी (2000 रुपए किलो), अंडे (235 रुपए दर्जन), केले (140-320 रुपए दर्जन), प्याज (120 रुपए किलो)

**आईएमएफ से नहीं मिल रही लोन की किस्त**

हालांकि पाकिस्तान के लिए अच्छी खबर ये है कि उसके विदेशी मुद्रा भंडार में थोड़ा इजाफा हुआ है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 17 मार्च 2023 बढ़कर 10.14 बिलियन डॉलर हो गया है। विदेशी मुद्रा भंडार में कमी के चलते पाकिस्तान को भुगतान में काफी समस्या आ रही है। आईएमएफ से लोन की 1.1 बिलियन डॉलर की किस्त को लेकर बातचीत अटकी हुई है। बता दें कि आईएमएफ ने साल 2019 में पाकिस्तान को 6.5 बिलियन डॉलर के बेलआउट पैकेज का एलान किया था। पाकिस्तान को दिवालिया होने से बचाने के लिए यह पैकेज बेहद अहम है। हालांकि आईएमएफ की शर्तों को लेकर इस बेलआउट पैकेज की 1.1 बिलियन डॉलर की किस्त अटक गई है।

# ' इमरान खान मारे जाएंगे या हम'

## पाकिस्तान के मंत्री का बड़ा बयान, पूर्व पीएम के लिए कह दी ये बात

इस्लामाबाद, 27 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में हालात बेहद खराब होते जा रहे हैं। अब आलम ये है कि खुलेआम सत्ताधारी और विपक्ष के नेता एक-दूसरे को धमकी दे रहे हैं। इसे आप पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह के बयान से समझ सकते हैं। राणा सनाउल्लाह ने टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि अब इमरान खान और उनकी पार्टी पीटीआई हमारी (पीएमएल-एन) की सबसे बड़ी दुश्मन है। वह (इमरान) देश की राजनीति को ऐसी स्थिति में ले गए हैं, जहां 'या तो वह मारे जाएंगे या हम।'

**राणा ने क्या कहा?**

रविवार को कुछ निजी टीवी चैनलों को पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह ने इंटरव्यू दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा, 'या तो इमरान खान या हम मारे जाएंगे। वह अब देश की राजनीति को उस मुकाम पर ले गए हैं जहां दोनों में से एक ही रह सकता है- पीटीआई या पीएमएलएन। पीएमएलएन का पूरा अस्तित्व खतरे में है और हम हिसाब बराबर करने के लिए उसके खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं। खान ने राजनीति को दुश्मनी में बदल दिया है। खान अब हमारा दुश्मन है और उसके साथ ऐसा ही

व्यवहार किया जाएगा।'

पत्रकार ने जब सवाल पूछा कि आपके इस बयान से तो पाकिस्तान में अराजकता फैल सकती है। इसपर मंत्री ने कहा, 'पाकिस्तान में पहले से ही अराजकता कायम है।'

**पीटीआई नेताओं ने जताया आक्रोश**

सनाउल्लाह के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पीटीआई नेता और पूर्व संघीय सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा, 'इस पीएमएलएन गठबंधन सरकार से इमरान खान के लिए सीधा जान का खतरा है।' उन्होंने आगे कहा, 'सनाउल्लाह गिरोह चला रहे हैं या सरकार? सुप्रीम कोर्ट ने शरीफ के नेतृत्व वाले पीएमएलएन को सिसिली माफिया घोषित करना सही था और उनका बयान इसका सबूत है।'

पीटीआई के नेता और पूर्व मंत्री शिरीन मजारी ने कहा, 'खान के प्रति सनाउल्लाह की जानलेवा मंशा सबके सामने है। यह सीधे तौर पर बदमाशों के काफिले के गृहमंत्री की ओर से दी गई धमकी है। न्यायपालिका को इसपर ध्यान देना चाहिए।' इमरान खान ने पिछले साल नवंबर में पंजाब के वजीराबाद में एक रैली के दौरान बंदूक के हमले से बचने के बाद आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह का नाम लिया था। आरोप लगाया था कि राणा सनाउल्लाह उनकी जान लेना चाहते हैं। 70 साल के इमरान ने अपनी हत्या की साजिश करने का आरोप मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और वरिष्ठ आईएसआई अधिकारियों पर भी लगाया था। एफआईआर में भी इनके नामों का उल्लेख किया था।

# चीन के अमीर लोग देश छोड़कर सिंगापुर भाग रहे

## 600 परिवारों ने ट्रांसफर की संपत्ति, शी जिनपिंग की सरकार से बचने का नया तरीका

बीजिंग, 27 मार्च (एजेंसियां)। चीन में उद्योगपतियों पर शी जिनपिंग की सरकार लगातार शिकंजा कस रही है। इससे बचने के लिए देश के अमीर लोग चीन छोड़कर सिंगापुर भाग रहे हैं। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के कई बड़े उद्योगपतियों ने हाल ही में अपनी संपत्ति को सिंगापुर के बैंकों में ट्रांसफर करवाया है।

रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में चीन से गायब हुए वहां के बड़े बिजनेसमैन बाओ फैन ने भी सिंगापुर में एक वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी बनाने की प्रक्रिया शुरू की थी। हालांकि वो उससे पहले ही लापता हो गए।

**चीन के 600 सबसे अमीर परिवारों ने संपत्ति को सिंगापुर ट्रांसफर कराया**

पहचान उजागर न करने की शर्त पर अलजजीरा को एक वेल्थ मैनेजर ने बताया कि पिछले कुछ सालों में चीन और हांगकांग से काफी संपत्ति सिंगापुर में ट्रांसफर हुई है। इनके ज्यादातर क्लाइंट्स चीन के हैं। ज्यादातर उद्योगपतियों

ने अपनी कमाई सिंगापुर ट्रांसफर करने के पीछे सरकार से डर बड़ी वजह बताई है।

पिछले 6 सालों में दूसरे देशों से सिंगापुर में 24 लाख करोड़ की संपत्ति ट्रांसफर हुई है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के करीब 600 सबसे अमीर परिवारों ने अपनी संपत्ति को सिंगापुर में ट्रांसफर करवाया है। वहीं 500 बिजनेस चीन की बजाए सिंगापुर में रेजिस्टर किए गए हैं। चीनी बिजनेस कंपनियों के सिंगापुर में जाकर रेजिस्टर होने के पीछे सबसे बड़ी वजह चीन के खिलाफ भारत और दूसरे देशों से बिगड़ते रिश्ते हैं। जहां चीन की कंपनियों पर बैन लगाया जा चुका है।

**चीन के लोगों की वजह से सिंगापुर के लोगों को हो रही परेशानी**

एक्सपर्ट्स का मानना है कि सिंगापुर की सोसयटी में इस तरह चीन की संपत्ति बढ़ने से वहां के मूल लोगों को परेशानी हो सकती है। सिंगापुर में शिफ्ट हो रहे चीन और दूसरे देश के लोगों की वजह से वहां महंगाई बढ़ रही है, घरों का किराया बढ़ गया है।

जिससे लोकल लोगों को परेशानी हो रही है। वहीं कुछ लोगों को डर है कि इस तरह से चीन की संपत्ति सिंगापुर में ट्रांसफर होना चीन को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा। इससे दोनों देशों के बीच रिश्तों में तनाव आ सकता है। सिंगापुर में चीन के लोगों का आना 19वीं सदी में शुरू हो गया था। सिंगापुर में रहने वाले 35 लाख लोग चीनी मूल के हैं।

**सिंगापुर में क्यों ट्रांसफर हो रही चीन की संपत्ति**

इकोनॉमिक इंटेलिजेंस युनिट के मुताबिक बिजनेस करने के मामले में सिंगापुर दुनिया की सबसे बेस्ट जगह है। हालांकि, चीन के बिजनसमैन सिर्फ इस वजह से ही सिंगापुर में बिजनेस नहीं कर रहे हैं। दरअसल, साल 2021 में शी जिनपिंग की सरकार ने चीन के फाइनेंशियल सेक्टर में भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच शुरू कर दी थी। अब तक इस जांच की चपेट में देश की बड़ी कंपनियां आ चुकी हैं।

आलोचकों का मानना है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भ्रष्टाचार के खिलाफ नीतियों का इस्तेमाल अपने विरोधियों के खिलाफ करते हैं।

चीन के कड़े रवैये से बचने के लिए वहां के उद्योगपति सिंगापुर शिफ्ट हो रहे हैं। चीन में एक हाई प्रोफाइल बैंकर के लापता होने से वहां की फिनटेक इंडस्ट्री में हड़कंप मच गया है। गुरुवार को चीन रेनेसां कंपनी ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी कंपनी के चेयरमैन और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर बाओ फैन से उनका संपर्क नहीं हो पा रहा है। कंपनी के पास उनकी किसी तरह कोई जानकारी नहीं है।

## आप सांसद बोले- काम नहीं किया तो जूते मारकर भगा देना

बिलासपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी को देख लिया है। दोनों दलों के नेताओं को बहुत बार मौका दिया। हर बार सिर्फ भ्रष्टाचार हुआ है। प्रदेश में खनिज संपदाओं का दोहन हुआ है। संदीप पाठक ने कहा, केजरीवाल को एक मौका देकर देखिए। अगर काम नहीं किया तो जूते मारकर भगा देना। इस बार आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ में दमखम के साथ चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाएगी। विधानसभा चुनाव को लेकर अब सभी पार्टियां सक्रिय नजर आ रही है।

# भाजपा कार्यकर्ताओं से बोले पूर्व सीएम रघुवर दास- 2024 चुनावों की करो तैयारी

रांची, 27 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने सूबे के भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि वे 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के लिए ईमानदारी से काम करें। दास ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे संभाग के लोगों के साथ बातचीत करें और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तहत केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करें।

शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दास ने चुनाव जीतने के लिए बूथ स्तर की समितियों को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार सभी मोर्चों पर काम करने में विफल रही है। पूर्व सीएम ने आरोप लगाया कि झारखंड में बिना 'कट मनी' के कोई काम नहीं होता। भाजपा झारखंड इकाई के अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि पार्टी के पास समर्पित कार्यकर्ता हैं और वे अपनी कड़ी मेहनत से भगवा पार्टी को 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव जीतने में मदद करेंगे।

# बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करेगा रूस

## पुतिन बोले- अमेरिका के न्यूक्लियर वेपन कई देशों में मौजूद, अब हम भी यही कर रहे

मॉस्को, 27 मार्च (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच शनिवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा ऐलान किया है। पुतिन ने कहा कि वो बेलारूस में टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन तैनात करेंगे। पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच पुतिन ने नाटो को यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने को लेकर वॉर्निंग दी। पुतिन ने कहा- मेरा ये फैसला न्यूक्लियर ट्रीटी का उल्लंघन नहीं करता है। अमेरिका ने भी की देशों में अपने न्यूक्लियर वेपन तैनात कर रखे हैं और हम भी अब ऐसा ही करेंगे।

वहीं अमेरिका ने पुतिन के इस फैसले पर कहा कि फिलहाल इसके कोई संकेत नहीं हैं कि रूस परमाणु हथियार का इस्तेमाल करेगा। अमेरिका के एक सीनियर अधिकारी ने कहा- हमें परमाणु हथियार से जुड़ी अपने रणनीति को बदलने का कोई कारण नहीं दिख रहा है।

रूस के न्यूक्लियर वेपन इस्तेमाल की भी कोई आशंका नहीं है। हम एक साथ मिलकर नाटो देशों की रक्षा के लिए खड़े रहेंगे।

**रूस ने बेलारूस में तैनात किया इस्कंदर मिसाइल सिस्टम**

पुतिन ने कहा- बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करने के लिए रूस यहां एक स्पेशल स्टोरेज फैलिसिटी बना रहा है। ये काम जुलाई की शुरुआत तक पूरा होगा। हम पहले ही बेलारूस में कई इस्कंदर मिसाइल सिस्टम भेज चुके हैं, जिसमें न्यूक्लियर वॉरहेड लगाए जा सकते हैं। हम बेलारूस को इन हथियारों का कंट्रोल नहीं देंगे। ये सिर्फ वहां तैनात रहेंगे। हमने बेलारूस के 10 एयरक्राफ्ट को टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन ले जाने के लिए सक्षम बना दिया है। अब अगले महीने से हम पायलट की ट्रेनिंग शुरू करेंगे।

**पुतिन ने कहा- अमेरिका-ब्रिटेन का रवैया देख लिया फैसला**

यूक्रेन को हथियार भेज रहे अमेरिका और ब्रिटेन की निंदा

करते हुए पुतिन ने कहा- ब्रिटेन जो बारूद-गोले भेज रहा है उसमें यूरेनियम मौजूद है। इससे पहले उन्होंने मार्च में यूक्रेन को चैलेंजर-2 बैटल टैंक देने की घोषणा की थी। पश्चिम और युरोपीय देश लगातार गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रहे हैं। उनके इन्हीं फैसलों के चलते मैंने ये कदम उठाया है।

1990 के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है जब रूस किसी और देश में अपने परमाणु हथियार तैनात करेगा। पुतिन के इस फैसले पर बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने कहा- हमने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और इस्कंदर मिसाइल सिस्टम तैनात कर दिए हैं। ये रूस ने करीब 6 महीने पहले बेलारूस को सौंपा था। टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन वो हथियार होते हैं जो खास जगहों पर वार करने में सक्षम होते हैं। इनमें कई शहरों को एक साथ उड़ाने की ताकत नहीं होती है।

# एअर इंडिया और नेपाल एयरलाइंस की फ्लाइट टकराने से बचीं

## कंट्रोलर की लापरवाही के कारण नजदीक आ गए थे प्लेन, 3 एटीसी हटाए गए

काठमांडू, 27 मार्च (एजेंसियां)। एअर इंडिया और नेपाल एयरलाइंस के विमान नेपाल में टकराने से बाल-बाल बच गए। घटना शुक्रवार की है। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर की लापरवाही के कारण दोनों विमान हवा में बहुत नजदीक आ गए थे। विमान के वार्निंग सिस्टम ने दोनों पायलट्स को इसका अलर्ट दिया, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया था।

नेपाल सिविल एविएशन अथॉरिटी (सीएएएन) ने रविवार को लापरवाही बरतने के आरोप में 3 एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को पद से हटा दिया। यह जानकारी सीएएएन के प्रवक्ता जगन्नाथ निरौला ने दी है।

**मलेशिया और दिल्ली से विमान काठमांडू आ रहे थे**

सीएएएन के प्रवक्ता निरौला ने

बताया कि शुक्रवार को नेपाल एयरलाइंस का विमान मलेशिया के कुआलालंपुर से काठमांडू आ रहा था। वहीं, एअर इंडिया की फ्लाइट दिल्ली से काठमांडू आ रही थी। एअर इंडिया की फ्लाइट करीब 19 हजार फीट की ऊंचाई से नीचे आ रही थी। वहीं, नेपाल एयरलाइंस की फ्लाइट सेम लोकेशन पर करीब 15 हजार फीट ऊंचाई पर उड़ रही थी। रडार पर दिखाई दिया कि दोनों ही फ्लाइट पास-पास आ गई हैं।

एटीसी की लापरवाही से दोनों फ्लाइट्स इतना पास आ गई थीं, इसके बावजूद कंट्रोलर्स ने इसका अलर्ट पायलट्स को नहीं दिया। नेपाल सिविल एविएशन अथॉरिटी ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई। जांच में दोषी पाए जाने पर 3 एटीसी को पद से हटा दिया गया।

पटना एयरपोर्ट पर एक बार फिर से बड़ा हादसा होने से टल गया। फ्लाइट की राइट विंग से एक पक्षी टकरा गया। फ्लाइट में करीब 150 से अधिक पैसेंजर सवार थे। जैसे ही यह सूचना एयरपोर्ट के अधिकारियों को लगी एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। फ्लाइट को पायलट से सुरक्षित लैंडिंग करा ली।

एटलस एयर का ड्रीमलिफ्टर, बोइंग 747 विमान का मेन लैंडिंग गियर टायर टेक ऑफ करते ही विमान से अलग हो गया। हादसा मंगलवार को इटली के टारंटो एयरपोर्ट में हुआ। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

# लाल सागर में फटेगा 47 साल पुराना सुपर-टैंकर

लंदन, 27 मार्च (एजेंसियां)। 2015 में यमन ने एक मिलियन बैरल तेल से भरे एक सुपर टैंकर वेसल को रेड सी यानी लाल सागर में छोड़ दिया था। अब 8 साल बाद संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएन ने कहा है कि ये वेसल किसी भी समय या तो फट जाएगा या डूब जाएगा। इससे यमन समेत 4 देशों को काफी नुकसान होने की आशंका है। यमन में यूएन के चीफ डेविड ग्रेसली ने कहा, हम नहीं चाहते हैं कि रेड सी भी ब्लैक सी में बदल जाए, लेकिन अब ऐसा ही होगा। साफेर को 1976 में एक

जापानी कंपनी हिटाची जेसोन ने बनाया था। ये वेसल 362 मीटर लंबा है और इसका वजन 4 लाख 6 हजार 640 टन है। साल 1988 में यमन की एक कंपनी ने इसे स्टोरेज शिप वेसल में बदल लिया था और इसमें तेल रखना शुरू कर दिया। साल 2015 में यमन में हूती विद्रोहियों और सउदी के समर्थन वाली सरकार में गृह युद्ध छिड़ गया। जिसके बाद यमन के समुद्र तट वाला इलाका हूती विद्रोहियों के कब्जे में आ गया। इलाका कब्जे में आते ही विद्रोहियों ने सबसे पहले सारी लोकल और इंटरनेशनल संस्थाओं के इलाके में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी। रख-रखाव के अभाव में खराब हो रहे साफेर को ठीक करने के लिए हूती विद्रोहियों ने यूएन को भी इजाजत नहीं दी। अक्टूबर 2019 में हॉम अखदार नाम की एक यमन की संस्था ने इस स्टोरेज वेसल को लेकर अपनी रिपोर्ट छापी। इसमें बताया गया कि इस वेसल से तेल के लीक हो सकता है जिससे समुद्र में रहने वाले जीवों को खतरा है।

# 'नीरव और ललित मोदी क्या ओबीसी हैं?'

## गहलोत बोले- भाजपा एक कम्युनिटी को भड़काने के लिए ऐसी बातें कर रही है

जयपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करने के बाद सियासत गरमा गई है। रविवार को दिल्ली में राजघाट पर चल रहे कांग्रेस के सत्याग्रह के दौरान राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने राहुल गांधी के मानहानि वाले मामले को 2017 के गुजरात चुनावों में पीएम मोदी को 'नीच' कहने वाली घटना से जोड़ते हुए प्रियंका गांधी का ध्यान खींचा।

गहलोत 'नीच' कहने वाले बयान को बीजेपी के प्ले कार्ड के तौर पर इस्तेमाल करने का जिक्र कर रहे थे। इसी बीच प्रियंका गांधी बगल में मंच पर बैठे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से चर्चा कर रही थीं। इस दौरान गहलोत ने प्रियंका गांधी का ध्यान खींचते हुए दो बार नाम से पुकारा और कहा - प्रियंका जी, मैं एक बात कहना चाह रहा था, बात सुनिए। इसके बाद गहलोत ने आगे भाषण शुरू किया।

प्रियंका गांधी का ध्यान अपने भाषण की तरफ दिलाने के गहलोत के इस अंदाज की सियासी हलकों में चर्चाएं हैं। गहलोत ने प्रियंका गांधी को बीजेपी के गुजरात प्रयोग की बात सुनने को कहा। जब प्रियंका ने ध्यान दिया तभी आगे बात शुरू की।

**बीजेपी वाले अब ओबीसी के अपमान का मुद्दा बनाकर लाए हैं**

गहलोत ने कहा- बीजेपी वाले अब ओबीसी को अपमान का मुद्दा बनाकर लाए हैं। 2017 के गुजरात विधानसभा चुनावों में जब राहुल गांधी कैंपेन कर रहे थे, तब वहां नरेंद्र मोदी ने यह प्रयोग किया था। मोदी ने उस वक्त कहा था- मैं ओबीसी का हूं इसलिए 'नीच' कहा।

गहलोत बोले- बीजेपी गुजरात चुनाव में हार रही थी तो आखिरी ह थियार के रूप में मोदी ने कहा कि मुझे कांग्रेस नेता ने 'नीच' कह दिया। देखो भाइयों और बहनों मैं नीच हूं क्या? ओबीसी का हूं इसलिए 'नीच' कहा। गुजरात चुनाव में गेम पलटने के लिए मोदी ने क्या-क्या बातें नहीं बोली थीं। यह भ्रम अब जेपी नड्डा को भी हुआ है।

देश छोड़कर भागने वाले नीरव मोदी-ललित मोदी क्या ओबीसी हैं

गहलोत ने कहा- इन्होंने तय किया है कि आने वाले 6 अप्रैल से ये लोग ओबीसी के बीच अभियान चलाएंगे। बीजेपी के लोग अभियान में ये मुद्दा बनाएंगे कि ओबीसी की बेइज्जती कर दी। जो लोग देश छोड़कर भागे हैं, क्या वे ओबीसी हैं। नीरव मोदी, ललित मोदी क्या ओबीसी के हैं? आप नीरव मोदी, ललित मोदी को क्यों बचा रहे हो?

2017 के गुजरात विधानसभा चुनावों में उन्होंने जो प्ले कार्ड खेला था, वह कार्ड अब भी खेलना चाहते हैं। कांग्रेस ने ओबीसी, एससी, एसटी को जो दिया है, कोई सोच सकता है और दे सकता है। आजादी के वक्त से ही कांग्रेस वंचित-गरीब के साथ रही है। राजीव गांधी पीएम बनते ही आदिवासियों के बीच गए थे। यह बताने के लिए कि उनकी पार्टी सबसे गरीब आदमी के लिए काम करती है।

**मुझे तीन-तीन बार कांग्रेस ने सीएम बनाया**

गहलोत ने कहा- मैं ओबीसी का नहीं हूं क्या? मुझे तीन बार मुख्यमंत्री बनाया गया। मैं ओबीसी का हूं और तीन बार से मुख्यमंत्री हूं। आपको जानकारी होगी मेरी कम्युनिटी का विधानसभा में एक ही मेंबर है। वो मैं खुद हूं। मेरी कम्युनिटी सैनी-माली कहलाती है। उसका एक विधायक मैं ही हूं। फिर भी बार-बार मुख्यमंत्री बनता हूं। ओबीसी के लिए इससे बड़ा और क्या मैसेज हो सकता है।

गहलोत ने कहा कि यह किस मुंह से ओबीसी की बात कर रहे हैं। ये ओबीसी को भड़काने के लिए ऐसी बातें कर रहे हैं। क्योंकि कर्नाटक में चुनाव आ रहे हैं। ये खतरनाक लोग हैं। इनका लोकतंत्र में कोई विश्वास नहीं है। ये फासिस्ट लोग हैं। राज करने के लिए खाली लोकतंत्र का मुखौटा पहन रखा है।

**मीर जाफर की बिरादरी के तो ये लोग हैं**

गहलोत ने कहा- जो लोग आज मीर जाफर कहते हैं। मीर जाफर की बिरादरी के तो ये लोग हैं। जिन्होंने आजादी की जंग में अपनी उंगली भी नहीं कटाई। आजादी की जंग के बारे में क्या मालूम है इन्हें? अंग्रेजों की मुखबिरी की वे आज सत्ता में आए हैं। देश को लोकतंत्र किसने दिया। कांग्रेस ने जनता को माई-बाप माना। कांग्रेस ने संविधान बनाया। देश में लोकतंत्र कायम रखा, मोदी जी को यह नहीं भूलना चाहिए।

**राहुल की लोकप्रियता बढ़ती देख षड्यंत्र किया**

गहलोत ने कहा- राहुल गांधी की यात्रा एक रूट पर थी, लेकिन उसका मैसेज पूरे देश में गया। मुद्दा बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, गरीब-अमीर की बढ़ती खाई और देश में भाईचारा बढ़ाना था। केंद्र सरकार के पास अवसर था कि इन मुद्दों पर काम करके सुधार करते। यात्रा के बाद राहुल गांधी की लोकप्रियता बढ़ रही थी, इसलिए केंद्र ने षड्यंत्र किया।

गहलोत ने कहा कि अडाणी मामले पर आरोप लगे और जवाब नहीं दे पाए तो राहुल गांधी के खिलाफ षड्यंत्र किया। मेरे 50 साल के राजनीतिक करियर में कभी यह नहीं देखा कि जब पीएम पर विपक्ष ने आरोप लगाए हों और जवाब नहीं दें। यह पहली घटना है। प्रधानमंत्री आरोपों का जवाब देने की जगह अडाणी का नाम तक नहीं ले रहे हैं।

**माफी तो पीएम मोदी को मांगनी चाहिए**

गहलोत ने कहा- प्रधानमंत्री ने मौन धारण कर रखा है। अडाणी पर कुछ तो जवाब देते। राहुल गांधी पर आरोप लगाए कि लंदन में क्या बोल गए। पीएम मोदी ने कोरिया, जर्मनी में देश के बारे में क्या-क्या बोला, माफी तो पीएम को मांगनी चाहिए। राहुल गांधी नई बात क्या बोली। यह तो बोलेंगे ही। उस मुद्दे पर बीजेपी ने जिस प्रकार माहौल बनाने का प्रयास किया तो राहुल गांधी ने संसद में अपनी बात रखने के लिए अनुरोध किया।

# 'भाईजान' को धमकी भरा ई-मेल भेजने वाला शख्स गिरफ्तार

## कहा था- मूसेवाला की तरह होगा तेरा हाल

जोधपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। लमान खान को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी देने वाले शख्स को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया है। सिद्धू मूसेवाला के परिवार को भी इसने धमकी दी थी। उसके लॉरेंस गैंग बिश्नोई से कनेक्शन की भी जांच होगी।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी रील और रियल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं। एक तरफ उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' रिलीज होने वाली है। वहीं, दूसरी तरफ भाईजान को धमकी भरे ई-मेल मिल रहे हैं। दरअलस, पिछले दिनों एक खबर आई थी कि बॉलीवुड के 'दबंग' खान को जान से मारने की धमकी दी गई है।

इस खबर के सामने आते ही सिनेमा जगत समेत इंटरनेट पर तहलका मच गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुंबई पुलिस ने एक्टर के घर के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। सलमान को दो दिन पहले एक धमकी भरा ई-मेल आया था,जिसमें लिखा था कि तेरा हाल भी मुसेवाला जैसा होगा, जिसके बाद पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही थी। वहीं, अब पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। मुंबई पुलिस ने भाईजान को जान से मारने की धमकी देने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। मुंबई पुलिस ने मामले में सक्रियता दिखाते हुए धाकड राम विश्नोई को राजस्थान के जोधपुर से हिरासत में लिया है। धमकी देने वाले शख्स की गिरफ्तारी राजस्थान और मुंबई पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन के तहत की गई है। बता दें कि आरोपी ने दिवगंत सिंगर के सिद्धू मूसेवाला के परिवार को भी धमकी दी थी, जिसके बाद पंजाब पुलिस भी शख्स की तलाश कर रही थी। वहीं, अब जांच करने के बाद आरोपी को पंजाब पुलिस को सौप जा सकता है।सलमान खान को इससे पहले भी धमकी भरा ई-मेल भेजा गया था।

इस ई-मेल में लिखा था, 'गोल्डी बराड़ को तेरे बॉस यानी सलमान खान से बात करनी है। इंटरव्यू देख लिया होगा उसने शायद, नहीं देखा हो तो बोल दियो देख लेना मैटर क्लोज करना है तो बात करवा दो फेस टू फेस करना हो तो वो भी बता दो अभी टाइम रहते इन्फॉर्म कर दिया है अगली बार झटका ही देखने को मिलेगा।' धमकी भरे इस ई-मेल की सूचना एक्टर के मैनेजर प्रशांत गुंजलकर ने बांद्रा पुलिस को दी थी। मामले पर एक्शन लेते हुए मुंबई पुलिस ने सलमान खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी थी।

## राइट टू हेल्थ बिल विवाद पर चिकित्सा मंत्री

# में कमियां बताएं डॉक्टर, हम बदलाव करने को तैयार

दौसा, 27 मार्च (एजेंसियां)। प्राइवेट हॉस्पिटल की हड़ताल पर चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा डॉक्टर यदि एक्ट में कमियां बताएंगे तो सरकार उसमें सुधार करेगी।

राइट टू हेल्थ बिल को लेकर प्राइवेट अस्पतालों व राज्य सरकार के बीच चल रहे विवाद पर चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा डॉक्टरों की मांग के अनुसार संशोधन करने के बाद ही बिल पारित किया है।

इसके बावजूद डॉक्टरों को कोई शिकायत है तो उन्हें मुख्य सचिव से वार्ता करनी चाहिए। सरकार उसका समाधान निकालेगी। चिकित्सा मंत्री ने यह बात रविवार को दौसा में कांग्रेस के धरना प्रदर्शन में शामिल होने के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि एक्ट में डॉक्टर्स के कहे अनुसार ही सांप काटने, एक्सीडेंट व किसी जानवर के खाने की घटनाओं को ही इमरजेंसी में शामिल किया है। उसके बाद डॉक्टर एसोसिएशन के सुनील चुघ ने स्टेटमेंट दिया था कि सरकार में हमारी सारी बातें मान ली, हम खुश हैं और बिल का स म र्थ न करते हैं।

ले कि न सरकार से वार्ता करने के बावजूद मुकर गए। मुख्यमंत्री ने चीफ सेक्रेटरी को कहा है कि डॉक्टर से बात करके जल्द समाधान निकालिए।

**एक्ट की कमियां बताए, सुधार करेंगे**

चिकित्सा मंत्री ने कहा देश में यह पहला विधेयक है जो पक्ष और विपक्ष की सहमति से पारित हुआ है। लेकिन बिल की कमियां डॉक्टरों को सरकार को बताना चाहिए। चिरंजीवी योजना में 2 साल से काम करते वक्त तो इनको कोई शिकायत नहीं हुई।

राइट टू हेल्थ जैसे कानून बनने के बाद देश में बड़ा बदलाव आया है। डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन के अनुसार बने एक्ट में कोई कमी रह गई हो तो सरकार को बताएं, हम उसमें बदलाव करने को तैयार हैं, सरकार ने डॉक्टरों की एक भी मांग को ना नहीं कहा और आज भी सरकार तैयार है, लेकिन एक्ट की कमियां बताए बिना सुधार कैसे किया जा सकता है।

**डॉक्टरों से नाराजगी नहीं, जनता सर्वोपरि**

उन्होंने कहा डॉक्टर्स को मूल एक्ट व पारित हुए एक्ट को देखना चाहिए। उनकी मांगों के अनुसार बदलाव के कारण एक्ट में दिन-रात का बदलाव आ गया है। हमें डॉक्टरों से कोई नाराजगी नहीं है, लेकिन हमारे लिए तो जनता सर्वोपरि है

**जोधपुर के घटनाक्रम से पूरे देश में बदनामी हुई**

वहीं जोधपुर की घटना को शर्मनाक बताते हुए चिकित्सा मंत्री ने कहा चिरंजीवी कार्ड होने के बावजूद प्राइवेट अस्पताल ने मरीज से एडवांस पैसा ले लिया, इसके कारण विधायक को धरने पर बैठना पड़ा। उस घटनाक्रम के कारण पूरे देश में हमारी बदनामी हुई। उसी के कारण हमें यह एक्ट लाना पड़ा है।

**एक भी हॉस्पिटल का पेमेंट बकाया नहीं**

चिकित्सा मंत्री ने कहा जिसके पास चिरंजीवी कार्ड है, उसका इलाज होना चाहिए। जबकि हम अस्पतालों को 20 दिन में ही पेमेंट जारी कर रहे हैं। एक भी अस्पताल का पेमेंट सरकार की तरफ बकाया नहीं है। ऐसे में डॉक्टरों से अपील करता हूं कि अपनी बात बताएंगे तो समाधान निकाल लेंगे, इसमें सरकार को कोई दिक्कत नहीं है।

सरकार कोई जिद नहीं कर रही, डॉक्टरों ने जो कहा सब बदलाव किए हैं, फिर भी कुछ बाकी रह गया हो तो उसे भी ठीक कर देंगे।

# नेक्सा एवरग्रीन ने 2600 करोड़ ठगे, अब वापस मिलेगा पैसा

## कंपनी की सीज प्रोपर्टी पर इन्वेस्टर्स का हक, राजस्थान में पहली बार होगा ऐसा

सीकर, 27 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में अरबों की ठगी करने वाली नेक्सा एवरग्रीन कंपनी के इन्वेस्टर्स को उनका पैसा वापस मिल सकता हैं। बड्स एक्ट 2019 ( बैनिंग ऑफ एंड रेगुलेटेड डिपॉजिट स्कीम) में रुपए वापस किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो ये पहला मौका होगा, जब ठगी के मामले में रुपए रिटर्न हुए हो।

सीकर एसपी करण शर्मा ने बताया कि गुजरात में धोलेरा सिटी प्रोजेक्ट के नाम से नेक्सा एवरग्रीन कंपनी में रुपए लगाने वालों में सबसे ज्यादा रिटायर सैनिक, सरकारी टीचर और कर्मचारी थे। राजस्थान में करीब 62 हजार लोग ठगी का शिकार हुए थे। आरोपियों ने करीब 2600 करोड़ रुपए ठगे थे। ठगों के खिलाफ केवल सीकर में करीब 33 मुकदमे दर्ज हैं।

इसके अलावा जयपुर, झुंझुनूं और जोधपुर समेत अन्य जिलों में करीब 80 मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने करोड़ों रुपए ऐंठकर गुजरात में हजारों बीघा जमीन, राजस्थान में माइंस और होटल में इन्वेस्ट किया था।

**बड्स एक्ट 2019 में इन्वेस्टर्स को मिलेगा पैसा**

एसपी ने बताया कि ठगी का शिकार हुए लोगों को उनके रुपए वापस दिलाने की पूरी कोशिश है। इसके लिए बड्स एक्ट 2019 ( बैनिंग ऑफ एंड रेगुलेटेड डिपॉजिट स्कीम) में इन्वेस्टर्स को पैसा वापस मिल सकता है। इस एक्ट के मुताबिक इनकम टैक्स जैसी एजेंसी इन्वेस्टर्स को पैसा मिलने के बाद टैक्स की राशि वसूल सकती है। राजस्थान में ठगी के शिकार लोगों को इस एक्ट से पहली बार पैसा दिया जाएगा।

**2019 में बना था एक्ट**

बड्स एक्ट केंद्र सरकार ने साल 2019 में बनाया था। ये एक्ट चिटफंड जैसे बड़े मामलों में निवेशकर्ताओं के हित के लिए बनाया गया था। इस एक्ट में कंपनी की सीज की हुई संपत्ति और रुपयों पर पहला हक कंपनी के इन्वेस्टर्स का होता है। इन्वेस्टर्स को यह पैसा सहकारिता विभाग के जरिए मिल सकता है।

ठगी के रुपयों से बनाई प्रोपर्टी

एसपी ने बताया कि मामले में 4 मार्च को कंपनी से जुड़े मुख्य आरोपियों रणवीर बिजारणियां (40) निवासी सोडाला जयपुर, सुभाषचंद्र बिजारणियां (43) निवासी गोकुलपुरा तिराहा, उपेंद्र कुमार निवासी (45) निवासी पनलावा और अमरचंद ढाका (36) निवासी गुंगारा को महाराष्ट्र-गुजरात के बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने गुजरात जाकर जांच की। तब आरोपियों की ओर से हजारों बीघा जमीन में रुपए इन्वेस्ट करने का खुलासा हुआ था। सीकर पुलिस टीम ने करीब 1 हजार बीघा जमीन सीज की थी। आरोपियों ने गुजरात में ही एयरपोर्ट के पास 300 बीघा जमीन और भी खरीदी थी।

इसके अलावा राजसमंद के कोटड़ा में एक मार्बल की माइंस, जयपुर में एक होटल में इन्वेस्टमेंट और फ्लैट भी खरीदा हुआ है। प्रोपर्टी को सीज कर दिया गया है। आरोपियों के दो बैंक अकाउंट में 3 करोड़ और 75 लाख रुपए मिले हैं। हालांकि मामले में अभी अन्य कई आरोपियों की गिरफ्तारी होना बाकी है।

## जयपुर में वीरांगनाओं के साथ बदसलूकी का विरोध

### सीकर में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने दी गिरफ्तारी

सीकर, 27 मार्च (एजेंसियां)। बीते दिनों राजधानी जयपुर में वीरांगनाओं के साथ हुई बदसलूकी का विरोध भले ही थम गया हो। लेकिन आज इस बदसलूकी के विरोध में सीकर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी। एबीवीपी कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह अपमान केवल वीरांगनाओं का नहीं बल्कि शेखावाटी के हर एक सैनिक परिवार का है। सरकार को इसके लिए माफीनामा पेश करना चाहिए। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा।

नीतीश चौधरी ने बताया कि पिछले दिनों राजधानी जयपुर में वीरांगनाओं ने नौकरी की मांग को लेकर धरना शुरू किया था। उस धरने को राज्य सरकार ने पुलिस के बल पर वीरांगनाओं के साथ बदसलूकी करते हुए खत्म करवा दिया। हमारी मांग है कि सरकार वीरांगनाओं के सम्मान में माफीनामा पेश करें।

## रेस्टोरेंट में आग से लाखों का नुकसान

### काउंटर में रखा कैश भी जला, 2 घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

सीकर, 27 मार्च (एजेंसियां)। सीकर के रींगस इलाके में सोमवार सुबह आगजनी की बड़ी घटना सामने आई है। अज्ञात कारणों से एक रेस्टोरेंट में आग लग गई। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से लाखों रुपए का नुकसान हो गया।

घटना रींगस के खाटू मोड़ स्थित विनायक स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट की है। अचानक अज्ञात कारणों से आग लगी। आस-पास के लोगों ने सूचना रेस्टोरेंट मालिक और पुलिस को दी। आग बुझाने के लिए खाटूश्यामजी, चौमू और श्रीमाधोपुर से दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। उन्होंने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मालिक घनश्याम शर्मा ने बताया कि आगजनी की घटना इतनी भीषण थी कि दुकान की पट्टियां तक हिलने लगी। इसके अलावा दुकान में काउंटर में पिछले 2 से 3 दिन के हजारों रुपए का कलेक्शन भी रखा था। कैश भी पूरी तरह से जलकर राख हो गया। फिलहाल रींगस पुलिस रेस्टोरेंट में आग लगने के कारणों की जांच करने में जुट गई है।

# रिश्वत लेते पकड़े गए अफसर की पत्नी ने फेंकी गड्डियां, भतीजा उठा ले गया

बीकानेर, 27 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में विदेश व्यापार महानिदेशालय के संयुक्त निदेशक (जॉइंट डायरेक्टर) जवरीमल बिश्नोई के सुसाइड मामले में नया खुलासा हुआ है। शुक्रवार को जवरीमल रिश्वत लेते पकड़ा गया, उसी दिन रात करीब 10 बजे उसके फ्लैट से 500 और 200 रुपए के नोटों की गड्डियां नीचे फेंकी गई थीं। जो जवरीमल के भतीजे ने उठाई थी। वीडियो में नोटों की पोटली गिरती हुई दिख रही है। जो जमीन पर गिरते ही खुल जाती है। फिर जवरीमल का भतीजा गड्डियां उठाता हुआ दिख रहा है। पोटली में 50 लाख रुपए बताए जा रहे हैं। सीबीआई ने पचास लाख रुपए जब्त भी कर लिए है।

सीबीआई अधिकारियों के मुताबिक, जिस दिन गिरफ्तारी की गई, उसी दिन घर की तलाशी ली जा रही थी। बिश्नोई की पत्नी ने रुपए से भरी एक पोटली घर की बालकनी से नीचे फेंक दी थी। ये रुपए नीचे बिश्नोई के भतीजे ने इकट्ठा किए। गिरते वक्त कुछ गड्डियां बिखर गई थीं। वीडियो शुक्रवार रात 10.42 बजे का है। पता लगाया जा रहा है कि इतना कैश बिश्नोई के पास कहां से आया?

दरअसल, जवरीमल बिश्नोई को शुक्रवार को सीबीआई ने रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद शनिवार को ऑफिस की तलाशी के दौरान जवरीमल ने चौथी मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया था। उनके भाई संजय कुमार और दोस्त अभिषेक मिश्रा ने आरोप लगाया कि सीबीआई के अधिकारियों ने उसे मारा है। ऐसे में उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज होना चाहिए।

उधर, जिला स्तर के अधिकारी की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम के बाद बिश्नोई का शव लेने के लिए परिजन तैयार हो गए थे।

परिजनों ने मांग रखी थी कि इस मामले की जांच जिला स्तरीय अधिकारी करें। इसके बाद राजकोट पुलिस ने वीडियोग्राफी करवाते हुए शव कारविवार पोस्टमॉर्टम करवाया।

पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन शव लेकर राजकोट से रवाना हो गए थे और सोमवार सुबह बीकानेर पहुंचे।

सीबीआई के समक्ष जॉइंट डायरेक्टर बिश्नोई के खिलाफ रिश्वत लेने की शिकायत हुई थी। केन्द्रीय जांच एजेंसी ने मामले मैं कार्रवाई के लिए ट्रैप बिछाया था। शुक्रवार को जॉइंट डायरेक्टर बिश्नोई पांच लाख रुपए रिश्वत लेते पकड़े गए थे। मामला एक व्यापारी की 50 लाख की बैंक गारंटी मुक्त करवाने का था।

# राज्यसभा सांसद के निर्देश पर 11 दिन बाद धरना खत्म

## सांसद के स्वस्थ होकर लौटने के बाद किया जाएगा बड़ा आंदोलन, राज्यपाल को ज्ञापन भेजा

दौसा, 27 मार्च (एजेंसियां)। वीरांगनाओं के अपमान व राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा से दुर्व्यवहार के विरोध में दौसा कलेक्ट्रेट के सामने 11 दिन से चल रहा धरना प्रदर्शन राज्यसभा सांसद के निर्देश पर सोमवार को समाप्त कर दिया गया। इससे पहले सांसद समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल का पुतला फूंका। जहां राज्यपाल के नाम एडीएम सुरेश कुमार को ज्ञापन सौपा। इस दौरान समर्थकों ने कहा कि सांसद के पूरी तरह स्वस्थ होकर क्षेत्र में लौटने के बाद फिर से बड़ा आंदोलन किया जाएगा। सांसद समर्थक धुंधीराम मीणा ने कहा वीरांगनाओं से राज्य सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं करने पर न्याय की मांग को लेकर राज्यसभा सांसद के नेतृत्व में जयपुर में लगातार कई दिन से धरना प्रदर्शन किया जा रहा था। जिसकी लोकप्रियता से घबराकर राज्य सरकार के द्वारा अलोकतांत्रिक तरीके से रात्रि के समय धरने को जबरन खत्म करवाया गया। कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया तथा वीरांगनाओं से मिलने जाते वक्त सरकार के इशारे पर पुलिस अधिकारियों ने सांसद से दुर्व्यवहार किया। जिससे उनकी तबीयत खराब हो गई और अभी तक उनका इलाज चल रहा है।

**इन मांगों पर कार्रवाई की मांग**

रितेश पारीक ने बताया कि राज्यसभा सांसद के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिस अधिकारियों की पहचान कर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाए व जिन वीरांगनाओं की मांगे अभी तक सरकार के स्तर पर पेंडिंग है जिन्हें पूरा नहीं किया गया।

# कमजोर वर्गों की हमेशा सहायता करने की जरूरत : शरद बी. पित्ती

## अग्रवाल समाज के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने गिनाईं समाज की उपलब्धियां

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई के केएलएन प्रसाद सभागार में अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा द्वारा आयोजित रजत जयंती उत्सव के मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज के संस्थापक अध्यक्ष शरद बी. पित्ती ने कहा कि अग्रवाल समाज की स्थापना प्रमुख रूप से तीन उद्देश्यों को लेकर हुआ था। ये समाज बंधुओं को एकजुट करना, समाज की त्रुटियों और शादी ब्याह में आंडबर कर पैसे की बर्बादी को कम करना तथा संगठित होकर सामूहिक योगदान से गरीब एवं जरूरतमद की मदद करना है। उन्होंने कहा कि आज भी कई कमजोर वर्ग हैं जिनकी सहायता करने की आवश्यकता है। आयोजनों में ज्यादा आडंबर न कर उस राशि से सेवा के कार्य करें। व्यक्तिगत तौर पर दी गई दान राशि से छोटे कार्य किये जा सकते है लेकिन संगठित होकर राशि जमा कर कार्य करेंगे तो कार्य बडा होगा। इस पर समाज की सभी शाखाएं विचार करें। उन्होंने कहा कि पित्ती ट्रस्ट व अग्रवाल सेवा दल के सहयोग से कई सेवा के कार्य कर रहा है। सभी शाखाएं भी ऐसे ही अनथालयों, वृद्धाश्रमों आदि में सेवा दें। उन्होंने शाखा की रजत जयंती पर बधाई देते हुए आगे भी इसी प्रकार कार्य करते रहने की प्रेरणा दी।

विशेष अतिथि अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज भी गत डेढ साल से कई कार्यक्रम कर रहा है और आगामी डेढ साल में महाराजा अग्रसेनजी के नाम पर विश्वविद्यालय खोलने की योजना है, जिसके लिए भूमि तय कर ली गई है। यह देश में पहला विश्वविद्यालय होगा जो महाराजा अग्रसेनजी की नाम पर होगा। इसमें सीए, सीएस और एमबीबीएस पाठ्यक्रम को छोडकर अन्य पाठ्यक्रम पढाये जयेंगे। 500 बेड वाले अग्रसेन अस्पताल की योजना भी है। समाज द्वारा बैंक्वेट हॉल का निर्माण किया गया जिसका उपयोग विभिन्न कार्यों के लिए किया जायेगा।

समाज द्वारा जरूरतमंद 30-40 कन्याओं का विवाह कराने पर विचार किया जा रहा है। आगामी 9 जून को मछली प्रसादम कार्यक्रम में समाज द्वारा कैम्प लगाया जाएगा जिसमें शाखाएं सहयोग प्रदान करें। उन्होंने समाजबंधुओं को सेवा कार्य से जुडने की प्रेरणा देते हुए रजस जयंती पर शाखा को बधाई दी।

### अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा ने मनाया रजत जयंती उत्सव

सम्मानित अतिथि प्रमुख गायक शरद गुप्ता ने भी भजन के माध्यम से शाखा को बधाई दी। सभी का स्वागत शाखा के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने किया। उन्होंने सहयोग प्रदान करने वालों का आभार किया।

शाखा मंत्री योगेश अग्रवाल ने शाखा द्वारा किये गये कार्यों की रिपार्ट प्रस्तुत की। अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने शाखा में गत 25 वर्षों में हुए कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि शाखा ने कई कार्य किये हैं जिनमें पुराने कई सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा है और आगे भी इसी प्रकार से कार्य किये जायेंगे। उन्होंने शाखा में पुराने सदस्यों द्वारा दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। शाखा के परामर्शदाता ओमप्रकाश पंसारी ने अपने विचार रखते हुए वर्तमान टीम के कार्यों की सहराहना की।

अवसर पर शाखा के परामर्शदाता गिरधारीलाल अग्रवाल, ओमप्रकाश पंसारी, श्यामलाल अग्रवाल, विजय जिन्दल, देवकीनंदन जाजोदिया एवं राजेश दादू, अग्रवाल समाज के उपाध्य डॉ. दिलीप पंसारी, सह-मंत्री सतीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान, पूर्व अध्यक्ष विनय सी. अग्रवाल, अजीत गुप्ता का सम्मान शाखा अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, मानद मंत्री योगेश अग्रवाल, संयुक्त मंत्री प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विजय कुंछल, कार्यकारिणी सदस्य ने किया। मंचीय कार्यक्रम के उपरांत कवि अमन अक्षर इन्दौर द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का काव्य चित्रण किया गया। अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, संयुक्त मंत्री सतीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान, अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा के परामर्शदाता गिरधारीलाल अग्रवाल, ओमप्रकाश पंसारी, श्यामलाल अग्रवाल, विजय जिन्दल, शाखा के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, मानद मंत्री योगेश अग्रवाल, संयुक्त मंत्री प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विजय कुंछल, कार्यकारिणी सदस्य निरंजन पंसारी, जुगल किशोर अग्रवाल, बृजेश सिंघल, अक्षय अग्रवाल, राकेश रासिवासिया, गिरधारीलाल गुप्ता, अनिल अग्रवाल, केन्द्रीय समिति सदस्य सीमा अग्रवाल, महिला समिति संयोजिका सरला अग्रवाल, उपसंयोजिका पूजा गुप्ता, रश्मी अग्रवाल सहित शाखा के सदस्यगण अजय कुमार गुप्ता, अमरचंद अग्रवाल, अमरीश अग्रवाल, आनंद कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, अंकित गर्ग, अरुण कुमार रुंगटा, बलराम जलान, देवकीनदन जाजोदिया, दिलीप कुमार अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, गोपालदास अग्रवाल, गोविन्द अग्रवाल, हरिश्चंद अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, जगदीश गुप्ता, जयप्रकाश अग्रवाल, जुगलकिशोर बंका, कैलाशचंद अग्रवाल, कैलाश प्रसाद अग्रवाल कमल अग्रवाल सहित समाज की शाखाओं के पदाधिकारियों, केन्द्रीय समिति सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

# भगवान का गुणगान ही भक्ति है : प्रह्लादपुरी महाराज

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर प्रांगण में लाभार्थी पंवार परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय भागवत कथा के तीसरे दिन सोमवार को श्री आईमाताजी, राधा-कृष्ण की तस्वीर व भागवत कथा पर माल्यार्पण व लाभार्थी परिवार के नत्थाराम, ताराराम, गोविन्दराम पंवार द्वारा गुरुदेव की आरती के पश्चात् कथा वाचक आचार्य संत श्री प्रहलादपुरीजी महाराज द्वारा कथा वाचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजक ताराराम, गोविन्दराम पंवार ने संयुक्तरुप से बताया कि सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा वाचक प्रह्लादपुरीजी महाराज ने द्रौपदी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि दौपदी अपने आप में ही एक क्षमा की मूर्ति है, जिसने अश्वथामा द्वारा अपने पाँच पुत्रों का सिर कत्ल करने के बावजूद उसको माफ कर दिया। भगवान की कृपा से ही मानव जीवन सम्भव है। परमात्मा ने इतनी बड़ी श्रृष्टि बनायी। जिसमें एक शक्ल दूसरे से नही मिलती है यह प्रभु कृपा है। अवसर पर राधा-कृष्ण की विशेष झांकी प्रस्तुत की गयी। भागवत कथा के मध्य कंचनबाई द्वारा गाये गये मधुर भजन सतगुरु तुम्हारे प्यार ने जीना सिखा दिया पर भक्तों ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया। कार्यक्रम मे लाभार्थी पंवार परिवार एवं अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, सचिव हीरालाल सैंणचा, भैराराम काग, भाणाराम, जगदीश सीरवी, अमराराम व बहुत से समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे।

# डॉ.भूपेन्द्र बिश्नोई का हैदराबाद दौरा कल

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई के पुत्र डॉ.भूपेन्द्र बिश्नोई अपने विधानसभा क्षेत्र के जिला बनने के बाद पहले प्रवास दौरे पर 29 मार्च बुधवार शाम को हैदराबाद राजीव गाँधी अर्न्तराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे।

जहाँ पर सांचौर को जिला घोषित होने के उपलक्ष्य मे सांचौर प्रवासी बन्धुओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। अगले दिन डॉ.बिश्नोई प्रीमियर लीग-7 क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह मे बत्तौर मुख्यअतिथि शामिल होंगे। तत्पश्चात् विभिन्न निजी स्थानों सहित सांचौर जिला बनाने के उपलक्ष्य मे 31 मार्च शाम को 36 कोम प्रवासी बन्धुओं का स्नेह मिलन कार्यक्रम मे मुख्यअतिथि सम्मेलित सम्बोधित करेंगे।

# एनएमडीसी ने ब्रांड अम्बेस्डर निखत जरीन को स्वर्ण पदक मिलने पर हर्ष जताया

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी की ब्रांड अम्बेस्डर निखत जरीन लगातार दूसरे साल विश्व मुक्केबाजी में चैंपियन बनीं। इस पर एनएमडीसी ने अपनी ब्रांड अम्बेस्डर निखत जरीन को स्वर्ण पदक मिलने पर हर्ष जताया। गौरतलब है कि रविवार को वियतनाम की गुयेन थी टैम को कड़े मुकाबले में हराकर निखत जरीन ने स्वर्ण पदक जीता। 26 साल की उम्र में, वह आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में महान मैरी कॉम के लगातार स्वर्ण पदक के रिकॉर्ड की बराबरी करने वाली एकमात्र भारतीय मुक्केबाज बन गई हैं। बहुत आभारी हूं। अपने ब्रांड एंबेसडर की सराहना करते हुए एनएमडीसी ने कहा कि कंपनी को गर्व है कि उसका प्रतिनिधित्व किसी ऐसे व्यक्तित्व द्वारा किया जा रहा है जो देश को सम्मान दिलाने के लिए शक्ति और दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एनएमडीसी इस अवसर पर सभी चार स्वर्ण पदक विजेताओं सुश्री लवलीना बोरगोहेन, सुश्री नीतू घणघस, सुश्री स्वीटी बूरा सहित सुश्री निकहत ज़रीन को विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि और पदक तालिका में भारत के लिए पहला स्थान हासिल करने के लिए बधाई देता है।

अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार), एनएमडीसी ने कंपनी के ब्रांड एंबेसडर को उनके धैर्य और शक्ति के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। मैच के बाद निखत ज़रीन ने एनएमडीसी के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, "मैं एनएमडीसी के निरंतर समर्थन के लिए उनकी

# जरूरतमंद व्यक्तियों की सर्जरी के लिए एनटीपीसी ने किया समझौता

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआर गतिविधियों के हिस्से के रूप में, एनटीपीसी-एसआरएचक्यू ने स्क्रीनिंग कैंप आयोजित करने और बाद में पुनर्निर्माण सर्जरी करने के लिए वित्तीय सहायता देने के लिए आकार आशा अस्पताल, हैदराबाद के नरसिंह स्वैन मेमोरियल ट्रस्ट के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। तदनुसार, स्क्रीनिंग शिविर तेलंगाना राज्य के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के गट्टूमाला गांव में आयोजित किया गया।

इससे पहले, 24 मार्च, 2023 को एसआरएचक्यू कार्यालय, हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में, एनटीपीसी के डीजीएम (एचआर) बदरुद्दीन अंसारी और आकार आशा अस्पताल के निदेशक डॉ. भारतेंदु स्वाईं ने देबाशीष चट्टोपाध्याय, आरईडी (दक्षिण) की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए और श्री सूर्य नारायण पाणिग्रही, महाप्रबंधक (एचआर), एनटीपीसी-एसआरएचक्यू। इस अवसर पर एनटीपीसी के श्री सहदेव सेठी, सीनियर मैनेजर (कॉर्प कॉम) और नरसिंह स्वैन मेमोरियल ट्रस्ट के श्री रामप्रसाद जैनी भी उपस्थित थे। समझौते के हिस्से के रूप में, एनटीपीसी रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। 34 जरूरतमंद रोगियों के लिए एक शिविर आयोजित करने और पुनर्निर्माण सर्जरी करने के लिए 12.20 लाख रुपये दिये।

# जन सेवा संघ द्वारा चैती छठ पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ उत्सव समिति और छठ पूजा समिति के संयोजक आरपी सिंह एवं हेमानगर छठ पूजा समिति के संयोजक संजय कुमार भगत एवं मलकपेट छठ पूजा समिति के संयोजक बिपीन कुमार पासवान ने छठ पूजा का आयोजन किये और छठ व्रतियों के साथ संध्या अर्घ्य अर्पित किये। यह जानकारी संघ के महासचिव सुधीर जायसवाल ने दी।

# भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद क्षेत्र-104 की महिला दिवस, होली मिलन एवं गुडी पाडवा संपन्न

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भावसार विजन इण्ड्रिया हैदराबाद क्षेत्र - 104, की महिला दिवस, होली मिलन एवं गुडी पाडवा का आयोजन रविवार 26 मार्च को भावसार भवन, काचीगुडा स्टेशन के पीछे संपन्न हुआ। प्रथम पूजा हिंगुलाज द्वारा सपन्न किया गया एवं गणेश वंदना शिवांगी नाजरे ने किया। मुख्य अतिथि एवं वक्ता आयुष नदीमपल्ली (वैश्विक चुनौतियां और हिन्दू समाधान विषय पर बात की एवं वर्कड इकोनॉमिक स्टेटस हिन्दुत्व हिन्दु दर्शन, पारिवारिक मूल्यों को बढाने एवं भारत में महिलाओं के महत्व और मूल्य पर व्याख्यान दिया )

विशेष अतिथि डॉ. प्रशान्त नीमकर (गर्वनर) एवं उपस्थित श्रीमती परिणीता सुन्नावे (अध्यक्षा), श्याम कुमार नाजरे (मंत्री), श्रीमती लक्ष्मी गित्ते (कोषाध्यक्षा) उपस्थित थे। इस अवसर पर महिला दिवस पर जरुरतमंद को राशन श्रीमती जया भरडे ने दिया।

मंच संचालन अर्चना बास्तुकर, शिवांगी नाजरे ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम, गेम्स एवं नये सदस्यों को प्रोत्साहन किया गया।

# पचेरी अग्रवाल समिति की मासिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पचेरी अग्रवाल समिति की मासिक बैठक का आयोजन समिति के उपाध्यक्ष नवीन गुप्ता के निवास चेलापुरा में कैलाश चांद पचेरिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सर्व प्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी महाराज की पूजा-अर्चना की गई तत्पचात अध्यक्ष ने पधारे सभी सदस्यों का स्वागत किया।

सभी सदस्यों की सर्वसमिति से ये निर्णय लिया गया की वर्ष 2023-25 के चुनाव एवं समिति की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन आगामी 2 अप्रैल को लोअर टैंकबंड स्तिथ जगदीश मंदिर में करने का निर्णय लिया गया। शाम 4 से 5 बजे तक समिति की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव प्रक्रिया सम्मान होगी, और शाम 6बजे श्याम बाबा के भजन का आयोजन किया जाएगा। चुनाव अधिकारी गोविंद राम पचेरिय एवं भरत कुमार पचेरिया को नियुक्त किया गया। श्याम बाबा के भजनों के लिए श्री चेतन दाहिमा एवं श्री पंकज ओझा को आमंत्रित किया गया है। श्याम बाबा भजन कार्यक्रम के लिए संयोजन नवीन गुप्ता एवं सह संयोजक श्याम पचेरिया को नियुक्त किया गया। बैठक में अध्यक्ष कैलाश चंद पचेरिया, उपाध्यक्ष नवीन गुप्ता, मानद मंत्री गोपाल पचेरिया,सयुक्त मंत्री महावीर प्रसाद डोकानिया, कोषाध्यक्ष मनोज पचेरिया,परामर्शदाता गोविंद राम पचेरिय, भजनलाल पचेरिया, गोवर्धन पचेरिया, भरत कुमार पचेरिया, श्याम सुंदर सवारियां, श्याम पचेरिया, पवन कुमार डोकानिया आदि उपस्थित थे।

क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में विशेष योगदान के लिए डीआरडीओ के राजभाषा विभाग में कार्यरत अनुराधा पांडेय को महिला नेतृत्व पुरस्कार प्रदान किया गया।

# राठौड श्रावण को जल संरक्षण कवितोत्सव पुरस्कार से नवाजा

आसिफाबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शासकीय कनिष्ठ महाविद्यालय आदिलाबाद जिला के इंद्रावेली के हिंदी प्रधानाध्यापक, लेखक राठौड श्रावण को हैदराबाद बंजारा हिल्स रोड नं 12 मिनिस्टर क्वार्टर मे जल संरक्षण कवितोत्सव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हैदराबाद गांधी ग्लोबल फैमिली और गांधी ज्ञान प्रतिष्ठान साहित्य विभाग हैदराबाद माहानगर जल विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय जल दिवस समारोह के सुबह अवसर पर अंतरराष्ट्रीय जल दिवस पर विश्व कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया था।( दि 26-03-2023 ) राठोड़ श्रावण की प्रतिभा साहिती सेवा के आधार पर गांधी ज्ञान प्रतिष्ठान के अधिपति डा, गुनाराजेंद्र रेड्डी, मुख्य सचिव प्रभाकर रेड्डी , मुख्य सदस्य कल्याणकर गोपाल ,रामाजनेयुलु, सिनियर जर्नलिस्ट पासम यादगिरि, हैदराबाद महा नगर के जल विभाग के अधिकारी सत्यनारायण, के हाथो से पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्रावण राठोड़ ने पूर्व आदिलाबाद जिले के हिंदी संस्करण समिति और उटनूर साहिति मंच के पूर्व सचिव के रूप में सेवा की। पुरस्कार मिलने पर उनके मित्र, उटनूर साहिति मंच के सभी सदस्य,ओर परिवार, प्राध्यापक गणो ने संतोष वक्त किया।

चैती छठ पूजा के अवसर पर भगवान सूर्य को सायंकालीन अर्घ्य देती हुईं व्रती अंजु देवी व अन्य।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### 4 बातों से ...

वह है इंक्लूजन यानि समावेश। इंक्लूजन से तात्पर्य जेंडर से, एससी-एसटी का, जिन्हें हायर ज्यूडशरी में जगह मिलनी चाहिए, हाशिये का तबका और माइनॉरिटी का। लेकिन इस पैरामीटर में हम मेरिट को नजरंदाज नहीं करते हैं। मेरिट सर्वोपरि होती है।

हाईकोर्ट का प्रतिनिधित्व : जस्टिस चंद्रचूड़ कहते हैं कि चौथा और अहम पैरामीटर है हाईकोर्ट का प्रतिनिधित्व। अगर हम सुप्रीम कोर्ट के लिए सिफारिश कर रहे हैं तो यह देखते हैं कि देश भर के हाईकोर्ट का समान प्रतिनिधित्व होना चाहिए।

जस्टिस चंद्रचूड़ कहते हैं कि इसी तरह हाईकोर्ट में नियुक्ति के लिए भी स्थापित पैरामीटर है। हाईकोर्ट कॉलेजियम अपनी सिफारिश सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम, भारत सरकार और राज्य सरकार को भेजती है। विचार-विमर्श के बाद ही इसे आगे बढ़ाया जाता है।

कानून मंत्री किरण रिजिजू एक बार फिर कॉलेजियम पर सवाल खड़े कर चुके हैं। किरण रिजिजू ने कहा था कि जजों की नियुक्ति ज्यूडिशियल काम नहीं बल्कि प्रशासनिक काम है। सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट कॉलेजियम कोई नाम प्रस्तावित करता है तो यह हमारी ड्यूटी है कि उसे पारदर्शी तरीके से देखें, अन्यथा तो मेरा काम पोस्ट मास्टर जैसा रह जाएगा।

रिजिजू ने कहा था कि जजों की नियुक्ति को लेकर संविधान देखें तो वहां साफ-साफ लिखा है कि यह सरकार का काम है। संविधान में कहा गया है कि राष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में सीजेआई और हाईकोर्ट चीफ जस्टिस के कंसल्टेशन से जजों की नियुक्ति कर सकते हैं। संविधान में न्यायपालिका द्वारा जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने और इसे अंतिम स्वरूप देने का कोई रोल है ही नहीं। कांग्रेस के मिस एडवेंचर की वजह से न्यायपालिका का दखल बढ़ा और बाद में कॉलेजियम सिस्टम आया।

### कर्नाटक के पूर्व ...

राज्य सरकार का ये फैसला सदाशिव आयोग की सिफारिश के आधार पर किया गया, बंजारा समुदाय के मुखियाओं का कहना है कि सदाशिव आयोग की सिफारिश से उनके समुदाय को नुकसान होगा और राज्य सरकार ने इस फैसले को लागू करने की जो सिफारिश केंद्र को भेजी है उसे तुरंत वापस लेना चाहिए।

# आईपीएल के बैटिंग लीजेंड्स

## रोहित हर 24 गेंदों में छक्का लगाते हैं, धवन 700 से ज्यादा चौके जमा चुके ; विराट रनों के सम्राट

मुंबई, 27 मार्च (एजेंसियां)। 31 मार्च से दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग यानी इंडियन प्रीमियर लीग का 16वां सीजन शुरू हो रहा है। 59 दिनों तक चलने वाली इस लीग के मुकाबले 10 टीमों के बीच 12 शहरों में खेले जाएंगे। 74 मैच के इस क्रिकेट महाकुंभ से पहले हम आपके सामने लाए हैं लीग के अब तक के बैटिंग लीजेंड्स। इन बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन से न केवल अपनी टीमों को सफलता के नए शिखर तक पहुंचाया, बल्कि फैंस को रोमांचित भी किया।

टॉप बैटर्स की इस लिस्ट में एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गज हैं, तो विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे क्लासिक बल्लेबाज भी हैं। साथ ही इस सूची में वार्नर-धोनी जैसे मैच विनर भी शामिल हैं।

1. विराट कोहलीः लंबी पारियां खेलने में माहिर, चेज मास्टर हैं

आरसीबी के लिए ओपनिंग करते हैं, कप्तानी कर चुके हैं। क्लासिक खिलाड़ी होने के साथ लंबी पारी खेलकर गेम को फिनिश करने की काबिलियत रखते हैं। इन्हें स्कोर चेजिंग में महारथ है। इसलिए कोहली को चेज मास्टर भी कहते हैं।

2. शिखर धवनः गैप में चौके मारने की काबिलियत रखते हैं

पीबीकेएस की कप्तानी कर रहे हैं, ओपनिंग करते हुए टीम को स्टेबिलिटी देते हैं। एक बार सेट होने के बाद तेजी से रन बनाते हैं। छक्कों से ज्यादा गैप में चौके मारकर रन बनाने की काबिलियत रखते हैं।

3. डेविड वार्नरः पावर प्ले में तेजी से रन बनाते हैं

डीसी के लिए ओपनिंग करते नजर आएंगे, ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में कप्तानी भी करेंगे। अटैकिंग बैटर हैं, पावरप्ले में तेजी से रन बनाने के साथ लंबी पारी खेलकर गेंदबाजों पर प्रेशर बनाने की काबिलियत रखते हैं।

4. रोहित शर्माः शॉर्ट बॉल पर पुल शॉट खेलने में माहिर हैं

एमआई के कप्तान टीम के लिए ओपनिंग करते हैं, सिचुएशन के हिसाब से खुद को ढाल लेते हैं। अटैकिंग बैटिंग करना शुरू करते हैं तो दुनिया के बड़े से बड़े गेंदबाज को छोटा साबित कर देते हैं। शॉर्ट बॉल पर पुल शॉट खेलना इनकी ताकत है।

5. सुरेश रैनाः चेन्नई को जिता चुके हैं, अब कमेंट्री करते हैं

सीएसके के लिए 12 साल क्रिकेट खेलने वाले रैना ने पिछले सीजन अनसोल्ड रहने के बाद आईपीएल से रिटायरमेंट ले लिया। उन्हें मिस्टर आईपीएल के नाम से जाना जाता है, नंबर-3 पर बैटिंग करते हुए कई बार चेन्नई को मैच जिता चुके हैं। इस बार कमेंट्री करते नजर आएंगे।

6. एबी डिविलियर्सः 360 डिग्री शॉट्स और मुश्किल परिस्थितियों में टीम को जिताने की क्षमता

आरसीबी के लिए लंबे समय तक आईपीएल खेलने वाले डिविलयर्स ने 2021 सीजन के बाद रिटायरमेंट ले लिया। वह अपने 360 डिग्री शॉट्स और मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों में टीम को जिताने के लिए जाने जाते रहे हैं।

7. महेंद्र सिंह धोनीः कमाल के फिनिशर, हर परिस्थिति में बैटिंग कर सकते हैं

सीएसके के कप्तान टीम के लिए नंबर-4 से नंबर-8 तक सिचुएशन के हिसाब से बैटिंग करने आते हैं। कई बार टीम को नामुमकिन सी लगने वाली परिस्थितियों में भी मैच जिता चुके हैं। बैटिंग से गेम फिनिश करने के साथ कप्तानी से किसी भी मैच को जिताने की काबिलियत रखते हैं।

8. क्रिस गेलः विस्फोटक बैटिंग और बड़े सिक्स के लिए जाने जाते हैं

लंबे समय तक आरसीबी का हिस्सा रहे आईपीएल लेजेंड क्रिस गेल ने 2021 में पंजाब किंग्स से आखिरी मैच खेला था। विस्फोटक बैटिंग करते हुए उनके नाम टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 6 शतक का रिकॉर्ड है। 30 बॉल में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड भी उनके नाम ही है।

9. रॉबन उथप्पाः क्लासिकल बैटिंग करते थे, अब कमेंट्री करते हैं

सीएसके के साथ 2022 का आईपीएल सीजन खेलकर संन्यास लेने वाले उथप्पा कई टीमों के लिए खेले, लेकिन 2011 से 2015 के दौरान कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए ओपनिंग करते हुए उन्होंने अपना बेस्ट परफॉर्मेंस दिया। वे क्लासिकल बैटिंग करते हुए पावरप्ले में तेजी से रन बनाने के लिए जाने जाते रहे हैं। इस बार कमेंट्री करते नजर आएंगे।

10. दिनेश कार्तिकः स्वीप शॉट और कलाइयों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हैं

आरसीबी के फिनिशर की भूमिका में इस साल आईपीएल खेलने वाले कार्तिक स्वीप शॉट्स और कलाइयों का बेहतरीन इस्तेमाल करने के लिए जाने जाते हैं। कई बार टीम के लिए मैच फिनिश कर चुके हैं, इस बार भी टीम को उनसे गेम फिनिश करने की उम्मीदें रहेंगी।

## धोनी ने चेन्नई में स्टेडियम में कुर्सी पेंट की

### बोले- पूरा यलो हो गया, बुमराह सर्जरी के बाद पहली बार एमआई टीम के साथ दिखे

चेन्नई, 27 मार्च (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल से पहले प्रैक्टिस के लिए चेपॉक स्टेडियम पहुंच चुकी है। फ्रेंचाइजी ने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के प्रैक्टिस और टीम के साथ मस्ती के कुछ वीडियोज भी शेयर किए हैं। नए वीडियो में धोनी चेपॉक स्टेडियम में फ्लेम टॉर्च से कुर्सियों को पॉलिश कर रहे हैं।

चेन्नई की टीम 3 मार्च को प्रैक्टिस सेशन के लिए चेपॉक पहुंची है। चेन्नई का पहला मैच 31 मार्च को गुजरात टाइटंस से होगा। ये मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। चेपॉक यानी होम ग्राउंड पर चेन्नई का पहला मैच 3 अप्रैल को लखनऊ सुपर जॉयंट्स से होगा। सीएसके ने सोमवार को सीट पेंट करने का वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में धोनी फ्लेम से सीट को पॉलिश करते दिखे। उन्होंने हैरान होकर कहा- ये सच में काम कर रहा है। पूरी तरह से यलो हो गया। इससे पहले सीएसके ने धोनी के नेट्स का वीडियो शेयर किया था। इसके अलावा टीम के बस में सफर का भी वीडियो शेयर किया, जिसमें धोनी ने ड्वेन ब्रावो को सीटी बजाना सिखाया था। धोनी का यह आखिरी आईपीएल हो सकता है। पिछले सीजन में एक मैच के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या वे संन्यास लेने वाले हैं। तो धोनी ने इसके जवाब में कहा था कि मैं जब भी संन्यास लूंगा तो अपने घरेलू फैंस के बीच लूंगा। इस बार CSK लीग चरण का आखिरी मैच अपने होम ग्राउंड पर 14 मई को खेलेगी।

टीम ने 7 मई 2019 को अपने घर में आखिरी मुकाबला खेला था। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि धोनी उस मुकाबले के बाद संन्यास का ऐलान कर सकते हैं, हालांकि इस पर कोई अधिकृत बयान नहीं आया है। धोनी ने 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 2019 में वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में खेला था।" ुंबई इंडियंस के पेसर जसप्रीज बुमराह सर्जरी के बाद क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रहे हैं। सर्जरी के बाद वह पहली बार मुंबई इंडियंस टीम के साथ नजर आए। बुमराह रविवार को मुंबई के ब्रेबॉर्न स्टेडियम में वुमंस प्रीमियर लीग का फाइनल देखने पहुंचे थे। फ्रेंचाइजी ने जो वीडियो ट्वीट किया। उसमें बुमराह के साथ इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी नजर आ रहे हैं। बुमराह पिछले साल सितंबर महीने में चोट के कारण टीम से बाहर हुए थे। उसके बाद उन्हें एशिया कप, टी-20 वर्ल्ड कप और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जैसे अहम मुकाबले छोड़ने पड़े थे। जसप्रीत ने आखिरी मुकाबला 25 सितंबर को हैदराबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। बुमराह की चोट की सर्जरी न्यूजीलैंड में हुई है।

## एमआई बनी डब्ल्यूपीएल की पहली चैंपियन

### मुंबई इंडियंस की जीत पर खिलाड़ियों का रिएक्शन, हरभजन सिंह बोले- आली रे एक और ट्रॉफी

खेल डेस्क, 27 मार्च (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग का फाइनल मुकाबला रविवार को ब्रेबोर्न स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया। फाइनल मैच में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हरा दिया। मुंबई इंडियंस ने पहली विमेंस प्रीमियर लीग का खिताब जीत लिया है।

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी दिल्ली ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 131 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 19.3 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। एक तरफ जहां मुंबई इंडियंस की इस जीत की चर्चा हर जगह हो रही है तो वहीं सोशल मीडिया पर लगातार बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

मुंबई की इस जीत पर सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह, चेतेश्वर पुजारा और हरभजन सिंह ने भी मुंबई इंडियंस को ट्वीट करके बधाई दी है। आगे स्टोरी में हम मुंबई की जीत पर खिलाड़ियों के सोशल मीडिया रिएक्शन को देखेंगे।

**सचिन तेंदुलकर ने लिखा- मुंबई रॉक्स**

सचिन तेंदुलकर ने लिखा, डब्ल्यूपीएल में मुंबई महिला टीम का शानदार कारनामा, पहले सीजन में छाई! बधाई मुंबई इंडियंस।

हरभजन सिंह ने लिखा, आली रे एक और ट्रॉफी। मुंबई इंडियंस को हार्दिक बधाई।

पूर्व भारतीय खिलाड़ी युवराज सिंह ने ट्वीट किया, मुंबई इंडियंस को टाटा डब्ल्यूपीएल जीतने पर बधाई। ओह बल्ले ओह तेरे कप्तान हरमनप्रीत कौर। बहुत शानदार नैटली सीवर। डब्ल्यूपीएल महिला क्रिकेट के लिए अवसर खोलेगा! भविष्य के लिए उत्साहित हूं।

चेतेश्वर पुजाराने लिखा, बधाई हो! शानदार जीत।

इरफान पठान ने ट्वीट किया, मुंबई को पहली बार डब्ल्यूपीएल जीतने पर बधाई हो। महिला क्रिकेट के लिए क्या सफर शुरू हुआ है।

आर पी सिंह ने लिखा, मुंबई को डब्ल्यूपीएल का पहला संस्करण जीतते देखना वास्तव में एक मनोरम दृश्य!

**नैटली सीवर प्लेयर ऑफ द मैच बनीं**

मुंबई की इस जीत में नैटली सीवर ने अहम भूमिका निभाई। वह 60 रन बनाकर नाबाद रहीं और प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। एलिमिनेटर मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज के खिलाफ उन्होंने 72 रन की नाबाद पारी खेली थी। उन्हें नॉकआउट स्टेज में कोई आउट ही नहीं कर सकीं।

## अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ जीती टी-20 सीरीज

### दूसरे मुकाबले में 7 विकेट से हराया, 2-0 से बनाई बढ़त, अब क्लीन स्वीप का मौका

शारजाह, 27 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तीन टी-20 सीरीज यूएई में खेली जा रही है। रविवार शाम दोनों टीमों के बीच सीरीज एक दूसरा मुकाबला शारजाह में खेला गया। अफगानिस्तान ने दूसरे मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से हराकर सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल की और कब्जा जमाया। अब तीसरा मुकाबला जीत कर अफगानिस्तान के पास क्लीन स्वीप करने का मौका है। तीसरा टी-20 सोमवार को खेला जाएगा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवर में 6 विकेट खो कर 130 रन बनाए। इमाद वसीम के बल्ले से अर्धशतक निकला। जवाब में लक्ष्य के पीछा करने उतरी अफगानिस्तान ने 1 बॉल शेष रहते 133 रन बना लिए।

**पाकिस्तान ने 63 पर दिए थे 5 विकेट**

टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम पाकिस्तान के पहले 5 विकेट 63 रन पर गिर गए थे। सलामी बल्लेबाज सईम अयूब 0 रन पर ही आउट हो गए। इसके बाद अब्दुल्लाह शफीक भी खता नहीं खोल सके और पहली ही गेंद पर आउट हो गए। मोहम्मद हारिस 15 रन, तैयब ताहिर 13 और आजम खान 1 रन बना कर आउट हुए।

इसके बाद इमाद वसीम और शादाब खान ने पारी को संभाला। इमाद ने 64 रन बनाए और कप्तान शादाब की पारी खेली। दोनों के बीच 54 बॉल में कुल 66 रन की पार्टनरशिप हुई। 20 ओवर में पाकिस्तान ने 130 रन बनाए।

बॉलिंग में फाजलहक फारूकी चमके। उन्होंने 4 ओवर में 2 विकेट लिए। वहीं, नवीन-उल-हक, मुजीब उर रहमान, रशीद खान और करीम जनत को 1-1 विकेट मिला।

**अफगानिस्तान ने सूझबूझ ने खेली पारी**

अफगानिस्तान के ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज ने समय लिया और 49 गेंद में 44 रन बनाए। उस्मान 7 और इम्ब्राहीम जदरान 38 रन बना कर आउट हुए।

नजीबुल्लाह जादरान 23 और मोहम्मद नबी 14 रन बना कर नाबाद रहे और टीम को 1 बॉल रहते मैच जीताया।

## साउथ अफ्रीका ने चेज किया टी20आई का सबसे बड़ा स्कोर

### डिकॉक का 44 गेंद में शतक; जोनसन चार्ल्स ने तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

क्विंटन डी कॉक
100 रन | 44 बॉल | 9/8 : 4/6 | 227.27 स्ट्राइक रेट

खेल डेस्क, 27 मार्च (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। अफ्रीकी टीम ने टी-20 इंटरनेशनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज कर लिया है। रविवार शाम सेंचुरियन मैदान पर साउथ अफ्रीका ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हरा दिया। टीम के नाम वनडे क्रिकेट में सबसे बड़े रन चेज का रिकॉर्ड भी दर्ज है। इस ऐतिहासिक जीत में रीजा हैनरिक्स और क्विंटन डी कॉक ने अहम भूमिका निभाई। हैनरिक्स ने 28 गेंदों पर 68 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि डी कॉक ने 44 गेंदों पर शतक जड़ दिया। यह उनका पहली सेंचुरी है।

रविवार शाम को खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 258 रन का पहाड़ स्कोर खड़ा किया। अफ्रीकी टीम के बल्लेबाजों ने 259 रन के टारगेट को 7 गेंद रहते हासिल कर लिया। इस जीत से सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है।

**बुल्गारिया का रिकॉर्ड तोड़ा**

साउथ अफ्रीका ने बुल्गारिया का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिसे बुल्गारिया ने 26 जून 2022 को सोफिया में बनाया था। टीम ने 246/4 का स्कोर चेज किया था।

**वनडे में भी सबसे बड़ा स्कोर चेज किया था**

साउथ अफ्रीका ने 12 मार्च 2006 को वनडे में भी सबसे बड़ा स्कोर चेज किया था। तब टीम ने ऑस्ट्रेलिया को एक विकेट से हराया था। जोहान्सबर्ग में हुए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट पर 434 रन बनाए थे, जवाब में अफ्रीका ने एक गेंद रहते 438 रन बनाते हुए कीर्तिमान स्थापित किया था।

**जोनसन चार्ल्स ने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा**

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते उतरी वेस्टइंडीज के टॉप ऑर्डर बैटर जोनसन चार्ल्स ने भी आतिशी शतक जमाया। उन्होंने 46 गेंदों पर 118 रन की शतकीय पारी खेली। यह चार्ल्स का भी पहला शतक है। उन्होंने 39 बॉल में शतक जड़कर वेस्टइंडीज के लिए सबसे तेज सेंचुरी का रिकॉर्ड बनाया। उनसे पहले क्रिस गेल ने 47 बॉल में शतक जड़ा था। चार्ल्स के अलावा ओपनर काइल मेयर्स ने 27 गेंदों पर 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों के बाद रोमारियो शेफर्ड ने 18 गेंदों पर नाबाद 41 रन बनाए। मार्को जॉनसन को तीन और वार्नेर परनेल ने दो विकेट लिए।

## नीरज चोपड़ा पहुंचे बेंगलुरू के स्कूल

### टीचर पढ़ा रहे थे ओलिंपियन के बारे में ; एकदम सामने देख बच्चे हुए भावुक, गले से लिपट कर रोए

पानीपत, 27 मार्च (एजेंसियां)। ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा अचानक बेंगलुरु के एक स्कूल पहुंचे। बच्चे उस वक्त हैरान हो गए, जब वे क्लास रुम में मेडलिस्ट की जीवनी के बारे में ही पढ़ रहे थे और अचानक वे सामने आ कर खड़े हो गए।

नीरज को देखकर कई छात्र खुशी के आंसू रोने लगे। ट्रैक एंड फील्ड में भारत के पहले ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ट्रेनिंग के बीच भारत लौटे और शनिवार को येलहंका के विश्व विद्यापीठ पहुंचे। वहां उन्होंने छोटे बच्चों के साथ समय बिताया, जो स्कूल के खेल कार्यक्रम का हिस्सा है।

**उम्मीद है कि युवा एथलीटों को मिली होगी प्रेरणा**

इस दौरान नीरज ने कहा गया, जब भी मैं छोटे बच्चों के चेहरे पर मुस्कान ला पाता हूं तो मुझे बहुत खुशी होती है और यह और भी खास था क्योंकि वे मेरे वहां होने की उम्मीद नहीं कर रहे थे।

उन्होंने कहा, मेरे पास बेंगलुरु पहुंचने और एक कार्यक्रम में जाने के बीच कुछ समय था और मुझे खुशी है कि मैं इसका सबसे अच्छा उपयोग कर सका। मुझे उम्मीद है कि मुझसे मिलने से उन्हें युवा एथलीटों के रूप में अपनी यात्रा में प्रेरणा मिलेगी।

**बच्चों को दिए ऑटोग्राफ, बिताया समय**

चोपड़ा, जो बेल्लारी में इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट का दौरा करने के लिए भी तैयार हैं, ने छोटे बच्चों से बात करने, ऑटोग्राफ देने और अपने ओलिंपिक स्वर्ण जीतने की उपलब्धि को याद करने में समय बिताया। दिन का सबसे खास क्षण तब आया, जब 30 से अधिक बच्चे चोपड़ा के साथ टोक्यो ओलिंपिक खेलों में उनके पदक समारोह में बजाए गए राष्ट्रगान को फिर से जीवंत करने में शामिल हुए।

## आईएसएसएफ वर्ल्ड कप :भारत की सामरा कौर ने जीता ब्रॉन्ज

### 7 मेडल के साथ भारत पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर

भोपाल, 27 मार्च (एजेंसियां)। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन वर्ल्ड कप के पांचवें दिन आज 50 मीटर रायफल 3 पोजीशन विमेन और 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल मेन के मुकाबले हुए। इवेंट में कुल 38 खिलाड़ी शामिल हुए।

दुनिया भर के 68 खिलाड़ियों सहित 9 भारतीयों ने निशाना लगाया। आखिरी दिन भारत के खाते में एक ब्रॉन्ज आया। भारत की सिफ्ट कौर सामरा ने यह मेडल जीता। उन्होंने रैंकिंग मैच में कुल 403.9 पॉइंट्स हासिल किए।

सामरा ने नीलिंग में 102.2, प्रोन में 103.4 और स्टेंडिंग में 198.3 पॉइंट्स हासिल किए। इवेंट के फाइनल मैच में चीन की जहांग किओंगोयूए ने गोल्ड और चेक रिपब्लिक की ऐनेता बरबकोवा ने सिल्वर जीता।

शनिवार को 25 मीटर पिस्टल वुमन फाइनल में मनु भाकेर ने भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। वर्ल्ड कप में भारत के मेडल की संख्या 7 हुई, जिसमें 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है।

भारत ओवरऑल मेडल टैली में चीन के बाद दूसरे पायदान पर रहा।

# उद्योगों व सार्वजनिक स्थानों पर जल्द ही स्वचालित डीफिब्रिलेटर अनिवार्य किए जाएंगे : हरीश राव

संगारेड्डी, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त और स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही 100 से अधिक कर्मचारियों वाले उद्योगों में स्वचालित बाहरी डीफिब्रिलेटर (एईडी) अनिवार्य कर देगी। सोमवार को संगारेड्डी समाहरणालय में कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार गेटेड समुदायों, अपार्टमेंट समुदायों, मॉल और अन्य स्थानों में एईडी मशीनों को अनिवार्य बनाने के लिए एक और अधिनियम लाएगी।

यह कहते हुए कि देश में 15 लाख लोग कार्डियक अरेस्ट से मर रहे हैं, राव ने कहा कि अगर लोगों को एईडी उपलब्ध कराने के अलावा सीपीआर में प्रशिक्षित किया जाए तो वे 50 प्रतिशत तक जान बचा सकते हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार 15 करोड़ रुपये खर्च कर 1,200 एईडी खरीदेगी, जो बस्ती दवाखानों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य स्थानों पर उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से पुलिस, पंचायत और एसएचजी महिलाओं को सीपीआर, एईडी और मुंह से सांस लेने का प्रशिक्षण देने को कहा।

राजेंद्रनगर और वारंगल डीएम और एचओ में कांस्टेबल राजशेखर के त्वरित कार्यों को याद करते हुए लोगों की जान बचाई, राव ने कहा कि प्रशिक्षित व्यक्तियों की ऐसी त्वरित प्रतिक्रिया से कई लोगों की जान बच जाएगी। कार्डियक अरेस्ट की बढ़ती घटनाओं के बारे में बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि जीवन शैली में बदलाव, खान-पान की आदतों और शारीरिक व्यायाम की कमी को मुख्य कारणों के रूप में पहचाना गया है। कलेक्टर ए. शरत, विधायक चंटी क्रांति किरण, के माणिक राव सहित अन्य उपस्थित थे।

# क्या ईडी किसी महिला को पूछताछ के लिए दफ्तर में बुला सकता है...?

**बीआरएस नेता कविता की अर्जी पर विचार को सुप्रीम कोर्ट तैयार**

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में बीआरएस नेता के. कविता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट विचार करने के लिए तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ये विचार करेगा कि क्या ईडी किसी महिला को पूछताछ के लिए दफ्तर आने का समन जारी कर सकती है? इसे नलिनी चिदंबरम की याचिका के साथ टैग किया गया है। इस पर तीन हफ्ते बाद सुनवाई होगी लेकिन फिलहाल समन पर कोई रोक नहीं है। दरअसल बीआरएस नेता और तेलंगाना के मुख्यमंत्री की बेटी के. कविता सुप्रीम कोर्ट पहुंची हैं, इसमें ईडी के 16 मार्च को पेश होने के समन पर रोक लगाने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल पूछताछ पर रोक से इनकार कर दिया था।

कविता ने अपनी याचिका में मांग की है कि महिला होने के नाते उनसे ईडी दफ्तर में नहीं बल्कि घर पर पूछताछ हो। इस मामले में ईडी ने भी कैविएट याचिका दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कैविएट में ईडी ने कहा है कि कोई आदेश जारी करने से पहले उसकी भी दलील सुनी जाए। के. कविता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर ईडी की तरफ से पूछताछ के लिए जारी किए गए समन को चुनौती दी है। साथ ही मांग की है कि उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई ना करने के आदेश जारी किए जाएं।

# जून तक 220 स्कूलों के जीर्णोद्धार का काम पूरा कर लिया जाएगा : मंत्री

वारंगल, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री येर्राबेली दयाकर राव ने सोमवार को रायपर्ती मंडल के कोथूर गांव में दो स्कूलों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने उन्हें बताया कि जीडब्ल्यूएमसी सीमा के अंतर्गत आने वाले स्कूलों सहित जिले में 'मन ओरू-मन बड़ी/मन बस्ती-मन बाड़ी' कार्यक्रम के पहले चरण में चयनित सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों का नवीनीकरण मई के अंत तक पूरा हो जाएगा। जिला कलेक्टर पी प्रविण्य ने कहा कि 645 स्कूलों में से, 223 स्कूलों को इस विशेष कार्यक्रम के तहत चुना गया था जिसका उद्देश्य बुनियादी सुविधाएं, प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय उपलब्ध कराना और उनमें सुधार करना है। 13 मंडलों में कार्यों के निष्पादन के लिए छह इंजीनियरिंग विभागों को सौंपा गया है। जीर्णोद्धार की कुल अनुमानित लागत 105.17 करोड़ रुपये है। इन विद्यालयों में डाइनिंग हॉल, चारदीवारी निर्माण, बहते पानी के साथ शौचालय और किचन शेड का कार्य प्रगति पर है।

इस बीच, प्रति दिन आठ यूनिट बिजली पैदा करने के लिए 35 स्कूलों में सौर पैनल लगाए गए।

उच्च विद्यालयों में डिजिटल कक्षाएं चलाने के लिए इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि जिला कलक्टर के घटकों पर 59.29 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है, 22.54 करोड़ रुपये की नरेगा निधि के तहत प्रस्तावित कार्य और केंद्रीय खरीद कार्य (ग्रीन चाक बोर्ड, दोहरी डेस्क, आदि) 24.34 करोड़ रुपये अनुमानित है। नवीनीकरण के लिए ग्रामीण क्षेत्र से 167 और शहरी क्षेत्र से 56 विद्यालयों का चयन किया गया है।

223 विद्यालयों में से 222 विद्यालयों को प्रशासन की स्वीकृति प्रदान की गई। जबकि 164 स्कूलों के लिए 30 लाख रुपये से कम खर्च करने का निर्णय लिया गया था, 57 स्कूलों में से प्रत्येक को 30 लाख रुपये से अधिक आवंटित किए गए थे, और स्कूल प्रबंधन समितियों (एससीएम) के खातों में आज तक 10.30 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। जीर्णोद्धार कार्यों के तहत जिले के 70 स्कूलों में 6.53 करोड़ रुपये के विद्युतीकरण कार्य पूरे किए गए। 12.67 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 57 स्कूलों में अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण किया गया। विद्यालयों को 3.27 करोड़ रुपये से पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

# हैदराबादियों के लिए नया आकर्षण का केंद्र बनी खाजागुड़ा झील

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शांत परिवेश का मादक मिश्रण, सूर्यास्त का सुरम्य दृश्य के कारण खाजगुड़ा झील हैदराबाद में आगंतुकों के लिए एक पसंदीदा मिलन स्थल बन गया है।

पिछले कुछ महीनों में यह झील सूर्यास्त प्रेमियों के लिए एक नया हॉट स्पॉट बन गई है। झील के चारों ओर भोजन के दृश्य के साथ किसी अन्य की तरह फलता-फूलता नहीं है, सूर्यास्त के आश्चर्यजनक दृश्य का आनंद लेने और कुछ स्ट्रीट फूड का आनंद लेने के लिए यहां आने वाले आगंतुकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। इससे पहले लोग झील की खूबसूरत सेटिंग के कारण आते थे और कुछ स्थानीय विक्रेताओं ने उन्हें परोसने के लिए भोजन केंद्र स्थापित करने का फैसला किया। झील के एक खाद्य विक्रेता अप्पा राव कहते हैं, धीरे-धीरे, झील की सुंदरता और भोजनालयों के बारे में बात फैल गई, पिछले कुछ महीनों में आगंतुकों की संख्या सचमुच दोगुनी हो गई है। खाजागुड़ा झील फोटोग्राफरों और कैमरामैनों के बीच भी प्रसिद्ध हो गई है, जो फिल्मों, लघु फिल्मों या अन्य व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए शूटिंग करते हैं। शानदार पैदल रास्ते और सुंदर खिले हुए फूल झील के आसपास के क्षेत्र को लुभावनी बना देते हैं। लोग भव्य दृश्यों के साथ लंबी सड़कों पर ड्राइव पर भी जाते हैं।

शाम को 4 बजे खाने-पीने के स्टॉल लगाने और सूर्यास्त के प्रेमियों के बीच सुनहरे घंटे के दौरान अपनी बेहतरीन तस्वीरें लेने के लिए पहाड़ियों पर चढ़ते हुए, कुछ लोग इस झील पर मुख्य रूप से भोजन के लिए आते हैं और लड़ते हैं कि क्या लें। इस जगह पर कई प्रकार के फूड स्टॉल हैं जो चाट से लेकर हैदराबादी व्यंजनों और अन्य फास्ट फूड तक सब कुछ प्रदान करते हैं। बिरयानी, पिज्जा, मोमोज और बर्गर से लेकर पानी पुरी और आइसक्रीम तक आपको यह सब मिल जाएगा। सेंट जोसेफ कॉलेज की छात्रा स्वाति ने कहा कि लोग यहां भोजन के लिए आते हैं क्योंकि यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि सस्ता भी होता है, जो इसे हमारे जैसे कॉलेज के छात्रों और परिवारों के बीच लोकप्रिय बनाता है।

# मैं कांग्रेस में शामिल नहीं हुआ : डी. श्रीनिवास

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मीडिया में आई रिपोर्ट कि पीसीसी के पूर्व प्रमुख डी. श्रीनिवास कांग्रेस में फिर से शामिल हो गए हैं, के बाद खुद डीएस ने इसका खंडन किया और स्पष्ट किया कि वह कांग्रेस पार्टी में शामिल नहीं हुए हैं और अपने गिरते स्वास्थ्य के कारण वह सक्रिय राजनीति से दूर रहना चाहते हैं।

सोमवार को कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे एक पत्र में, श्रीनिवास ने कहा कि रविवार को, वह अपने बेटे डी. संजय के साथ गांधी भवन गए थे, जो पार्टी में शामिल हो रहे, जबकि वह पार्टी में शामिल नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि मैं हमेशा के लिए कांग्रेस का वफादार रहूंगा, लेकिन अपनी उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए मैं सक्रिय राजनीति से दूर रहना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा कि यह कहना उचित नहीं है कि संजय आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी का टिकट दिए जाने के आश्वासन पर पार्टी में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की नीतियों और उम्मीदवारों को टिकट देने की प्रक्रिया से हर कोई वाकिफ है। मैं अपील करता हूं कि मुझे किसी भी विवाद में न घसीटें। अगर आपको लगता है कि मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गया हूं, तो इस पत्र को भी पार्टी से मेरा इस्तीफा मान लीजिए।

## अवैध शिकार जंगली जानवरों के लिए एक बड़ा खतरा

आदिलाबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को एक बाघ की हत्या में शामिल तीन लोगों की गिरफ्तारी से पता चला है कि अवैध शिकार जंगली जानवरों के लिए एक बड़ा खतरा बना हुआ है, जबकि वन अधिकारी इस खतरे पर हितधारकों को जागरूक करने के प्रयास कर रहे हैं।

ग्रामीण इलाकों में रहने वाले कुछ समुदायों के लोग गर्मियों में जंगलों में पीने के पानी के स्रोतों पर लोहे या विद्युतीकृत फंदे लगाकर हिरण, जंगली भेड़, खरगोश और सूअर के निषिद्ध शिकार में शामिल होते रहे हैं। इस अभ्यास में देखा गया है कि 2016 से 2023 तक पूर्ववर्तीआदिलाबादजिले में विद्युतीकृत जाल के संपर्क में आने पर पांच बाघों को करंट लग गया था। कवल टाइगर रिजर्व (केटीआर) के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 2013 के बाद से आदिलाबाद जिले के जंगलों से 17 बाघ गायब हो गए हैं। उनमें से तीन कागजनगर के जंगलों में प्रसिद्ध फाल्गुन के शावक थे। इनमें से चार बाघों का शिकार किया गया था। शेष बाघों के ठिकाने का अभी तक पता नहीं चला है, अधिकारियों को संदेह है कि वे भी बिजली के जाल से मारे गए थे।

ग्रामीण भागों में जंगली जानवरों का आदतन शिकार बाघों के जीवन का दावा कर रहा है। हालांकि, हत्याएं तब सामने आती हैं जब शिकारी वस्तुओं का व्यापार करते हैं। मनचेरियल जिला वन अधिकारी शिव आशीष सिंह ने कहा कि बाघों के संरक्षण और जंगली जानवरों के शिकार के परिणामों के बारे में जनता में जागरूकता पैदा की जा रही है। आदतन अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है।

## हैदराबाद सहित अन्य जिलों में तापमान बढ़ना तय

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सहित राज्य के अन्य जिलों में आने वाले दिनों में तापमान बढ़ना तय है। इससे लोगों को काफी परेशानी हो सकती है। सोमवार को, भारत मौसम विज्ञान विभाग - हैदराबाद (आईएमडी) ने अगले चार दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया, जो इंगित करता है कि अगले कुछ दिनों में मौसम की स्थिति गंभीर रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस को पार करने की उम्मीद के साथ, दिन गर्म और असहनीय होंगे, जबकि रातें समान रूप से असहज होंगी, न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ने की उम्मीद है। येलो अलर्ट शहर को बेमौसमबारिश से भीगने के बाद आता है, जिससे निवासियों को क्षणिक राहत मिली। हालांकि, मौसम विभाग ने तेलंगाना के पूर्व में केवल छिटपुट बारिश की भविष्यवाणी की है, जबकि हैदराबाद और अन्य जिले ज्यादातर शुष्क रहेंगे।

# आंध्र प्रदेश में तीन लाख एकड़ से अधिक की फसल बर्बाद

अमरावती, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक सप्ताह पहले बेमौसम बारिश और आंधी के कारण आंध्र प्रदेशमें 3 लाख एकड़ से अधिक की फसल बर्बाद हो गई। राज्य भर के विभिन्न जिलों में कटाई के लिए तैयार रबी की खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा है। तटीय जिलों और रायलसीमा के किसानों को बेमौसम बारिश का प्रकोप झेलना पड़ा और अगले 10-15 दिनों में अच्छी फसल काटने की उनकी उम्मीद टूट गई।

बेमौसम बारिश से मक्का, मिर्च, धान और तंबाकू की फसलों को नुकसान हुआ है। आम की फसल को भी काफी नुकसान हुआ है। केला, टमाटर, अन्य बागवानी और सब्जियों की फसलों को भी नुकसान हुआ है। फसल के लिए तैयार मक्के की फसल कुछ जिलों में जलमग्न हो जाने से किसान हैरान रह गए। तेज हवाओं ने आम, पपीता और केले की फसल को भी नुकसान पहुंचाया। कई इलाकों में किसानों ने शिकायत की कि अधिकारी उनके बचाव में नहीं आए। कृषि विभाग के अधिकारी खेतों में नजर नहीं आए। अनंतपुर जिले में प्रभावित किसानों ने तड़ीपत्री हाईवे पर धरना दिया। फसल बर्बादी से सदमे में दो किसानों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बापट्ला जिले में, 48 वर्षीय महिला किसान निर्मला ने अपनी तम्बाकू की फसल को हुए नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली, जबकि चित्तूर जिले में, 45 वर्षीय किसान भास्कर ने फसल के नुकसान को सहन करने में असमर्थ होने के कारण कीटनाशकों का सेवन कर लिया। उन्होंने दो एकड़ में फूलगोभी और टमाटर उगाने के लिए 1.5 लाख रुपये का कर्ज लिया था, लेकिन पूरी फसल जलमग्न हो गई।

मक्का की खेती करने वाले किसानों को भी भारी नुकसान हुआ है। रबी सीजन में 4.97 लाख एकड़ में मक्का की खेती करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन वास्तविक खेती 5.90 लाख एकड़ में की गई थी। किसानों को प्रति एकड़ 35 हजार रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

दक्षिण तटीय जिलों के मिर्च किसान सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। उन्होंने 2.50 लाख रुपये से 3 लाख रुपये प्रति एकड़ का निवेश किया था और कथित तौर पर प्रति एकड़ 50,000 रुपये से 60,000 रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री, श्रीनिवास वेणुगोपाल कृष्ण के अनुसार, नंद्याल जिले के 15 मंडलों में मक्का, धान, काला चना और मिर्च की फसलों को नुकसान हुआ है। एनटीआर, पार्वतीपुरम मान्यम और कुरनूल जिलों के कुछ हिस्सों में मक्का की फसल को नुकसान हुआ है। पार्वतीपुरम मान्यम से केले की फसल के नुकसान की सूचना मिली, जबकि प्रकाशम जिले के एक मंडल में काले चने और कपास की फसल के नुकसान की सूचना मिली। कडप्पा और अन्नामैया जिलों के किसानों को भी बागवानी फसलों, विशेष रूप से पपीता, केला, आम, नींबू, तरबूज और हल्दी के नुकसान का सामना करना पड़ा। हालांकि राज्य में बेमौसम बारिश को हुए एक सप्ताह हो गया है, लेकिन सरकार अभी भी फसल के नुकसान से संबंधित आंकड़े सामने नहीं ला पाई है और इसके परिणामस्वरूप किसान अभी भी मुआवजे की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

19 मार्च को मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने रविवार को यहां वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और बेमौसम बारिश से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बेमौसम बारिश से हुई फसल क्षति का ब्यौरा मांगते हुए फसल क्षति की तुरंत गणना शुरू करने के निर्देश दिए. उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को एक सप्ताह में गणना पूरी करने और बारिश से फसल बर्बाद हुए किसानों की मदद के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए।

## बंडी ने सीएम से बिजली कर्मचारियों से बातचीत करने की मांग की

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज मांग की कि सीएम केसीआर बिजली विभाग के कर्मचारियों के साथ उनकी समस्याओं के समाधान के लिए चर्चा करें। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि कारीगरों सहित विभाग के 23 हजार से अधिक कर्मचारी लंबे समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार कर्मचारियों के लिए नए पीआरसी को लागू करने की मांग की अनदेखी कर रही है। 1999 से 2004 के बीच विभाग में शामिल होने वाले सभी लोगों को जीपीएफ की सुविधा प्रदान करने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए कर्मचारियों की मांगों का उल्लेख करते हुए, उन्होंने मांग की कि सीएम केसीआर बिजली कर्मचारियों के साथ बातचीत करें और जरूरतमंदों को डीपी दें।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

द्वितीय पुण्यतिथि

श्रीमती मंजू बाई
धर्मपत्नी : गणेश सिंह (बद्दु सिंह)
स्वर्गवास : रविवार दि. 28 मार्च 2021

हृदय की गहराइयों से आपको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं हम।
आपकी सरलता, सद्व्यवहार को कभी न भुला पायेंगे हम ।।

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –
गणेश सिंह (बद्दु सिंह) (पति), गणपत सिंह (मीनु सिंह) (देवर),
लाली बाई, अनुराधा बाई (ननंद), किशन सिंह (भतीजा),
विजेता बाई (ज्योति) - विश्वजीत सिंह (बेटी-दामाद),
सुशील सिंह-रीना बाई | भीम सिंह-सुनैयना बाई | नरेन सिंह-मेघा बाई (बेटा-बहू),
विपिन (नाती), देविका (गौरी), मेहा, शिवानी, धानी (नातिन),
भवानी (शान्नो), मनसा (पौत्री), शीतल, ओंकार, तुलजाराम, गजानन्द,
संजू, मन्ना, अमर, सन्नी (पौत्र) एवं समस्त किलेवाले परिवार

किलेवाले परिवार
'मुन्ना सिंह निवास'
म.नं. 14-10-769, लोवर धूलपेट, जुमेरात बाजार, हैदराबाद फोन : 9177434712

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.